'राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

समाचार गेट

TITLE CODE : HARHIN11569

वर्ष 01, अंक 211 पृष्ठ 08 मूल्य 01 रूपए बुधवार, 16 अक्टूबर 2024 samachargate@gmail.com

जरूरी सूचना

सुधी पाठकों को सूचित किया जाता है कि समाचार गेट के नाम पर अगर कोई पत्रकार आपसे पैसे की मांग करता है तो कृपया 9212339503 पर संपर्क करें। समाचार गेट में कार्य कर रहे पत्रकार सिर्फ वही हैं जिनके नाम से खबर छपती हैं।

शपथ ग्रहण : कल पंचकूला में होगा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आगमन

दशहरा ग्राउंड, सेक्टर 5 में होगा शपथ ग्रहण समारोह

पुलिस ने आमजन के लिए ट्रैफिक एडवाइजरी की जारी

आमजन से अपील, समारोह स्थल के निकट के ट्रैफिक रूट को छोड़कर अन्य वैकलपिक रास्तों का करें उपयोग

समाचार गेट ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में जिला पंचकूला में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आगमन को लेकर राज्य पुलिस की ओर से आमजन की सुविधा के लिए ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। 17 अक्टूबर को होने वाले कार्यक्रम के चलते आमजन के लिए दशहरा ग्राउंड सेक्टर 5 पंचकूला के चारों तरफ से रूट पूर्ण रूप से दोनों तरफ से बंद रहेगा। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि बेला विस्टा/शहीद मेजर संदीप सांखला चौंक (बाई तरफ) हैफेड चौक सेक्टर 4-5 ट्रैफिक लाइट - तवा चौंक / शहीद उधम सिंह चौक सेक्टर 9-10 ट्रैफिक लाइट सेक्टर 8-9 ट्रैफिक लाईट- शक्ति भवन चौक/गीता चौंक तक दोनों तरफ से 16 व 17 अक्टूबर, 2024 को सुबह 9 बजे से शाम 3 बजे तक बंद रहेगें। इस रूट पर ट्रैफिक को लेकर हर प्रकार की आवाजाही पर प्रतिबंध रहेगा। इस संबंध में आमजन से अपील है कि वे इन ट्रैफिक रूट को छोड़कर अन्य वैकलपिक रास्तों का उपयोग करें।

मीडियाकर्मियों के लिए विशेष प्रबंध

प्रवक्ता ने बताया कि मीडिया के लिए दशहरा ग्राउंड सेक्टर 5 पंचकूला में मीडियाकर्मियों के लिए भी अलग से पार्किंग की व्यवस्था की गई है। इस सबंध में बेला विस्टा चौंक (शहीद मेजर संदीप शांखला चौंक) - पुलिस मुख्यालय कट सेक्टर 6 ट्रैफिक लाइट-क्रॉस करके बाएं तरफ टर्न - वाटर ट्यूबवेल के साथ तहिति होटल के सामने पहले नंबर की पार्किंग एरिया में वाहनों को पार्क करने की सुविधा दी गई है। प्रवक्ता ने बताया कि यातायात प्रबंधन को लेकर कार्यक्रम स्थल पर वरिष्ठ आईएएस/आईपीएस अधिकारियों की सुविधा के लिए वाहनों की पार्किंग व्यवस्था की है। इसके लिए बेला विस्टा चौंक (शहीद मेजर संदीप शांखला चौक) पुलिस मुख्यालय कट सेक्टर 6 ट्रैफिक लाइट-क्रॉस करके बाएं तरफ टर्न वाटर ट्यूबवेल के साथ तहिति होटल के सामने दूसरे नंबर की बनी पार्किंग एरिया में वाहनों को पार्क किया जाएगा।

इसी प्रकार विधायक/सांसदों व अति गणमाननीय व्यक्तियों की सुविधा के लिए भी बेला विस्टा चौंक (शहीद मेजर संदीप शांखला चौक) पुलिस मुख्यालय कट सेक्टर 6 ट्रैफिक लाइट- क्रॉस करके बाएं तरफ टर्न सामने पंजाब नेशनल बैंक पार्किंग एरिया में वाहनों को पार्क करने की सुविधा दी है। प्रवक्ता ने बताया कि सभी इंडस्ट्रीयलिस्ट बेला विस्टा चौंक बाएं तरफ टर्न हैफड चौक से आगे- ट्रैफिक लाइट सेक्टर 4/5 परेड ग्राउंड से दाई तरफ टर्न- सीधा दाई तरफ से होते हुए सामने दा काव (ॠद्धद्ग ष्टश्1द्ग) के सामने पार्किंग एरिया में वाहनों को पार्क करेंगें। इसके अलावा, सभी सिविल प्रशासन व पुलिस कर्मचारी, जो अपनी ड्यूटी पर तैनात होंगे, वे सभी कर्मचारीगण बेला विस्टा चौंक बाएं तरफ टर्न हैफड चौक से आगे ट्रैफिक लाइट सेक्टर 4/5 परेड ग्राउंड से बाई तरफ टर्न बाई तरफ इन्द्रधनुष सेक्टर 5 पंचकूला की पार्किंग में वाहनों को पार्क करेंगे।

अग्रसेन भवन बल्लभगढ़ में खुला निशुल्क आई विजन सेंटर

समाचार गेट/सुमित गोयल

बल्लभगढ़। मंगलवार 15 अक्टूबर 2024 को लायंस क्लब फरीदाबाद ग्रेटर एवं श्री वैश्य अग्रवाल समाज अग्रसेन भवन, चावला कॉलोनी बल्लभगढ़ द्वारा आई विजन सेंटर का उद्घाटन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में लायन एन के गुप्ता एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में राजेश गर्ग (रिटायर्ड सेशन जज) एवं जे अल महेश्वरी के कर कमलो द्वारा उद्घाटन किया गया द्य यह सेंटर प्रतिदिन सोमवार से शनिवार तक सायं 3:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक खुला रहेगा इसमें प्रतिदिन निशुल्क आंखों का चेकअप एवं मोतियाबिंद के निशुल्क ऑपरेशन किए जाएंगे।

संस्था के महासचिव लोकेश अग्रवाल ने बताया कि इस अवसर पर श्री वैश्य अग्रवाल समाज के अध्यक्ष भगवानदास गोयल , कोषाध्यक्ष नरेश मंगला , उपाध्यक्ष जय किशन गर्ग, नरेश अग्रवाल, हेमंत मित्तल, हिमांशु गर्ग, लायन महेश अग्रवाल, लायन विनय गुप्ता, लायन प्रदीप अग्रवाल, लायन मनमोहन सिंह, लायन जयप्रकाश गुप्ता (ब्लैक रोज मेहंदी वाले) लायन आरपी ओझा , अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के जिला अध्यक्ष राधे श्याम बंसल एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे कार्यक्रम के उपरांत श्री भगवान दास गोयल जी एवं लायन श्री महेश अग्रवाल जी ने आए हुए सभी अतिथियों का धन्यवाद किया।

हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा हुआ फरीदाबाद के निजी स्कूलों की बसों का औचक निरीक्षण

निजी स्कूल सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी का करें अनुसरण

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग पंचकूला द्वारा फरीदाबाद शहर के निजी स्कूल की बसों का औचक निरीक्षण किया गया। बाल आयोग के आदेशानुसार जिला स्तरीय निरीक्षण टीम का गठन किया गया, जिसकी अगुवाई हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग पंचकूला के सदस्यों श्रीमती सुमन राणा व गणेश कुमार ने की। इस निरीक्षण टीम में विशेष रूप से बाल कल्याण समिति फरीदाबाद के अध्यक्ष श्रीपाल करहाना, क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण फरीदाबाद के मुख्य निरीक्षक गजेन्द्र गौतम व उनके सहयोगी मनोज कुमार, रामकिशन जिला ट्रैफिक पुलिस के सहायक निरीक्षक अजय वीर व जगबीर उप-जिला शिक्षा अधिकारी, फरीदाबाद सतीश चन्द्र, प्रसादी लाल प्रचार्य जयप्रकाश, सुधीर सिंह व तेजपाल जिला बाल संरक्षण इकाई फरीदाबाद की प्रतिनिधि श्रीमती अपर्णा काउंसलर, सामाजिक कार्यकर्ता युद्धवीर चाइल्ड हेल्पलाइन के प्रतिनिधि प्रदीप कुमार उपस्थित थे। टीम का नेतृत्व करते हुए हरियाणा बाल आयोग, पंचकूला के सदस्यों श्रीमती सुमन राणा व गणेश कुमार बताया पूरे हरियाणा राज्य में आज फिर से परिवहन विभाग हरियाणा द्वारा निर्धारित सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी अधिनियम के तहत दी गई। 28 शर्तो की अनुपालना की मॉनिटरिंग की शुरुआत की जा चुकी है, जिसके तहत जिला स्तर पर सभी संबंधित विभागों की टीम बनाकर स्कूल बसों का निरीक्षण किया जा रहा है।

आज फरीदाबाद से इसकी पुनः शुरुआत करते हुए आयोग के सदस्यों ने बताया कि बसों में विशेष रूप से प्राथमिक उपचार किट, अग्निशामक यंत्र, स्कूल प्रशासन के नम्बर, पुलिस, चाइल्ड लाइन नम्बर, बसों में सीसीटीवी कैमरा, स्कूलों के फोन नम्बर, बस एटेंडेंट या कंडक्टर का होना, बसों में रूट चार्ट, बसों में सिटिंग से ज्यादा बच्चों का न होना, स्पीड नियंत्रक का होना, बसों में जीपीएस सिस्टम होना, बसों सीट बैल्टों का होना इत्यादि व बच्चों का जागरूक होना जांचा जा रहा है, जिसके तहत आज फरीदाबाद के सेक्टर-16 स्थित महादेव देसाई पबलिक स्कूल, सेक्टर-14 स्थित डीएवी स्कूल, सेक्टर-17 स्थित एमवीएन स्कूल, मॉडर्न स्कूल व मानव रचना इन्टरनेशनल स्कूल तथा सेक्टर-19 स्थित डीपीएस स्कूल की बसों का निरीक्षण किया। इस दौरान कुछ स्कूलों की बसों में कुछेक खामियां मिली जिसकी तुरंत प्रभाव से सुधारीकरण के लिए सभी स्कूल प्रबंधकों को सख्त हिदायतें दी गई तथा मौके पर आरटीए व ट्रैफिक पुलिस फरीदाबाद द्वारा कुछेक स्कूल बसों के चालान भी किए गए। साथ ही आयोग की टीम द्वारा बस ड्राइवरों, कंडक्टरों व महिला बस सहायकों को सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी के नियमों की जानकारियां भी प्रदान की गई ताकि स्कूल के बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकें। इसके अलावा खासतौर पर टीम द्वारा यह भी देखा गया इनमें से कुछ स्कूलों में बच्चे इको गाड़ियों व ऑटो से भी आते है जोकि बहुत ही जोखिम भरा होता है, परंतु स्कूल प्रबंधक इससे अपना पल्ला झाड़ रहे है, जिसके लिए माता-पिता व अभिभावकों को जागरुक होना बहुत ही जरुरी है बच्चों को अनाधिकृत वाहनों से स्कूल भेजना जान-माल की हानि होने का बहुत बड़ा कारण बन सकता है।

आज आयोग व टीम के अन्य सदस्यों ने सामूहिक रुप से सुबह 6.30 बजे से दोपहर 3.00 बजे तक कड़ी मेहनत हुए एक-एक बसों का बारीकी से औचक निरीक्षण किया ताकि हमारे देश के भविष्यों की सुरक्षा में कोई चूक न रह जाए, बाल आयोग के सदस्य गणेश कुमार व श्रीमति सुमन राणा ने बताया कि हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग, स्कूलों बसों को लेकर काफी गंभीर है पूरे राज्य में सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी की सही अनुपालना करवाना ही आयोग का उद्देश्य है ताकि बच्चों के साथ कोई और दुर्घटना ना हो पाए। अंत में आयोग के सदस्यों ने फरीदाबाद जिले के सभी माता-पिता व अभिभावों से एक अपील व गुजारिश भी की कि अपने घर के चिरागों को असुरिक्षत वाहनों से स्कूल न भेजे, थोड़ी धनराशि व समय बचाने के चक्करों में अपने नौनिहालों के जीवन को खतरों में धकेले। टीम सदस्यों ने बताया कि आज लगभग 100 से भी ज्यादा स्कूल बसों का निरीक्षण किया गया।

असहाय लोगों के लिए वरदान साबित हो रही है प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना : डीसी

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने कहा कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना नागरिकों के लिए वरदान साबित हो रही है। आमजन के साथ-साथ जिसकी भी नागरिक की आय तीन लाख रूपए वार्षिक हो वह भी 1500 रूपए का प्रीमियम सालाना भरकर आयुष्मान भारत चिरायु योजना का लाभ ले सकता है। इस योजना के तहत असहाय परिवारों की बीमारियों का मुफ्त इलाज करवाया जाता है। इस योजना के तहत प्रति परिवार को प्रति वर्ष 5 लाख रुपए तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया जाता है।

डीसी ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का विस्तार करते हुए चिरायु योजना हरियाणा के नाम से शुरू किया है। चिरायु योजना आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत ही आती है। चिरायु योजना की सहायता से गरीब परिवार के लोग पांच लाख रुपए तक का निःशुल्क इलाज करवा सकते हैं। चिरायु योजना के तहत कम से कम 1500 बीमारियों का इलाज मुफ्त किया जाता है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 1.80 लाख रुपए तक आय वाले बीपीएल परिवारों को ही लाभ मिलता था। राज्य सरकार ने इस योजना का ज्यादा से ज्यादा से लाभ सुनिश्चित करने के लिए तीन लाख रुपए तक आय वाले परिवारों को भी इस योजना के तहत स्वास्थ्य लाभ देने के निर्णय लिया है। ऐसे परिवार केवल बहुत कम मासिक चार्ज केवल 1500 रुपए के वार्षिक भुगतान पर पूरे परिवार को स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर सकते है।

उपायुक्त ने बताया कि चिरायु योजना के अंतर्गत विवाह अथवा जन्म के माध्यम से किसी नए सदस्य का आगमन होता है तो वह भी इस योजना का लाभार्थी है, जिसके लिए जन्म प्रमाण पत्र व विवाह प्रमाण-पत्र देकर योजना में शामिल हो सकते है। उन्होंने कहा कि यह योजना पूर्णतः कैशलेस है, लाभार्थी केवल अपना आयुष्मान भारत कार्ड दिखाकर ही पैनल पर लिए गए निजी अथवा सरकारी अस्पतालों में अपना मुफ्त में इलाज करवा सकते हैं। आयुष्मान भारत कार्ड बनवाने हेतु लाभार्थी किसी भी अटल सेवा केंद्र, स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर अपना परिवार पहचान पत्र या आधार कार्ड दिखाकर बनवा सकते है। इसके अलावा पैनल पर लिए गए निजी अस्पतालों तथा सरकारी अस्पतालों में भी यह कार्ड मुफ्त में बनवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस योजना की अनूठी विशेषता पोर्टेबिलिटी है यानी चाहे मरीज किसी भी राज्य का हो, वह किसी भी राज्य के पैनल पर लिए गए निजी अथवा सरकारी अस्पतालों में अपना मुफ्त इलाज करवा सकते हैं। सरकार द्वारा न सिर्फ मुफ्त इलाज की सुविधा दी जा रही है, अपितु इलाज की गुणवत्ता पर भी पूरा ध्यान दिया जा रहा है।

किसान सुखाकर व साफ करके मंडी में लाएं फसल : उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा

उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने जिला के किसानों का आह्वान किया है कि वे अपनी फसलों को अच्छी तरह सुखाकर एवं साफ करके मंडियों में बिक्री के लिए लाएं। किसान फसल अवशेषों का उचित प्रबंध करें तथा फसल अवशेषों को न जलाएं। फसल अवशेषों को जलाने से पर्यावरण प्रदूषित होता है। किसान फसलों का उचित प्रबंधन कर अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं। उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने कहा है कि फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करें। फसल अवशेषों को कृषि यंत्रों की सहायता से भूमि में मिलाकर भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ाये या स्ट्रॉ बेलर मशीन से पराली की गांठे बनाकर सरकार द्वारा दिए जा रहे लाभ का फायदा उठाएं। फसल अवशेषों को जलाने से कई तरह से हानि होती है। इससे भूमि की उपजाऊ शक्ति को भारी नुकसान होता है तथा पर्यावरण प्रदूषित होने से सांस लेने में कठिनाई होती है।

उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने कहा कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण द्वारा फसल के अवशेष जलाने से होने वाले दुष्प्रभावों के मद्देनजर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इन निर्देशों के अनुसार फसल अवशेषों को आग लगाने वाले किसान से जुर्माने के रूप में 2500 रुपये से 15 हजार रुपये की राशि वसूल की जाती है।

उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने कहा कि फसल अवशेष प्रबंधन योजना सरकार की महत्वपूर्ण योजना है। इस योजना के तहत किसानों को कृषि यंत्र जैसे सुपर सीडर, जीरो टिलेज मशीन, स्ट्रॉ चॉपर, हैप्पी सीडर, रीवर्सिबल प्लो आदि अनुदान पर प्रदान किए जाते हैं, जिनकी मदद से किसान पराली को मिट्टी में मिलाकर भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ा सकते हैं या पराली की गांठे बनाकर अतिरिक्त आय प्राप्त कर सकते हैं।

जिला स्तरीय बाल महोत्सव-2024 का दूसरा दिन

एसयूटी अनिरुद्ध यादव ने दीप प्रज्वलित कर की महोत्सव की शुरुआत

● विविध कलाओं के प्रदर्शन के लिए मंच उपलब्ध करवाता है बाल महोत्सव : अनिरुद्ध यादव

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। एसयूटी अनिरुद्ध यादव ने कहा कि बाल भवन एक ऐसी संस्था है जो बच्चों को उनकी आयु, रूचि एवं योग्यता के अनुसार उनको विविध कलाओं के प्रदर्शन के लिए मंच उपलब्ध करवाती है। अनिरुद्ध सामुदायिक केंद्र नूंह में आयोजित जिला स्तरीय बाल महोत्सव - 2024 के दूसरे दिन बाल महोत्सव कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बाल महोत्सव में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर बच्चों को रचनात्मक गुण सिखाए जा सकते हैं। जो बच्चे नृत्य, चित्रकला, गीत गायन आदि प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं वे आगे चलकर इन्हीं क्षेत्रों मे निपुण कलाकार बन सकते हैं। इसलिए सभी बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ प्रतियोगिताओं में भाग लेना चाहिए। इसमें शिक्षकों और अभिभावकों को भी बच्चों की मदद करनी चाहिए।

जिला बाल कल्याण अधिकारी एस एल खत्री ने अध्यक्षता करते हुए आवाहन किया कि बाल महोत्सव 2024 का मुख्य उद्देश्य बच्चों को अधिक से अधिक प्रतिभागी बनाना है और बच्चों के लिए यह सुगम एवं अच्छा प्लेटफार्म है। उन्होंने बताया कि बाल महोत्सव की प्रतियोगिताओं को चार ग्रुपों में करवाया जा रहा है, जो ग्रुप 1- कक्षा 1 से 5, ग्रुप 2 - कक्षा 6 से 8, ग्रुप 3- कक्षा 9 से 10 व ग्रुप 4- कक्षा 11 से 12 तक रखा गया। प्रतियोगिताओं में समूह नृत्य ग्रुप 2 में, क्लासिकल 2 एकल नृत्य ग्रुप 2और ग्रुप 4, स्केचिंग ऑन दा स्पॉट ग्रुप 2 और 3 की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। आज की प्रतियोगिताओं में नूंह जिले के लगभग 55 स्कूलों के लगभग 450 बच्चों व उनके साथ आये एस्कोर्ट व अभिभावकों ने भाग लिया।

निर्णायक मंडल की भूमिका डॉ सुलक्षणा,वीणा कुमारी,अलका, रविन्द्र कुमार, पूनम, सीमा, गीता, सुनील कुमार, सविता,मंजू, प्रतिभा, राकेश कुमार, ओम सिंह, व ओमबीर सिंह ने निभाई। आज की प्रतियोगिताओं में मंच का संचालन असरफ मेवाती एवं पिंकी यादव ने किया। इस अवसर पर, परमजीत चहल जिला शिक्षा अधिकारी के मार्गदर्शन में कुसुम मालिक, जी एस मालिक, रामकिशन, सतीश कुमार, ओम सिंह, सुनील अत्री, बालभवन स्टाफ में, अनिल मोरवाल, कार्यक्रम अधिकारी, लोकेश कुमार, अनिल दांगी, प्रदीप कुमार, लोकेन्द्र जैमन, रामेहर सिंह, इकबाल, रिजवान, ज्योति, अंजना, हेमलता, आशा, प्रीति, संगीता, दीपक, मुकेश, एकता, सुमन, सागर व राहुल आदि उपस्थिति रहे।

संक्षिप्त समाचार

गाजा में स्कूल पर हमले में बच्चों समेत 20 लोगों की मौत, सुरंग में इजराइली सेना के सामने हिजबुल्लाह आतंकी कर रहे सरैंडर

येरूसलम, एजेंसी। मध्य गाजा में एक स्कूल में इजराइल के हवाई हमले में बच्चों समेत कम से कम 20 लोग मारे गए हैं। स्थानीय अस्पताल ने यह जानकारी दी। नुसरत में रविवार रात हुए इस हमले में दो महिलाएं भी मारी गई। गाजा में साल भर से जारी युद्ध के बीच कई लोगों को विभिन्न स्थानों पर शरण लेनी पड़ी हैं। इस स्कूल में कुछ फलस्तीनियों ने शरण ली हुई थी। शवों को नुसरत के अल-अवदा अस्पताल और दीर अल बला के अल-अक्सा शहीद अस्पताल ले जाया गया। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजराइल की बमबारी और गाजा पर उसके जमीनी आक्रमण में 42 हजार से अधिक फिलीस्तीनी मारे गए हैं। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, हिजबुल्लाह के आतंकवादी अब इतने डरे हुए हैं कि वे मरने से बचने के लिए इजराइली बलों के सामने आत्मसमर्पण कर रहे हैं। पिछले कुछ दिनों दक्षिणी लेबनान के एक गाँव में भूमिगत ढाँचे (सुरंग) में रह रहे एक आतंकवादी ने वहाँ पहुँची सेना के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। इजरायली सेना दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के आतंकी टनल तक पहुंच गई जिसका एक वीडियो भी शेयर किया गया है जिसमें सेना के सामने हिजबुल्लाह आतंकी सरेंडर करते दिखे। बता दें कि दक्षिणी लेबनान में टनल में बड़ी संख्या में हिजबुल्लाह के आतंकी सक्रिय हैं जिनके खात्मे के लिए इ्रष्टस्र लगातार इन टनल को निशाना बना रही है। राजधानी बेरूत पर इजराइल के हमलों के जवाब में की गई कार्रवाई बताया। इस हमले में 22 लोग मारे गए थे। बाद में हिजबुल्ला ने कहा कि उसने इजराइल के विशिष्ट 'गोलानी ब्रिगेड को निशाना बनाया तथा ड्रोन के हमले के दौरान इजराइली वायु रक्षा प्रणालियों पर कब्जा करने के लिए कई मिसाइलें दागीं।

अमेजॉन की जनजाति पर इंटरनेट का असर, शिकार छोड़कर फोन चलाते रहते हैं लोग

वाशिंगटन एजेंसी। इंटरनेट ने लोगों की जिंदगी को अच्छे और बुरे दोनों ही तरीकों से प्रभावित किया है। दूरस्थ अमेजॉन के जंगलों में रहने वाली जनजाति भी इसके प्रभाव से अपने आप को अछूता नहीं रख पाई है। अमेजॉन की मरूबो जनजाति के लोग पिछले दशक तक आधुनिक दुनिया से पूरी तरह से दूर रहते थे लेकिन पिछले कुछ समय में इंटरनेट ने उनकी दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। जंगलों में बहुत अंदर बसे होने के कारण 2023 तक इनके पास मोबाइल फोन तो थे लेकिन लेकिन नेटवर्क ना होने की वजह से वह आधुनिक तकनीकि से अधिक प्रभावित नहीं थे। लेकिन फिर एलन मस्क ने इस क्षेत्र में अपने सैटेलाइट इंटरनेट स्टारलिंक को लॉन्च करके पूरी कहानी पलट दी। मस्क की सैटेलाइट इंटरनेट कंपनी स्टारलिंक ने इस जनजाति के गांव में कुछ एंटीना लगाए और अमेजॉन वर्षावनों की गहराई में रहने वाली मोरुबो जनजाति तक भी इंटरनेट की पहुंच सुनिश्चित कर दी। सितंबर 2023 में इंटरनेट की पहुंच के बाद इस जनजाति के लोगों के जीवन में बहुत ही तेजी से बदल गया। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक जांच रिपोर्ट में इस गांव के बदले हुए हालातों को बताया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक इस गांव में लोगों के पास पहले से फोन थे लेकिन इंटरनेट ना होने की वजह से वह इनका उपयोग केवल फोटो खींचने और कभी-कभार बात करने के लिए करते थे लेकिन जब स्टारलिंक यहां आया तो जिंदगी बदल गई। त्साइनमा मोरूबो ने टाइम्स को बताया कि हमारी जनजाति में पहले लोग बहुत खुश रहते थे। अब वह दिन भर अपना काम काज छोड़कर मोबाइल फोन पर ही लगे रहते हैं। हमारे युवा जिन्हें काम करना चाहिए, वह इंटरनेट की वजह से आलसी हो रहे हैं। वे गोरे लोगों के तौर-तरीके सीख रहे हैं और लगातार अपनी जड़ों से कट रहे हैं। जनजाति के नेता अल्फ्रेडो मारुबो ने कहा कि युवा लोग अपने फोनों में अश्लील वीडियो देख रहे हैं।

यूक्रेन पर आफत गिरी, नारंगी हो गया आसमान ; रूस का गुप्त हथियार जो किसी के पास नहीं

कीव , एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध दिन बढ़ने के साथ खतरनाक होता जा रहा है। इस महायुद्ध को अगले साल फरवरी महीने में तीन साल पूरे हो जाएंगे। इस बीच पूर्वी यूक्रेन के एक शहर कोस्तियातिन्विका में रूस का ऐसा गुप्त और रहस्यमयी हथियार गिरा, जिसने पूरी दुनिया में कौतूहल बढ़ा दिया है। यह गुप्त हथियार दुनिया में इकलौता और सबसे उन्नत किस्म का है, जो रूस के अलावा किसी और के पास नहीं है। जब यह यूक्रेन में फटा तो कुछ देर के लिए आसमान नारंगी हो गया। यूक्रेनियों ने ऐसा नजारा पहली बार देखा और मारे दहशत के बंकरों में छिप गए। इतने लंबे वक्त से चल रहे इस युद्ध में कभी इस हथियार का इस्तेमाल नहीं हुआ है। यूक्रेन आशंकित है कि रूस का यह हथियार बताता है कि वह कुछ बड़ा करने की योजना बना रहा है। इस गुप्त हथियार से किसी को नुकसान नहीं पहुंचाया गया। ऐसी चर्चाएं हैं या तो यूक्रेनी लड़ाकों ने इसे हवा में ही नष्ट कर दिया या रूस द्वारा गलती से छोड़े जाने पर उसी ने इसे नष्ट कर दिया, क्योंकि प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि इस गुप्त हथियार के साथ रूसी लड़ाकू विमान भी आसमान पर दिखाई दिए। रूस नहीं चाहता था कि यह दुश्मन के हाथ लगे और इस हथियार से जुड़ी जानकारी दुनिया के सामने आए। यह हथियार रूस का प्रसिद्ध एस-70 ओखोत्निक ड्रोन बताया जा रहा है। जानकारों का मानना है कि इस तरह का उन्नत हथियार दुनिया में किसी के पास नहीं है। इससे पहले रूस ने जब भी यूक्रेन पर हवाई हमले किए हैं, आसमान पर सफेद रंग की रोशनी दिखाई दी है, लेकिन इस बार पूरा आसमान नारंगी रंग में नहाया हुआ दिखाई दिया।

दुनिया की इस जमीन पर नहीं है किसी भी देश का कब्जा, कोई भी जाकर बन सकता है पीएम

येरूसलम, एजेंसी। जमीन के लिए दुनिया के कई हिस्सों में देशों के बीच में लड़ाई मची हुई है। सबसे बड़ी लड़ाई इस वक्त फिलीस्तीन और इजरायल के बीच मची हुई है, जिसमें हजारों लोग मारे जा चुके हैं। लेकिन इजरायल से कुछ किलोमीटर दूर ही जमीन का एक हिस्सा ऐसा है जिस पर कोई भी देश कब्जा नहीं करना चाहता। दरअसल, हम बात कर रहे हैं बिर ताविल नामक क्षेत्र की, जो कि इजिप्ट और सूडान की सीमा के बीच में बसा हुआ है। इस रेगिस्तानी क्षेत्र पर ना तो सूडान अपना दावा करता है और ना ही इजिप्ट।

पिछले 60 सालों में यह क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय नेताओं के लिए एक चुनौती बना हुआ है। सहारा रेगिस्तान के उत्तरपूर्वी क्षेत्र में बसे इस 2060 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र का नाम खानाबदोशों ने बीर ताविल रखा है, जिसका अरबी में अर्थ होता है ऊंचा पानी वाला कुंआ।

आखिर कोई देश क्यों कब्जा नहीं करना चाहता : सबसे बड़ा सवाल यह है कि एक तरफ जहां पड़ोस में ही जमीन के एक छोटे से हिस्से के लिए इतना बड़ा युद्ध चल रहा है ऐसे में क्यों इजिप्ट, सूडान या फिर कोई अन्य देश इस खाली जमीन पर कब्जा नहीं करना चाहता.. दरअसल, इसके पीछे का कारण भी ब्रिटेन और 20वीं सदी में उसके द्वारा खींची गई

सीमाएं ही हैं। एक समय पर इस पूरे इलाके पर ब्रिटेन का कब्जा था, 1899 में ब्रिटेन और तत्कालीन सूडान सरकार के बीच हुए सीमा समझौते में एक सीमा रेखा खींची गई थी। कुछ ही समय बाद ब्रिट्रेन के छोड़कर चले जाने के बाद इलाके में परेशानी होनी शुरू हो गई, लेकिन इस क्षेत्र को लेकर विवाद तब और ज्यादा बढ़ गया जब इजिप्ट और सूडान के बीच में 1902 में एक और सीमा समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इन दोनों सीमा समझौतों के कारण बिर ताविल एक ऐसा क्षेत्र बन गया कि अगर कोई देश उस पर अपना अधिकार जमाता है तो उसे एक बड़े हिस्से (हलाब त्रिभुज) पर से अपना अधिकार खोना पड़ेगा।

क्योंकि बिर ताविल एक सूखाग्रस्त इलाका है इसलिए यहां की जमीन में ना तो किसी तरह के कोई मिनरल्स हैं और ना ही यह जमीन उपजाऊ है। इसके कारण ना तो सूडान और ना ही इजिप्ट इस इलाके को अपने देश में शामिल करना चाहता है। दोनों ही देशों ने इस वनस्पतिविहीन और जनसंख्या विहीन इस रेगिस्तानी क्षेत्र के विवाद को अनसुलक्षा छोड़ना ही बेहतर समझा है। देशों ने छोड़ा तो लोग नया देश बनाने की कोशिश करने लगे दोनों देशों ने जब इस रेगिस्तानी इलाके के ऊपर के अपने विवाद को अनसुलझा छोड़ने का मन बना लिया तो कई लोगों ने इस पर अपना कब्जा जमाने की कोशिश की। 2014 में वर्जीनिया के एक किसान ने बिर ताविल में एक झंड़ा गाड़ दिया और खुद को उत्तरी सूडान के राज्य का गवर्नर घोषित कर दिया। उनका कहना था कि वह चाहते हैं कि उनकी बेटी राजकुमारी बनें। इसके लिए उन्होंने अपना झंडा बनाया और यहां पर गाड़ दिया। लेकिन उनके दावे को निरस्त कर दिया गया। इस घटना के तीन साल बाद 2017 में इंदौर के रहने वाले एक शख्स ने इस जगह को अपना देश घोषित कर दिया और इस जगह का नाम 'किंगडम ऑफ दीक्षित' रख दिया। उन्होंने अपने आप को यहां का राजा घोषित किया और अपने पिता को अपना प्रधानमंत्री बना लिया। इन दोनों के अलावा कई और लोगों ने भी इस जगह को अपना देश बनाने की कोशिश की। लेकिन सहारा के रेगिस्तान में इस जगह को लेकर ऐसा करना एक घूमने के उद्देश्य से ही किया गया था। सूखाग्रस्त होने की वजह से किसी भी देश की इस इलाके में दिलचस्पी नहीं है।

भारत के खिलाफ जहर उगलने वाले कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो की मुश्किलें बढ़ीं, अपने ही सांसदों ने घेरा

ओटावा एजेंसी। भारत के खिलाफ जहर उगलने वाले कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उनकी ही पार्टी के सांसदों का उन पर भरोसा नहीं रहा है। कनाडा

में सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी के भीतर सांसदों का एक ग्रुप जस्टिन ट्रूडो पर पद छोड़ने के लिए दबाव बना रहा है। सीबीसी न्यूज ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि टोरंटो और मॉन्ट्रियल में हाल ही में हुए उप-चुनावों में हार के बाद असंतोष चरम पर पहुंच गया है, जिसके कारण असंतुष्ट सांसदों के बीच कई गुप्त बैठकें हुईं। ये सांसद प्रधानमंत्री पद से जस्टिन ट्रूडो को हटाना चाहते हैं और नेतृत्व में बदलाव के लिए कम-से-कम 20 नेताओं ने दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए हैं। इसी साल जून महीने में टोरंटो-सेंट पॉल उपचुनाव में ट्रूडो की पार्टी आश्चर्यजनक हार हुई थी, जिसके बाद से ही उनकी पार्टी में जबरदस्त असंतोष पनप रहा है। संसद की वापसी के साथ यह अशांति और बढ़ गई और मॉन्ट्रियल उपचुनाव में हार के बाद और भी बढ़ गई। एशिया में हाल ही में हुए शिखर सम्मेलन में ट्रूडो और उनके चीफ ऑफ स्टाफ कैटी टेलफोर्ड की अनुपस्थिति ने निराश सांसदों को बैठक करने और आगे की रणनीति बनाने का मौका दे दिया। इससे पहले, टोरंटो स्टार के शुक्रवार के एक पुराने आर्टिकल में भी 52 वर्षीय ट्रूडो पर पद छोड़ने के लिए सार्वजनिक रूप से दबाव डालने की कोशिशों के बारे में विस्तार से बताया गया था। अखबार ने बताया कि कम-से-कम 30 से 40 सांसद एक पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार हैं। ट्रूडो पर दबाव बनाना चाहते हैं लिबरल पार्टी के सांसद हालांकि, आर्टिकल में बताई गई संख्या से असल आंकड़े कुछ कम हो सकते हैं। ट्रूडो की लिबरल पार्टी के पास कनाडा के हाउस ऑफ कॉमन्स में 153 सीटें हैं। असहमति जताने वाले नेताओं द्वारा हस्ताक्षरित इस दस्तावेज को पारंपरिक पत्र के बजाए एक प्रतिज्ञा के रूप में बताया गया है, जिसका उद्देश्य ट्रूडो के इस्तीफे के लिए सांसदों से प्रतिबद्धता हासिल करना है, ताकि प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से विरोध होने पर एक बाध्यकारी समझौता बनाया जा सके।

डोनाल्ड ट्रंप की जान के पीछे पड़े दुश्मन, हत्या का एक और प्रयास; रैली में संदिग्ध बंदूकधारी गिरफ्तार

बेरूत, एजेंसी। क्या अमेरिका में चुनाव में दौरान पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या का तीसरी बार प्रयास हुआ है? दरअसल, रिपब्लिकन कैंडिडेट की कैलिफोर्निया रैली के पास सुरक्षा चौकी पर एक संदिग्ध व्यक्ति की गिरफ्तारी हुई। इसके पास से गोलियों से भरीं बंदूकें, कई पासपोर्ट और नकली लाइसेंस प्लेट बरामद हुआ। इसे लेकर आशंका जताई जा रहा है कि यह शख्स रैली में ट्रंप की हत्या करने के मकसद से आया था। रिवरसाइड काउंटी शेरिफ चाड बियांको ने कहा, हमारा मानना है कि विभाग ने हत्या के प्रयास को रोक दिया है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि ये फिलहाल अटकलें ही हैं। जेल रिकॉर्ड के मुताबिक, संदिग्ध को शनिवार को जमानत पर रिहा भी कर दिया गया। सीनियर पुलिस अधिकारी ने कहा कि संघीय जांच चल रही है। उन्होंने कहा, हम यही जानते हैं कि संदिग्ध अलग-अलग नामों से कई पासपोर्ट, फर्जी लाइसेंस प्लेट, बिना नंबर वाली गाड़ी और हथियारों के साथ चुनावी रैली में पहुंचा था। इसे देखते हुए विश्वास है कि हमने हत्या के एक और प्रयास को रोक दिया। इससे पहले, ट्रंप पर हमले की घटना बीते महीने उस समय हुई जब वह गोल्फ खेल रहे थे। उनसे कुछ ही दूरी पर तैनात सीक्रेट सर्विस के एजेंटों ने देखा कि लगभग 400 गज की दूरी पर मैदान के किनारे झाड़ियों के बीच एके राइफल का हिस्सा बाहर निकला हुआ था।

हिजबुल्लाह ने इजरायल के आर्मी बेस पर दागे ड्रोन, 4 सैनिकों की मौत और 60 से ज्यादा घायल

बेरूत, एजेंसी। ईरान समर्थित आतंकी गुट हिजबुल्लाह ने इजरायल के आर्मी बेस पर ड्रोन हमले किए हैं। यह अटैक इतना घातक था कि 4 इजरायली सैनिकों की मौत हो गई और 60 से अधिक घायल हैं। इजराइली बचाव सेवा की ओर से कहा गया कि बिनयामीना शहर में स्थित सैन्य अड्डे को निशाना बनाया गया। लेबनान के चरमपंथी समूह हिजबुल्लाह ने इस हमले की जिम्मेदारी भी ली है। इजरायल की वायु-रक्षा प्रणालियां इतनी मजबूत मानी जाती है कि ड्रोन या मिसाइल हमले में इतनी संख्या में लोगों के घायल होने की आशंका नहीं के बराबर रहती है। हालांकि, इस बार नुकसान पहुंचा है। इजरायली मीडिया ने बताया कि रविवार को लेबनान से 2 ड्रोन दागे गए। इजराइली सेना का कहना है कि एक ड्रोन को मार गिराया गया। यह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है कि घायलों में शामिल लोग आम नागरिक हैं या सैनिक। हिजबुल्लाह ने बयान में कहा कि उसने बेरूत में इजरायल की ओर से किए गए 2 हमलों के जवाब में इजरायल की सेना के प्रशिक्षण शिविर को निशाना बनाया। गुरुवार को बेरूत में किए गए हमले में 22 लोग मारे गए थे। पिछले 2 दिन में यह दूसरी बार है जब इजरायल में ड्रोन से हमला किया गया। शनिवार को तेल अवीव के उपनगर में ड्रोन अटैक हुआ, जिसमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हिजबुल्लाह के 50 लड़ाकों को मार गिराया- इजरायली सेना दूसरी ओर, इजरायल रक्षा बलों ने कहा कि उसने पिछले 24 घंटों में दक्षिणी लेबनान में आमने-सामने की मुठभेड़ों में हिजबुल्लाह के 50

आतंकवादियों को मार गिराया। आईडीएफ ने शनिवार को कहा कि उसने उत्तरी इजरायल के इलाकों और सेना बलों को निशाना बनाकर भूमिगत सुरंग शाफ्ट, कई हथियार भंडारण बुनियादी ढांचे, रॉकेट लांचर, मोर्टार बम और एंटी-टैंक मिसाइलों सहित 200 से अधिक हिजबुल्लाह के लक्ष्यों को निशाना बनाया। बयान में कहा गया कि इजरायली वायु सेना ने सीरिया-लेबनान सीमा पर भूमिगत सुविधाओं को निशाना बनाकर अभियान भी चलाया, जहां हिजबुल्लाह के हथियार रखे गए थे। इस बीच, इजरायली सेना ने गाजा पट्टी में अपना अभियान जारी रखा। सैन्य बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया और टैंक फायर, शॉर्ट-रेंज फायर व वायु सेना के हमलों के माध्यम से कई आतंकवादियों को मार गिराया।

इजरायल पर आंच नहीं आने देगा अमेरिका, अब सबसे धांसू रक्षा प्रणाली की तैनाती का ऐलान

वाशिंगटन। इजरायल ईरान के बीच तल्खी बढ़ने के बाद पूरे मिडिल ईस्ट में तनाव चरम पर है। एक और जहां अमेरिका का कहना है कि वह क्षेत्र में शांति सुनिश्चित करने की कोशिश में है, वहीं दूसरी तरफ वह अपने साथी इजरायल को जंग में हर मोर्चे पर मदद भी कर रहा है। अमेरिका कथित तौर पर अपने सबसे बेहतरीन एंटी-मिसाइल सिस्टम, टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस को इजराइल भेज रहा है। साथ ही इसे संचालित करने के लिए अमेरिकी सैनिकों को भी इजरायल भेजा जाएगा। इससे पहले 13 अक्टूबर को ईरान ने अमेरिका को इज़राइल का साथ ना देने की चेतावनी दी थी। हालांकि इसके तुरंत बाद ही अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने राष्ट्रपति जो बाइडेन के निर्देश पर इस कदम को उठाने का ऐलान किया है। हाल ही में 1 अक्टूबर को ईरान ने इज़राइल में 180 मिसाइलें दागी थीं। इसके बाद से ही इजरायल इन हमलों का जवाब देने की तैयारी में है जिससे क्षेत्र में कभी भी जंग भड़क सकता है। थाड अमेरिका में निर्मित एक मिसाइल रक्षा प्रणाली है। इसे बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने के लिए डिज़ाइन किया

गया है। यह छोटी, बड़ी और कम दूरी की मिसाइल हमले को आसानी से बेअसर कर सकता है। थाड एक बड़े इलाके को कवर कर सकता है और 150-200 किलोमीटर के बीच की दूरी पर दुश्मन के लक्ष्यों को निशाना बना सकता है। इससे पहले इजरायल ने पैट्रियट सिस्टम को भी तैनाती की थी। हर थाड बैटरी में आमतौर पर छह ट्रक-माउंटेड लॉन्चर, इंटरसेप्टर, रडार शामिल होते हैं और इसे संचालित करने के लिए करीब 95 सैनिकों की जरूरत होती है। अमेरिकी सेना का महत्वपूर्ण हिस्सा इस तैनाती से अमेरिका इजरायल-ईरान संघर्ष में सीधे तौर पर कूदने के संकेत दे रहा है। ईरान ने इज़राइल के खिलाफ मिसाइल हमले किए हैं और अमेरिका जवाब में इज़राइल की रक्षा में हर संभव प्रयास करने की बात कर चुका है। अब थाड सिस्टम की तैनाती से इजरायल की वायु सेना की क्षमता कई गुणा मजबूत हो जाएगी। इकोनॉमिक टाइम्स के मुताबिक अमेरिकी सेना में फिलहाल सात थाड हैं।

इजरायल पर 9/11 जैसा हमला करने वाला था हमास, ऐसा क्या हुआ जो पीछे हट गए आतंकी

गाजा , एजेंसी। हमास के एक हमले के जवाब में इजरायल ने आतंकियों के गढ़ गाजा और राफा को श्मशान बना दिया है। कम से कम 44 हजार लोग मार डाले। इस भीषण नरसंहार से पहले हमास ने पिछले साल 7 अक्टूबर इजरायल पर विनाशकारी हमला किया था। यह हमला इतना भयावह था कि महज 20 मिनट में 5000 मिसाइलें दागी गईं। मिसाइलों की इतनी संख्या के कारण इजरायल की वायु रक्षा प्रणाली आयरन डोम भी उसे रोकने में नाकाम रहा। नतीजन इस हमले में 1200 से ज्यादा लोग मारे गए और इसके बाद हमास ने सीमा पार करके सैकड़ों को बंधक बना लिया। 250 में से 100 बंधक अभी भी उसके कब्जे में हैं। जिन्हें इजरायल छुड़ाने की जद्दोजहद में है। ऐसी रिपोर्ट सामने आई है कि हमास ने 7 अक्टूबर से पहले इजरायल पर 9/11 जैसा हमले करने की योजना बनाई थी, लेकिन ऐन वक्त पर उसे प्लानिंग बदलनी पड़ी। 7 अक्टूबर 2023 को फिलिस्तीनी उग्रवादी समूह हमास का इजरायल पर हवाई हमला न सिर्फ इजरायल अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए भी उतना ही चौंकाने वाला था। इस हमले को लेकर हाल ही में सामने आए दस्तावेजों से पता चलता है कि इसकी योजना कई वर्षों से बनाई जा रही थी और इसे 2022 में ही अंजाम देने की योजना थी। हमास अमेरिका पर हुए 9/11 हमला जैसा करने की योजना बना रहा था। द न्यू यॉर्क टाइम्स, द वाशिंगटन पोस्ट और द वॉल स्ट्रीट जर्नल समेत कई अंतरराष्ट्रीय मीडिया आउटलेट्स ने इसे लेकर सनसनीखेज रिपोर्ट जारी की है। इसके मुताबिक, हमास इजरायल पर एक साल पहले ही हमला कर लेता, लेकिन हिजबुल्लाह और ईरान से मदद मिलने में देरी के कारण यह मुमकिन नहीं हो पाया। हमास इन दोनों की मदद से अतिरिक्त धन से अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत करना चाहता था। हमास नेताओं और ईरानी अधिकारियों के बीच हुई वार्ता से जुड़े दस्तावेजों से पता चलता है कि हमास की प्लानिंग 7 अक्टूबर जैसे भयावह नरसंहार से कहीं अधिक थी।

हमास का बिग प्रोजेक्ट : ऐसा पता चलता है कि जनवरी 2022 की शुरुआत में ही हमास एक बड़े पैमाने पर ऑपरेशन पर चर्चा कर रहे थे। जिसमें इजरायल में घुसकर उसके फेमस अजरीली टॉवर को 9/11 की तरह उड़ाने का विचार था। अलकायदा ने 11 सितंबर 2001 में अमेरिका में दो विमानों का अपहरण किया और वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में क्रैश कर दिया। इस हमले ने अमेरिका को हिला दिया था। जवाब में अमेरिका ने कुछ ही महीनों के भीतर अलकायदा प्रमुख ओसामा बिन लादेन को पाकिस्तान स्थित उसके ठिकाने पर मार गिराया। दो वर्षों तक हमास का सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व इजरायल को तगड़ी चोट देकर बड़ा आघात करना चाहता था। इसके लिए उसने ईरान और हिजबुल्लाह के साथ 10 हाई लेवल की बैठकें भी की।

7 अक्टूबर को इजरायल पर हुए हमले की साजिश में शामिल था ईरान? तेहरान ने दिया जवाब

संयुक्त राष्ट्र , एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के दल ने उन सभी रिपोर्टों को खारिज कर दिया है, जिनमें ईरान के ऊपर 7 अक्टूबर को इजरायल पर हुए हमलों में शामिल होने का आरोप लगाया गया था। 7 अक्टूबर को हुए हमले को लेकर इजरायली सेना के हवाले से अमेरिकी अखबारों और इजरायली सरकार ने यह दावा किया था कि इजरायल के ऊपर अचानक हमला करने से पहले हमास ने एक गुप्त मीटिंग के जरिए ईरान और हिजबुल्लाह को इस बात की जानकारी दी थी। ईरानी मिशन से मीडिया कर्मियों ने जब इन दावों के ऊपर सवाल पूछा तो उन्होंने इन्हें पूरी तरह से बेबुनियाद बताते हुए खारिज कर दिया। वहीं कतर में मौजूद हमास के उच्च अधिकारियों ने भी 7 अक्टूबर को हुए हमलों के बारे में बताया कि इस मिशन की जानकारी केवल गाजा में ऑपरेट कर रही हमास की सैन्य शाखा को थी। इस पूरे मिशन में उन्हें ही योजना बनाने, निर्णय लेने और निर्देश देने की जिम्मेदारी दी गई थी। ऐसे में इस घटना से किसी भी तरह से ईरान या हिजबुल्लाह को जोड़ना गलता है। इससे पहले शनिवार को न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में बताया गया था कि इजरायली सेना ने अपने जमीनी अभियान के द्वारा हमास की गुप्त मीटिंगों के बारे में कुछ दस्तावेज जब्त किए थे, जिन्हें बाद में अखबार को दिए गए। इन दस्तावेजों में 7 अक्टूबर के हमले के साथ-साथ याह्या सिनवार और हमास के महत्वपूर्ण सूचनाएं दर्ज थीं। इन दस्तावेजों में प्राप्त सूचनाओं के आधार पर यह दावा किया गया था कि हमास ने हिजबुल्लाह और ईरान को इस हमले के बारे में मनाने की कोशिश की थी। 7 अक्टूबर 2023 को हमास ने इजरायल पर

हमला करके करीब 1200 लोगों को मौत के घाट उतार दिया था। इसके साथ ही हमास के आतंकवादी करीब 250 लोगों को बंधक बना कर अपने साथ गाजा ले गए थे। इसके बाद इजरायल ने हवा और जमीन दोनों जगहों से गाजा पर हमला बोल दिया।

पिछले एक साल में इजरायल ने गाजा में हमास की कमर तोड़ कर रख दी। इन हमलों के बाद लेबनान का हिजबुल्लाह और ईरानी सरकार लगातार हमास का समर्थन करते हुए नजर आए हैं। लेबनान लगातार इजरायल के ऊपर मिसाइलों और रॉकेटों से हमला कर रहा है जिसके कारण इजरायल ने हमास के बाद लेबनान में भी जमीनी कार्रवाई करने का फैसला किया और हिजबुल्लाह के तत्कालीन प्रमुख नसरल्लाह की हत्या कर दी थी।

भाजपा विधायक विपुल गोयल के आदेशों के बाद अधिकारी व कर्मचारी हुए सक्रिय

विधायक बनते ही निगम अधिकारियों को दिए थे सफाई व सीवरेज व्यवस्था दुरुस्त करने के आदेश

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र से भाजपा से नवनिर्वाचित विधायक विपुल गोयल के आदेशों का असर धरातल पर दिखाई देने लगा है। विधायक बनते ही विपुल गोयल ने निगम अधिकारियों की बैठक बुला आदेश जारी किए थे कि 7 दिन के अंदर-अंदर क्षेत्र में सफाई व सीवरेज व्यवस्था दुरुस्त हो जानी चाहिए। इसके साथ-साथ उन्होंने स्ट्रीट लाइट व सीवरेज के ढक्कनों को लेकर भी आदेश जारी किए थे। उनके आदेशों के बाद विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में निगम अधिकारियों व कर्मचारियों ने कार्य युद्ध स्तर पर शुरू कर दिए हैं। आदेशों का पालन करते हुए नगर निगम द्वारा फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले भारत कालोनी, इंदिरा कॉम्प्लेक्स, हनुमान नगर, खेड़ी रोड, गोपाल कुंज सहित नहरपार व ओल्ड फरीदाबाद के कई हिस्सों में सफाई व सीवरेज दुरुस्त करने का कार्य युद्ध स्तर पर कार्य किए जा रहे जिसमें से कई इलाकों में कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं तथा कई इलाकों में कार्य जारी है। बता दें कि फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र में कई जगह से सीवरेज व्यवस्था, सफाई व सीवरेज के ढक्कनों को लेकर लोगों की समस्याएं विपुल गोयल के समक्ष आ रही थीं। ऐसे में विधायक बनते ही विपुल गोयल ने एक्शन मोड में आते ही नगर निगम अधिकारियों से बैठक कर 7 दिन में प्राथमिकता के आधार पर समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। उक्त क्षेत्रों में समस्याओं के समाधान पर स्थानीय लोगों ने खुशी व्यक्त की है। इस मौके पर विधायक विपुल गोयल ने कहा कि चुनाव से पहले उन्होंने जो वादे किए थे, उन वादों को पूरा करने के लिए उन्होंने प्रयास शुरू कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह तो मात्र एक शुरुआत है। शहर के विकास में व समस्याओं का समाधान करने में अधिकारियों की अहम भूमिका होती है इसलिए सरकारी विभागों के बीच सामंजस्य बिठाकर युद्ध स्तर पर कार्य किए जाएंगे ताकि धरातल पर शहर स्मार्ट सिटी नजर आए। विपुल गोयल ने कहा कि उनकी कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है। लोगों की समस्याओं के समाधान को लेकर अधिकारियों को लेकर न केवल आदेश दिए जा रहे हैं बल्कि समीक्षा भी की जा रही है।

फरीदाबाद में छात्रा से छेड़छाड़ के आरोपी को तीन साल की सजा

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। फरीदाबाद में एक छात्रा के साथ छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को जिला कोर्ट ने मंगलवार को तीन साल की सजा सुनाई है। आरोपी ने छात्रा को जबरन ऑटो में खींचकर सूनसान जगह पर लेकर गया था और वहां छात्रा से छेड़छाड़ की। इस मामले में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हेमराज मित्तल की अदालत ने 3 साल और उसके दूसरे साथी को 2 साल की सजा सुनाई है। घटना सितंबर 2019 की है। लीगल सेल के एडवोकेट रविंद्र गुप्ता ने बताया कि एक सत्रह वर्षीय किशोरी 27 सितंबर 2019 को दाखिला लेने के लिए आईटीआई ऊंचा गांव गई थी। जब वहां से वापस आ रही थी, तो रास्ते में यादव कॉलोनी निवासी बलवीर उर्फ वीर और आदर्श नगर निवासी कपिल मिल गए। ऑटो बलवीर चला रहा था। दोनों ने

किशोरी को जबरन अपनी ऑटो में खींच लिया और उसे मलेरना गांव की ओर जंगल में ले गए। वहां कपिल ने उसे किस कर लिया। इसी दौरान किशोरी ने शोर मचा दिया।शोर सुनकर जब तक लोग वहां इके होते, बलवीर ऑटो तेज रफ्तार में भगा कर आशियाना फ्लैट की ओर ले जाकर किशोरी को छोडक़र फरार हो गया। पीड़िता ने पुलिस को फोन कर घटना की सूचना दी। जिस पर ये केस दर्ज हुआ था। कोर्ट ने कपिल को तीन साल की सजा और 26 हजार रुपए जुर्माना और बलबीर को दो साल की सजा और छह हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है।

भोजपुरी फिल्म शिवानी का फरीदाबाद में हुआ मुहूर्त

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग एस्कोर्ट्स-मुजेसर के पास होटल ग्रैंड हाईवे में डिस्कवरी फिल्म्स इंटरनेशनल एवं बिन्दा देवी फिल्म्स के संयुक्त तत्वाधान में भोजपुरी फिल्म शिवानी का मुहूर्त एक शानदार समारोह के दौरान किया गया। इस मौके पर फिल्म निर्माता एवं डायरेक्टर प्रैस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। दस दौरान फिल्म निर्माता मामेंद्र कुमार ने बताया कि ये उनकी पांचवीं फिल्म है। हिंदी फिल्म भाग डार्लिंग भाग के बाद लगातार भोजपुरी फिल्मों हम किसी से कम नहीं, लव लैटर, ससुरारी जिंदाबाद के बाद अब शिवानी फिल्म का निर्माण किया जा रहा है। इस फिल्म की शूटिंग फरीदाबाद, दिल्ली व मुम्बई की विभिन्न लोकेशनों पर की जाएगी। निर्माता रणबीर सिंह, राजदेव सिंह ने बताया कि फिल्म में बतौर कलाकार काजल राघवानी, लाडो मधेसिया, रागिनी, अंशु, सुधा चतुर्वेदी, सुधीर झा, त्रिवेणी बाबू, पूजा यादव, बाल कलाकार अमृत भारद्वाज आदि मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस मौके पर डायरेक्टर राम वृक्ष, डी ओ पी संजय सिंह, कलाकार गिरीश शर्मा, विजेंद्र सिंह, शिवानी भारद्वाज, संजीव कुशवाहा, रोहतास सैनी मौजूद रहे।

जिला में प्रदूषण नियंत्रण को लेकर प्रशासन सतर्क : जिलाधीश विक्रम सिंह

पटाखों के भंडारण, बिक्री व प्रयोग पर 22 अक्टूबर से 31 जनवरी तक रहेगी रोक

दीपावली, क्रिसमस व नववर्ष पर भी निर्धारित समय के दौरान ही कर सकेंगे ग्रीन पटाखों का इस्तेमाल

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। जिलाधीश विक्रम सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन फरीदाबाद जिला में प्रदूषण नियंत्रण को लेकर पूर्ण रूप से सतर्क है। उन्होंने कहा कि त्योहारी सीजन में जिला में पर्यावरण के लिए घातक बेरियम साल्ट वाले पटाखे बेचने व प्रयोग करने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। जिला में किसी को भी सुप्रीम कोर्ट व एनजीटी के आदेशों की जिला में अवहेलना नहीं करने दी जाएगी। त्योहारों पर केवल लाइसेंस लेकर हरित पटाखे (ग्रीन पटाखे) बेचने व प्रयोग करने की अनुमति होगी। उन्होंने कहा कि जिला में हरित पटाखों को छोड़कर अन्य प्रकार के पटाखों का भंडारण, बिक्री व इस्तेमाल करने वालों से सख्ती से निपटा जायेगा और उनके पटाखे जब्त कर चालान किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय की हिदायतों के अनुसार जिला फरीदाबाद में कम प्रदूषण फैलाने वाले ग्रीन पटाखे ही लाइसेंस प्राप्त व्यापारियों के माध्यम से बेचे जा सकते हैं।

जिलाधीश ने बताया कि सीएक्यूएम द्वारा जिला में सुप्रीम कोर्ट व एनजीटी के प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए व पटाखें जलाने पर प्रतिबंध लगाने के लिए जिला फरीदाबाद में पटाखों के भंडारण, बिक्री व इस्तेमाल (ग्रीन पटाखों को छोडक़र) पर रोक लगाने के आदेश जारी किए है। जारी आदेशों में फ्लिपकार्ट, अमेजन आदि ई-कॉमर्स कंपनियां पटाखों के किसी भी ऑनलाइन ऑर्डर को स्वीकार नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 223 के आधार पर प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जिला में पटाखों के उत्पादन, भण्डारण तथा बिक्री को लेकर विस्फोटक पदार्थ अधिनियम 1884 के तहत जारी किए हैं। जिलाधीश द्वारा जारी आदेश में नियमों की पालना सुनिश्चित करवाने की जिम्मेदारी एसडीएम, थाना प्रभारी, नगर परिषद के अधिकारीगण, खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी तथा तहसीलदार अपने-अपने कार्यक्षेत्र में एक-दूसरे से तालमेल करके इन आदेशों को सख्ती से लागू करवाएंगे। आदेशों को लागू करने वाले सभी अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे प्रतिदिन की पालना रिपोर्ट उपायुक्त कार्यालय में नियमित रूप से भेजेंगे।

जिलाधीश ने कहा कि हरित पटाखे भी दीपावली पर्व के दिनों और अन्य पर्व जैसे गुरु पर्व आदि के दिन रात 8 बजे से रात्रि 10 बजे तक व क्रिसमस व नववर्ष के अवसर पर भी निर्धारित समयावधि रात 11.55 से सुबह 12.30 बजे तक ही चलाने की अनुमति होगी। उन्होंने कहा कि इन आदेशों का उल्लंघन करते पाए जाने पर दण्ड प्रक्रिया अधिनियम तथा विस्फोटक पदार्थ अधिनियम 1884 की विभिन्न धाराओं के तहत कानूनी कार्यवाही करके दंडित किया जाएगा। यह आदेश जिला में 22 अक्टूबर, 2024 से लागू होकर 31 जनवरी 2025 तक प्रभावी रहेंगे। जिलाधीश विक्रम सिंह ने आमजन से आह्वान किया कि वे त्योहारों पर पर्यावरण का भी ख्याल रखें। दीपावली को इको फ्रेंडली तरीके से मनाना चाहिए। पटाखों की वजह से हमारे आस-पास का पर्यावरण तेजी से दूषित होता है। प्रदूषण की वजह से हम अपने आप को व अपनी सेहत को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं। हमें त्योहारों पर पर्यावरण का भी ख्याल रखना रखते हुए ईको फ्रेंडली तरीके से त्योहार मानना चाहिएं।

अंतर्विद्यालयीन प्रतियोगिता में 27 स्कूलों के 500 बच्चों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। बच्चों ने चित्रकला और शिल्पकला की कलाकृतियों से विद्यालय प्रांगण को एक 'लघु विश्व' में परिवर्तित कर दिया। सेक्टर-21सी स्थित मानव रचना इंटरनेशनल स्कूल में अंतर्विद्यालयीन प्रतियोगिता 'अभिव्यक्ति' का आयोजन किया गया।

इसमें फरीदाबाद, गुरुग्राम, दिल्ली एवं आसपास के 27 विद्यालयों के लगभग 500 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कक्षा एक 1 से लेकर आठवीं तक के विद्यार्थियों ने अपने मन के भावों को भाषा, नृत्य, गायन, वादन, चित्रकला और शिल्पकला के माध्यम से अभिव्यक्त किया। प्रतियोगिता की विभिन्न श्रेणियों और 30 उपश्रेणियों में प्रतिभागियों ने संस्कृत, हिंदी, अंग्रेज़ी, फ्रेंच एवं स्पेनिश भाषाओं तथा भिन्न-भिन्न वाद्ययंत्रों, गीत, गज़ल, सूफ़ी, अर्ध शास्त्रीय व पाश्चात्य नृत्य-संगीत, थियेटर एकल, माइम और भारतीय शास्त्रीय नृत्य की सुंदर प्रस्तुति दी। बच्चों ने चित्रकला और शिल्पकला की कलाकृतियों से विद्यालय प्रांगण को एक 'लघु विश्व' में परिवर्तित कर दिया। विद्यार्थियों ने अपनी अनुपम प्रस्तुतियों के माध्यम से विश्व में शांति, प्रेम, सद्भाव, सौहार्द और भाईचारे की आवश्यकता पर बल दिया। सुप्रसिद्ध बांसुरीवादक पंडित चेतन जोशी प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि थे। उन्होंने इस दौरान कहा कि इससे ललित कलाओं का प्रचार-प्रसार होगा। इनसे छात्र इन कलाओं को अपनाने के लिए प्रेरित होंगे। उन्होंने प्रतियोगिता की थीम 'सहअसतित्व' की प्रशंसा करते हुए कहा कि आज के समय में देश के भावी कर्णधारों को शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व जैसे विषय पर जागरूक करना बहुत ही सराहनीय है। प्रतियोगिता के विशिष्ट अतिथि के रूप में सुप्रसिद्ध कत्थक नर्तक पंडित बिरजू महाराज के पुत्र पंडित दीपक महाराज ने कला के माध्यम से शांति का संदेश प्रसारित करने के लिए विद्यालय के प्रयास की प्रशंसा की। मानव रचना शिक्षण संस्थान के उपाध्यक्ष अमित भल्ला ने इस अवसर पर कहाकि शांति, सद्भाव और भाईचारा आज के समय की आवश्यकता है। खुद को सदा शांत रखने वाला व्यक्ति न अपने जीवन में ढेरों सुख पाने के योग्य हो जाता है बल्कि वह अपने आसपास के लोगों और वातावरण को भी शांतिपूर्ण बनाए रखता है।

मानव रचना विद्यालयों की निदेशक संयोगिता शर्मा ने प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ाते हुए उन्हें आगे और बेहतर करने के लिए पेरित किया। निर्णायक मंडल में शामिल हरिओम शास्त्री, डॉ. मीना, अर्चना, एकता, सुरभि, मीता रामपाल, संजय सिंह राणा, गौरव कुमार, अर्पण सिंह, मुकेश गंगनानी, नदीम खान ने छात्रों की प्रशंसा कर उन्हें अपनी कला एवं कौशल द्वारा जनकल्याण के लिए प्रोत्साहित किया। स्कूल की प्रधानाचार्य सीमा अनीस ने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उनके भाषा कौशल, उनकी सोच तथा उनके प्रस्तुतिकरण की प्रशंसा करते हुए उन्हें विश्व के नन्हें शांतिदूत कहा। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से प्रेम, दया एवं सहिष्णुता के गुणों को अपनाने की अपील की।

रतन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट में (एफडीपी) का शुभारंभ

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। रतन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मेनेजमेंट सेवली जिला पलवल के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा एआईसीटीई अटल प्रायोजित (एडवांसिंग इन फैकल्टी स्किलस इन इलेक्ट्रोनिकल्स व्हीकल) पर एक सप्ताह का फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का शुभारंभ किया गया। प्रोग्राम का उद्घाटन कॉलेज के चेयरमैन यशवीर डागर के द्वारा किया गया। डायरेक्टर डॉ श्याम सुंदर कौशिक और एफडीपी के कोऑर्डिनेटर डॉ रविंदर कुमार के द्वारा मुख्य अतिथि डॉ संदीप खरब डिप्टी सेक्रेटरी एचएसबीटीई पंचकूला और शशि भूषण जांगड़ा प्रिंसिपल गवर्नमेंट पॉलिटेक्निकल कॉलेज उटावड़ का स्वागत किया गया। डॉ संजय अग्रवाल प्रो वाइस चांसलर छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद टेक्निकल यूनिवर्सिटी और डॉक्टर नेहा खुराना यूआईटी एमडीयू रोहतक द्वारा तकनीकी सत्र लिये गये। इनके द्वारा भविष्य में इवी का उपयोग और उनकी कार्यशैली के बारे में बताया गया। इस प्रोग्राम में पूरे भारत के विभिन्न संस्थाओं से 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस प्रोग्राम में रतन इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट के कुछ अध्यापक व अध्यापिकाओं ने भी भाग लिया।

कंप्यूटर-मोबाइल घंटों बैठकर चैट करन से बढ़ रही पीठ दर्द की समस्या : डॉ. विक्रम दुआ

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। कंप्यूटर के सामने घंटों एक पोजिशन में कम करना और मोबाइल पर चैट और गेम खेलने की आदत युवाओं को में लुंबर स्पोंडिलोसिस का शिकार बना रही है। इस कारण बुजुर्गों में होने वाली यह बीमारी अब युवाओं में तेजी से बढ़ रही है। वर्ल्ड स्पाइन डे पर यह कहना है ग्रेटर फरीदाबाद सेक्टर 86 स्थित एकॉर्ड अस्पताल के न्यूरो सर्जरी डिपार्टमेंट के डायरेक्टर डॉ. विक्रम दुआ का। उन्होंने कहा कि लुंबर स्पोंडिलोसिस (पीठ दर्द) लाइफ को काफी अनकंफर्टेबल बना देता है। युवाओं में यह बीमारी काफी तेजी से बढ़ी है। पिछले 2 साल में ओपीडी में इस बीमारी के मरीजों में युवाओं के केस 30 प्रतिशत तक बढ़े हैं। ग्रेटर फरीदाबाद सेक्टर-86 स्थित एकॉर्ड अस्पताल एकॉर्ड अस्पताल के न्यूरो सर्जरी और स्पाइन डिपार्टमेंट के

डायरेक्टर डॉ. विक्रम दुआ ने कहा कि भागदौड़ भरी जीवनशैली में 70 से 80 प्रतिशत लोगों को पीठ दर्द की समस्या होती है। इसके अलावा सोते समय हाथ में दर्द, जलन और झुनझुनी भी लोगों को परेशान करती है। इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। साथ ही रहन-सहन में बदलाव व तकनीकी निर्भरता के कारण युवा इस बीमारी की गिरफ्त में आ रहे हैं, जो कि आमतौर पर बुजुर्गों की बीमारी कही जाती है। उनके पास पहले जहां इस बीमारी के केस में 90 बुजुर्ग और 10 युवा आते थे। वहीं आज यह रेश्यो 70 और 30 पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि युवा आजकल घंटों कंप्यूटर पर समय बिताते हैं। उनकी फिजिकल एक्टिविटी जीरो हो गई है, ऐसे में स्पाइन डिसऑर्डर लगातार बढ़ रहा है। शुरुआती दौर में भले ही युवा इसे गंभीरता से न ले, लेकिन लंबे समय में यह परेशानी का कारण बन सकती है। उन्होंने कहा कि वर्ल्ड स्पाइन डे वेबसाइट के अनुसार, पीठ के निचले हिस्से में दर्द ग्रह पर वर्षों तक विकलांगता के साथ रहने का प्रमुख कारण बना हुआ है। रीढ़ की हड्डी में दर्द और विकलांगता कैंसर, स्ट्रोक, हृदय रोग, मधुमेह और अल्जाइमर रोग की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ रहा है। मूव योर स्पाइन अभियान का उद्देश्य घर, कार्यस्थलों, स्कूलों और समुदायों के भीतर की स्थितियों सहित रीढ़ की हड्डी में दर्द और विकलांगता के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना है।डॉ. रवि शंकर ने कहा कि पीठ दर्द का एक कारण घंटों कंप्यूटर पर बैठने के अलावा अधिक ड्राइविंग करना भी है। जब हम एक ही पोजिशन में ज्यादा देर तक बैठते हैं तो सिर से कमर तक की हड्डियों में खिंचाव पैदा होता है जो लुंबर स्पोंडिलोसिस बीमारी का संकेत है। ओपीडी में इस बीमारी के रोजाना 4 से 5 मरीज आ रहे हैं। कंप्यूटर के सामने घंटों बैठकर काम करना इस बीमारी का मुख्य लक्षण हैं। इसके अलावा कमर टेढ़ी करके बैठना, गलत तरीके से चलना, कमर दर्द को नजरअंदाज करना, कमजोरी आना, शरीर का कोई भाग सुन्न पड़ जाना, पैरों में झनझनाहट होना, चलने में दिक्कत होना, पेशाब रुक जाना। अगर कमर दर्द ठीक नहीं होती है और साथ में बुखार या टांगों में दर्द है तो तुरंत स्पाइनल सर्जन को दिखाएं।

संपादकीय

एससीओ समिटः छलका नवाज शरीफ का दर्द, कहा- हम भीख मांग रहे हैं

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शासनाध्यक्षों की परिषद (सीएचजी) की 23वीं बैठक के लिए विदेश मंत्री एस जयशंकर पाकिस्तान के इस्लामाबाद पहुंच चुके हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बैठक में शामिल होने से साफ इनकार कर दिया था। अब इसको लेकर पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री का दर्द साफ झलका है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधान मंत्री नवाज शरीफ ने आने वाले समय में भारतीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने की इच्छा व्यक्त की है। उन्होंने पड़ोसी देश के साथ बेहतर संबंधों की वकालत की। नवाज ने भारतीय पत्रकार बरखा दत्त के साथ एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि मैं हमेशा भारत के साथ अच्छे संबंधों का समर्थक रहा हूं। उन्होंने उम्मीद जताई कि रिश्ते को पुनर्जीवित करने का अवसर है। नवाज ने कहा कि ये बहुत अच्छा होती अगर प्रधानमंत्री (नरेंद्र) मोदी भी एससीओ शिखर सम्मेलन में शामिल होते। मुझे उम्मीद है कि निकट भविष्य में उन्हें और हमें एक साथ बैठने का अवसर मिलेगा।

नरवीर यादव
कार्यकारी संपादक

इंटरव्यू के दौरान नवाज शरीफ ने पाकिस्तान की आर्थिक स्थित पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि उनका देश सारी दुनिया से पैसे मांग रहा है, जबकि भारत चांद पर जा रहा है। उनके पास 600 अरब डॉलर का खजाना है। वो जी-20 शिखर सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। हम 1-1 अरब डॉलर के लिए चीन समेच अरब देशों के सामने भीख मांग रहे हैं। पुलवामा आतंकी हमले के जवाब में फरवरी 2019 में भारत के युद्धक विमानों द्वारा पाकिस्तान के बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी प्रशिक्षण शिविर पर हमला करने के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध गंभीर तनाव में आ गए। 5 अगस्त, 2019 को भारत द्वारा जम्मू-कश्मीर की विशेष शक्तियों को वापस लेने और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने की घोषणा के बाद संबंध और भी खराब हो गए। नई दिल्ली द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद पाकिस्तान ने भारत के साथ राजनयिक संबंधों को कम कर दिया। हालाँकि, नवाज़ शरीफ़ बार-बार भारत के साथ सकारात्मक संबंधों की वकालत करते रहे हैं। पिछले साल उन्होंने भारत और अफगानिस्तान सहित पड़ोसियों के साथ संबंधों को बेहतर बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया था। उन्होंने यह याद दिलाते हुए कि कहा था कि दो भारतीय प्रधानमंत्रियों, अटल बिहारी वाजपेयी और नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान का दौरा किया था। उन्होंने मोदी को रिकॉर्ड तीसरी बार जीत हासिल करने पर बधाई दी और कहा कि यह उनके संबंधों पर लोगों के विश्वास को दर्शाता है।

झेंप मिटाने के लिए दुबारा मतगणना का राग अलाप रहा पराजित हुआ प्रतिद्वंदी

ससुर-पुत्रवधु के एकसाथ चुनाव हारने के बाद कर रहे दबाव बनाने की राजनीति

केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के 60 साल के राजनीतिक जीवन में नहीं लगा कोई दाग

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। जो लोग मतगणना या चुनाव दुबारा करवाने की दुहाई दे रहे हैं असल में वे अपनी झेंप मिटा रहे हैं। अटेली हलके की नवनिर्वाचित विधायक आरती सिंह राव ने अपने प्रतिद्वंदी द्वारा चुनाव मतगणना में धांधली व गडबडी करने के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि अधिकारियों द्वारा मतणना पूरे इत्मीनान के साथ पूरी की गई। विधानसभा चुनाव में ससुर व पुत्रवधु एकसाथ चुनाव हार गए तो हार का ठीकरा दूसरे के सिर फोडने की साजिस रची जा रही है। जबकि मतगणना को लेकर सवाल खडे करने की आवश्यकता ही नहीं है। उन्होंने अटेली हलके के बसपा व इनेलो के संयुक्त प्रत्याशी को आडे हाथों लेते हुए कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान बसपा व इनेलो सुप्रिमो की ओर से उनके पक्ष में जनसभा तक नहीं की गई।

ससुर-बहु के चुनाव हारने के बाद दबाव बनाकर देख रहे हैं। उन्होंने केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह पर मतगणना के दौरान गडबडी करवाने के जो आरोप लगाए हैं जोपूर्णतया तथ्यविहीन तथा मनघंडत हैं। उनमें कोई सच्चाई नहीं है। राव इंद्रजीत सिंह के 60 साल के

राजनीतिक जीवन में कोई दाग नहीं है। अटेली हलके की जनता का आशीर्वाद उन्हें मिला है। जनता-जनार्दन द्वारा दिए गए मतों से उनकी विजय हुई है।

चुनाव में पराजित होने के बाद राजनीतिक प्रतिद्वंदी दुबारा से चुनाव करवाने के राग अलापने लगे हैं, जबकि येजनता का फैसला था। जिसे सिरमाथे रखना चाहिए। चुनाव जीतने पर जो प्रमाण पत्र आरओ द्वारा दिया जाता है वह सभी राउंड की गिनीती होने तथा प्रत्याशी एवं मतगणना एजेंट द्वारा हस्ताक्षर करने के बाद सभी डाटा आनलाईन अपलोड करने तथा जीत होने के बाद ही जारी किया जाता है। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह व आरती राव ने दिनरात एक कर जिस तरीके से चुनाव की कंपेनिंग की वह वास्तव में काबिले तारीफ थी। कार्यकर्ताओं व मतदाताओं ने भाजपा प्रत्याशी आरती सिंह राव के पक्ष में भारी मतदान किया। जिसके बल पर उन्होंने अपने राजनीतिक प्रतिद्वंदी को 2500 मतों से पराजित किया। उन्होंने कहा कि अखाडे में जब पहलवान पराजित होता है तो वह भी अपने प्रतिद्वंदी को दुबारा देख लेने की बात दोहराता है। चुनाव में हारा हुआ प्रत्याशी भी आमजन को बरगलाने के लिए दुबारा से मतगणना या चुनाव करवाने की बातें कहने लगा। उन्होंने कहा कि राव इंद्रजीत सिंह की बदौलत अकेले अटेली नहीं बल्कि कोसली से अनिल डहिना, रेवाडी से लक्ष्मण सिंह यादव, बावल से डॉ कृष्ण कुमार, नारनौल से औमप्रकाश यादव, दादरी से सुनील सांगवान, बाढडा से उमेद पातुवास, गुरूग्राम से मुकेश शर्मा, पटौदी से बिमला चैधरी सहित अन्य पार्टी नेताओं भी विजय मिली है।

सीबीएसई नैशनल बॉक्सिंग की चौथी बार मेजबानी करेगा एसडी स्कूल

कल 17 अक्टूबर से प्रारंभ होगी प्रतियोगिता, सीबीएसई जोन 8 से 925 खिलाड़ी करेगें प्रतिनिधित्व

देश के सभी राज्यों के अलावा बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरबीया, यूएई देशों के खिलाडी लेगें हिस्सा

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना सब डिवीजन के प्रसिद्व गांव ककराला सथित एसडी विद्यालय में 17 अक्टूबर से तीन दिवसीय नैशनल सीबीएसई बॉक्सिंग चैंपियनशिप प्रतियोगिता शुरु होगी।

दिलचस्प बात है कि चैथी बार इस प्रतियोगिता की मेजबानी एसडी स्कूल कर रहा है। प्रतियोगिता को लेकर विद्यालय की तरफ से सभी तैयारिया पूरी कर ली गई हैं। पूर्ण कर ली गई है। प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं संस्था के चेयरमैन जगदेव सिंह यादव ने बताया कि 17 अक्टूबर से शुरु होने वाली इस प्रतियोगिता में भारत देश के विभिन्न प्रातों सहित 6 देशों बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरबीया, यूएई के खिलाड़ी भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेगें। उन्होंने बताया कि मंगलवार से ही खिलाड़ी विद्यालय में पहुँचने शुरु हो गए हैं।

इस प्रतियोगिता 25 मुकाबले अंतरराष्ट्रीय कोच के साथ खेले जाएगें। खिलाड़ियों को क्रीडा स्थल तक लाने-ले जाने तथा रहने व अच्छे भोजन की व्यवस्था विद्यालय प्रशासन की और से की गई है। उन्होंने बताया कि एसडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ककराला ने 2018 में पहली नैशनल सीबीएस बॉक्सिंग चैमपियनशिप की मेजबानी की थी। जिसमें 6 विदेशी व 20 सीबीएसई कलस्टर स्तरीय टीमों से 630 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। इसके बाद 2019 में दूसरी, 2023 में तीसरी नैशनल सीबीएसई बॉक्सिंग चैमपियनशिप की मेजबानी की थी। जिसमें 6 विदेशी व 20 सीबीएसई कलस्टर स्तरीय टीमों से 898 खिलाड़ियों ने भाग लिया था। बृहस्पतिवार, 17 अक्टूबर से चैथी नैशनल सीबीएसई बॉक्सिंग प्रतियोगिता शुरु होगी। जिसके लिए विद्यालय प्रबंधन की तरफ से सभी तैयारिया पूरी कर ली गई हैं। प्रतियोगिता में 6 विदेशी टीमों सहित पूरे भारत वर्ष से सीबीएसई के 8 जोन से 925 खिलाडी हिस्सा लेने की संभावना है। इस मौके पर प्राचार्य औमप्रकाश, सीईओ आरएस यादव उपस्थित थे।

चचंल जाखड़ ने जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता में किया प्रथम स्थान हासिल

समाचार गेट/हरिओम भारद्वाज

होडल। एनजीएफ कॉलेज की छात्रा चचंल जाखड़ ने करनाल में आयोजित जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता में 15 सौ मीटर दौड़ में प्रथम स्थान हासिल कर गोल्ड पर कब्जा किया। कॉलेज की छात्रा का मंगलवार को कॉलेज में पहुंचने पर कॉलेज प्रबंधन की ओर से जोरदार स्वागत किया गया। छात्रा ने इस प्रतियोगिता में पहला स्थान प्राप्त कर जूनियर नेशनल प्रतियोगिता में अपना स्थान पक्का कर लिया है। एनजीएफ कॉलेज के खेल निदेशक जितेंद्र तेवतिया ने बताया कि करनाल में आयोजित हुई जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता में कॉलेज की छात्रा चंचल जाखड़ ने 1500 मीटर दौड़ पहला स्थान प्राप्त किया। छात्रा का दौड़ में पहला स्थान प्राप्त करने पर नेशनल जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता के लिए भी चयन किया गया है। प्रतियोगिता में दर्जनों कॉलेजों के सैकडों बच्चों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में पहला स्थान प्राप्त करने पर छात्रा का कॉलेज में पहुंचने पर कॉलेज के सीईओ अशविनी प्रभाकर, डॉयरेक्टर डॉ. शरत कौशिक, रेडियो (एफएम) की डॉयरेक्टर दिप्ती शाह व कोच अशोक देशवाल ने जोरदार स्वागत किया और अच्छे भविष्य की कामना की। छात्रा चचंल जाखड़ ने बताया कि उसका लक्ष्य पीटी ऊषा की तरह दौडक़र देश का नाम विश्व पटल पर रोशन करना है। जिसके लिए वह रोजाना अभ्यास भी कर रही है। इस अभ्यास में जहां कोच उनकी मद्द करते है, वहीं कॉलेज मैनेजमेंट व खेल निदेशक जितेंद्र तेवतिया का महत्वपूर्ण योगदान है।

कनीना मंडी में बढ़ रही बाजरे की आवक

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना की नयी आनाज मंडी चेलावास में बाजरे की आवक बढती जा रही है। किसान सुबह से ही बाजरे से लदे वाहन लेकर मंडी में पंहुच रहे हैं। जिसके चलते प्रतिदिन 10 हजार क्विंटल से अधिक बाजरे की खरीद की जा रही है। ई-खरीद पोर्टल से टोकन लेकर किसान मंडी चेलावास में पंहुच रहे हैं जहां वे बिना कतार में लगे किसान बाजरा बेच रहे हैं। कनीना-अटेली मार्ग पर रेवाडी-बीकानेर रेलवे लाईन पर आरओबी का निर्माण कार्य किये जाने के चलते किसान ग्रामीण लिंक मार्गों से मंडी में जा रहे हैं। सोमवार को 10200 क्विंटल बाजरे की खरीद की गई वहीं मंगलवार को 10500 क्विंटल बाजरा खरीदा गया। खरीद एजेंसी स्टेट वेयर हाउस की प्रबंधक सीमा सिंह ने बताया कि 2625 रूपये प्रति क्विंटल के हिसाब से बाजरे की खरीद की जा रही है। बाजरे की खरीद होने के बाद तीन दिन के अंतराल में किसानों के खाते में पैसे डाले जा रहे हैं। 60 हजार क्विंटल बाजरे का उठान कर पलवल व जींद भेजा गया है। किसान खेत खाली कर रबि फसल की बिजाई की तैयारी करने में जुट गए है। इस मौके पर मनीष गुप्ता, संदीप, बंटी, आदेश कुमार, सतीश कुमार, नरेश कुमार, टिंकू, राधेश्याम, अशोक कुमार, धर्मदत्त उपस्थित थे।

कनीना-रेवाडी मार्ग पर भडफ के पास भिडे दो भारी वाहन

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना-रेवाडी सडक मार्ग पर मंगलवार को दो भारी वाहनों की आमने-सामने की भिडंत हो गई। भडफ बस स्टैंड के समीप घटित इस हादसे में वाहन क्षतिग्रस्त हो गए वहीं चालक को भी चैटें आई। जिसे अस्पताल में दाखिल कराया गया। हादसे के बाद सडक के बीचोंबीच खडे वाहनों से यातायात जाम हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस को ईआरवी वाहन मौके पर पंहुचा। जिसमें सवार पुलिस कर्मियों ने सडक से वाहनों को हटाकर यातायात बहाल कराया। पुलिस हादसे की छानबीन कर रही है।

एवीटी पुलिस की नशा तस्करों पर बड़ी कार्यवाही,करीब 50 लाख के बरामद डोडा पोस्त तस्करी में फरार चल रहे दो सोर्स आरोपी पर कसा शिकंजा

समाचार गेट/हरिओम भारद्वाज

होडल। पुलिस प्रवक्ता कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार एसपी श्री चंद्र मोहन,आईपीएस द्वारा जिला पुलिस को नशा तस्करों पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए हुए हैं इसी कड़ी में कार्य करते हुए एवीटी हथीन प्रभारी क्क्स्ढ्ढ दीपक गुलिया की टीम ने करीब 50 लाख के बरामद डोडा पोस्त तस्करी में फरार चल रहे दो सोर्स आरोपी गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। एवीटी हथीन प्रभारी पी/ एस आई दीपक गुलिया ने बताया कि गत दिनांक 14 जून 2024 को उनकी टीम ने अवैध नशा तस्करी पर करारा प्रहार करते हुए मुंडकटी थाना क्षेत्र अंतर्गत पुराना टोल तुमसरा पर नाकाबंदी कर गाड़ी ट्रक न. एच पी -67ए -4805 में 593.500 किलोग्राम मादक पदार्थ चुरा पोस्त (डोडा पोस्त) की बड़ी खेप को पंजाब लेकर जा रहे बडरुखा थाना लोंगोवाल जिला संगरुर पंजाब निवासी गुरशरण तस्कर को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की थी। बरामद मादक पदार्थ चुरा पोस्त की मार्किट कीमत करीब 50 लाख रुपए है। मादक पदार्थ तस्करी के नेटवर्क का पता लगाये जाने के लिये आरोपी को 5 दिन के पुलिस रिमांड पर लेकर जेल की सलाखों के पीछे भेजा। इसके उपरांत दिनांक 30 अगस्त 2024 को इस मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क में शामिल एवं 5000 के इनामी घोषित आरोपी पप्पू सिंह ऊर्फ पप्पी को संगरुर पंजाब से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की।

एवीटी हथीन प्रभारी ने बताया कि विवेचना में बरामद डोडा पोस्त संगरुर पंजाब निवासी सिन्दरपाल की होना तथा झारखण्ड निवासी आरोपी मनोरंजन यादव से खरीदी जानी मिली। जाँच इकाई ने दिनांक 14 अक्टूबर को उपरोक्त दोनों ही आरोपियों को नियम अनुसार गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। अपराधिक रिकॉर्ड मुताबिक आरोपीयों के खिलाफ थाना सिविल लाइन जींद में नशा तस्करी के सम्बन्ध में भी एक अन्य मामला दर्ज है। आरोपी सिन्दरपाल को बाद शामिल तफतीस न्यायिक हिरासत में भेज दिया जबकि आरोपी मनोरंजन यादव को पुलिस रिमांड पर लिया गया है ताकि इस बड़े नेटवर्क में शामिल तस्करों का खुलासा किया जा सके। तस्करी से जुड़े किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा जो शीघ्र ही पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

खेतों में काम कर रहे किसान की करंट लगने से मौत

समाचार गेट/हरिओम भारद्वाज

होडल। गांव गोडोता में खेतों में काम कर रहे एक किसान की करंट लगने से मौत हो गई। मृतक के परिजन जैसे ही घर के बाहर आए तो उन्होंने मृतक को खेतों में जमीन पर पड़ा देखा। परिजनों ने जब मौके पर जाकर देखा तो वह मर चुका था। पुलिस ने मृतक के बेटे की शिकायत पर मामला दर्ज कर मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए पलवल के अस्पताल में भेज दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गांव गोडोता निवासी राहुल ने पुलिस को दी शिकायत में कहा कि उनका पूरा परिवार खेतों पर मकान बनाकर रहता है। उसने बताया कि मंगलवार सुबह उसके पिता धर्मवीर घर के बाहर खेतों में कार्य कर रहे थे। खेतों में कार्य करते वक्त उन्हें करंट लग गया और वह जमीन पर गिर गए। जैसे ही हम घर से बाहर निकले तो हमने देखा की हमारे पिताजी जमीन पर पड़े थे।जब हमने पास जाकर देखा तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। हमने देखा कि उनकी मौत करंट लगने से हुई है। घटना की सूचना मिलते ही होडल थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पलवल के सरकारी अस्पताल में भेज दिया है। पुलिस ने मृतक के बेटे की शिकायत पर मामला दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

होडल अनाज मण्डी मैं नहीं हो रही धान की खरीद किसानो ने मार्किट कमेटी अधिकारी व राइस मिलरो पर लगाए गंभीर आरोप

समाचार गेट/हरिओम भारद्वाज

होडल। होडल की अनाज मंडी में नहीं हो रही है धान की खरीद किसान हो रहे हैं परेशान किसानों ने आरोप लगाया है कि राइस मिलर और मार्केट कमेटी के मिली भगत के कारण नहीं हो रही है धान की खरीद राइस मिलर ओने पौने मे खरीद रहे है किसान का सोना किसानो ने कहा की मोशचर के नाम पर प्राइवेट मिलर सरकारी रेट से करीब 500 रूपए सस्ता धान खरीद रहे है और मंडी में किसानों के लिए कोई भी सुविधा नहीं है।

होडल अनाज मण्डी मैं नहीं हो रही है किसानो के पीला सोना की खरीद चार दिन से किसान अपने पीला सोना धान को लेकर पड़ा हुआ है हरियाणा मैं तीसरी बार सरकार बन गई है और बीजेपी सरकार ने हरियाणा मैं सभी मंडियो को आदेश भी दे चुके है की किसानो का एक एक दाना खरीदा जाएगा लेकिन होडल अनाज मण्डी के अधिकारी और राइस मिलर ही सरकार के आदेशों को ठेंगा दिखाने माओ कोई कसर नहीं छोड़ रहे है होडल अनाज मण्डी मैं अपनी फसल को लेकर 5 दिनों से पड़ा हुआ हैअभी तक केवल दिखावे के तोर पर 90 किवंटल ही सरकारी खरीद की गई है इसके बाद किसानो को मोशचर के नाम पर किसानो की खरीद बंद कर दी गई इस मामले मैं जब राइस मिलर प्रधान नरेश ने बताया की धान मे मोशचर ज़्यदा है इस लिए राइस मिलर खरीद नहीं कर रहे है।

वहीं किसानो ने मार्किट कमेटी और मिलरो पर मिली भगत का आरोप लगाते हुए कहा की राइस मिलर धान की ढेरियो मैं मोशचर बता कर पंखा भी लगवा रहे है किसानो ने कहा की सरकारी रेट 2320 का रेट है लेकिन राइस मिलर उसके बाद भी धान मैं नमी ज्यादा बता कर सरकारी रेट से करीब 500 कम मैं खरीद रहे है तब मोशचर कहा चला जाता है किसानो ने कहा की बीजेपी सरकार को बदनाम करने मैं लगे है अधिकारी और मिलर किसानो ने सरकार से मांग की है की होडल अनाज मण्डी मैं सरकारी रेट मैं धान की खरीद कराई जाए। वही जब इस मामले मैं मार्किट कमेटी सेकटरी से बात की तो उन्होंने कहा की सरकार के अकॉडिंग ही खरीद की जा रही है और बताया की अभी तक 90 किवंटल सरकारी खरीद हुई है और प्राइवेट एक लाख सतरह हजार किवंटल खरीद हो गई है।

आपकी बेटी हमारी बेटी योजना से दी जा रही है बेटियों के जन्म पर आर्थिक मदद : उपायुक्त धीरेंद्र

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा बेटियों के भविष्य को सुरक्षित व उज्ज्वल रखने के लिए आपकी बेटी- हमारी बेटी योजना चलाई जा रही है। योजना के तहत बेटियों को शिक्षा देने व सशक्त बनाने के लिए आर्थिक मदद दी जाती है। उन्होंने कहा कि योजना का उद्देश्य राज्य में बालिकाओं के जन्म के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण में परिवर्तन लाना, कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लगाना, लिंगानुपात में सुधार तथा बालिकाओं को शिक्षा के उचित अवसर प्रदान करना है। उपायुक्त ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से चलाई जा रही इस योजना के तहत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जन्मी अनुसूचित जाति तथा बीपीएल परिवारों की पहली बेटी के जन्म पर 21 हजार रुपये तथा सभी वर्गों की दूसरी व तीसरी बेटी के जन्म पर 21 हजार रुपये की राशि जीवन बीमा निगम में निवेश की जाती है। एलआईसी की ओर से लाभार्थी के नाम से एक मेंबरशिप सर्टिफिकेट जारी किया जाता है। इस मेंबरशिप सर्टिफिकेट को बच्ची के वयस्क होने बाद लगभग एक लाख रुपये मिलेगा, लेकिन उस समय लाभार्थी लड़की अविवाहित होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक को सरल पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

गुजरात में 'शुद्धिकरण', दिल्ली में सप्लाई, 5000 करोड़ की कोकीन बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में आपूर्ति करने से पहले शुद्धिकरण के लिए दक्षिण अमेरिकी देशों से लगभग 1,300 किलोग्राम दवाएं गुजरात की एक दवा कंपनी में लाई गईं थीं। दिल्ली और गुजरात में नशीली दवाओं के सिलसिलेवार भंडाफोड़ के बीच यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। अधिकारियों के अनुसार, अब तक गुजरात और दिल्ली से 1,289 किलोग्राम कोकीन और 40 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक मारिजुआना बरामद किया गया है, जिसकी कीमत 13,000 करोड़ रुपये से अधिक है, जिसमें नवीनतम कम से कम 518 किलोग्राम कोकीन की बरामदगी है, जिसकी कीमत लगभग 5000 करोड़ रुपये है। यह बरामदगी गुजरात और दिल्ली पुलिस के संयुक्त अभियान के बाद की गई, इस दौरान पांच लोगों को गिरफ्तार भी किया गया। अधिकारियों ने कहा कि नई बरामदगी दिल्ली में 700 किलोग्राम कोकीन की बरामदगी से जुड़ी है। गुजरात के अंकलेश्वर में अवकार ड्रग्स लिमिटेड कंपनी से कोकीन की ताजा बरामदगी के एक दिन बाद, दिल्ली पुलिस ने सोमवार को कहा कि दिल्ली भेजे जाने से पहले खेप को रसायनों के साथ मिलाकर परिष्कृत किया गया था। गुजरात से गिरफ्तार आरोपियों में विजय भेसनिया, अश्वनी रमानी और ब्रिजेश कोठिया शामिल हैं, जो अवकार ड्रग्स लिमिटेड कंपनी के सह-मालिक हैं। अधिकारियों ने बताया कि बाकी दोनों में से मयूर देसाले कंपनी में उत्पादन का काम देख रहे थे, जबकि अमित ने मुख्य आपूर्तिकर्ताओं और दवा कंपनी के मालिकों के बीच मध्यस्थता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

राजस्थान में डेंगू से अब तक 6 मौंते... दहशत में लोग

जयपुर । राजस्थान में डेंगू का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। इस साल डेंगू से छह लोगों की मौत हो चुकी है। मरने वालों में 14 साल का लड़का भी शामिल है। 14 साल के गिरिराज को अलवर के एक अस्पताल में तेज बुखार के साथ भर्ती किया गया था। मरीज में डेंगू की पुष्टि की गई। हालांकि, दो दिन के उपचार के बाद उसकी हालत में सुधार हुआ और अस?पताल से छुट्टी दे दी गई। वहीं, सोमवार को मरीज की हालत फिर बिगड़ी और अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। जानकारी मिली है कि डेंगू से मरने वाला गिरिराज अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। अब तक राज्य के अलग-अलग हिस्सों में डेंगू से 6 लोगों की मौत हो चुकी है, जिसमें एक आरएएस अधिकारी, एक डॉक्टर, एक नर्सिंग छात्रा और एक व्यापारी शामिल हैं। उदयपुर में आरएएस अधिकारी तारू सुराणा की करीब 17 दिन तक डेंगू का इलाज चलने के बाद 5 अक्टूबर को मौत हो गई।

बहराइच हिंसा : मृतक के परिजन चाहते हैं सीएम योगी करें इंसाफ, हमें न्याय चाहिए

लखनऊ। बहराइच हिंसा में मारे गए शख्स के परिवार ने सीएम योगी आदित्यनाथ से आरोपियों का एनकाउंटर करने की बात कही। मृतक की पत्नी ने कहा कि जैसे मेरे पति को मारा, वैसे ही उन्हें भी मारा जाए। जब उनसे पूछा गया कि क्या सीएम योगी से न्याय मिलेगा तो उन्होंने कहा कि ये तो हमें जाकर ही पता चलेगा कि न्याय करते हैं या नहीं। हमें तो खून के बदले खून चाहिए। वहीं जब उनसे पूछा गया कि पुलिस ने जो कार्रवाई की है, आप उससे संतुष्ट हैं या नहीं तो इस पर मृतक की पत्नी ने कहा कि हम पुलिस की कार्रवाई से संतुष्ट नहीं हैं। जब तक उन लोगों को सजा नहीं मिलती, हम संतुष्ट नहीं होंगे। वहीं परिवार के एक सदस्य ने कहा कि हमें न्याय मिलना चाहिए। हमने देखा कि उसकी हालत क्या थी। उस दौरान मेरे साथ कोई और नहीं था। न पुलिस और न ही कोई और। पूरी लापरवाही पुलिस की रही। उन्होंने आगे पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रशासन और एसओ की लापरवाही नहीं होती तो कुछ नहीं होता। अगर लाठीचार्ज नहीं होता तो कुछ नहीं होता। हम गिरफ्तारी से संतुष्ट नहीं है। हमें उसका एनकाउंटर चाहिए। मृतक की मां ने कहा कि मेरा बेटा तो चला गया, अब हम क्या करेंगे। हमें बस न्याय मिलना चाहिए। वहीं मृतक के भाई ने कहा कि सीएम योगी से मिलने जा रहे हैं, उनको पूरी बात बताएंगे। हम पुलिस की कार्रवाई से खुश नहीं हैं। पुलिसवालों की लापरवाही का ही ये नतीजा है। मै वहीं मौजूद था जब हत्या हुई थी। हमें न्याय चाहिए।

इस साल शरद पूर्णिमा पर ध्रुव योग में चंद्रमा से अमृत वर्षा

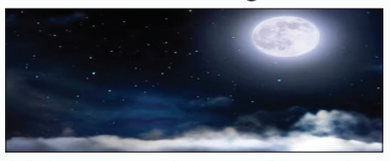

नई दिल्ली । सनातन धर्म में शरद पूर्णिमा का विशेष महत्व है। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा शरद पूर्णिमा होती है। शरद पूर्णिमा व्रत को कौमुदी व्रत, कोजागरी व्रत और रास पूर्णिमा भी कहते है। इस दिन चांद अपनी पूरी 16 कलाओं से युक्त होता है। मान्यता है कि इस चंद्रमा की चांदनी अमृत से युक्त होती है। शास्त्रों के अनुसार, इस दिन मां लक्ष्मी रात्रि में पृथ्वी पर भ्रमण करती हैं और देखती हैं कि कौन जाग रहा है। जो जाग रहा होता है, उन्हें मां सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्रदान करती है। इस साल शरद पूर्णिमा पर ध्रुव योग में चंद्रमा से अमृत वर्षा होगी। ज्योतिषाचार्य एसएस नागपाल के अनुसार, पूर्णिमा तिथि 16 को रात 08:40 बजे पर होगा। आश्विन मास की पूर्णिमा तिथि का समापन 17 अक्टूबर को शाम 04:55 बजे पर होगा। इस दिन चंद्रमा के निकलने का समय शाम 05 बजकर 05 मिनट पर होगा। शरद पूर्णिमा पर ध्रुव योग के साथ उत्तराभाद्र और रेवती नक्षत्र का संयोग बन रहा है। इस दिन चंद्रमा मीन राशि में रहेंगे। इस दिन रात में गाय के दूध की खीर बनाकर अर्द्ध रात्रि को भगवान को भोग लगाकर खीर को चांदनी रात में रखा जाता है। मान्यता है कि ऐसा करने से चंद्रमा की किरणों से खीर में अमृत प्राप्त होता है। आधी रात में चंद्रमा को भी अर्घ्य देना चाहिए। पूर्णिमा की चांदनी औषधि गुणों से युक्त होती है। इसमें रखी खीर का सेवन करने से चंद्र ग्रह संबंधी दोष जैसे कफ सर्दी छाती के रोग, मानसिक कष्ट या डिप्रेशन की समस्या और हार्मोनल संबंधी बीमारी में लाभकारी है।

राजनाथ सिंह ने तेलंगाना में नौसेना रडार स्टेशन की रखी आधारशिला, कही ये बड़ी बात

हैदराबाद (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को जिले के दमगुडेम वन क्षेत्र में भारतीय नौसेना के बहुत कम आवृत्ति (वीएलएफ) रडार स्टेशन की आधारशिला रखी। उन्होंने इस दौरान कहा कि नौसेना के वीएलएफ स्टेशन में जब परिचालन शुरू हो जाएगा तो यह समुद्री बलों के लिए महत्वपूर्ण होगा। यह देश में नौसेना का दूसरा वीएलएफ संचार ट्रांसमिशन स्टेशन है। तेलंगाना सरकार की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि तमिलनाडु के तिरुनेलवेली में आईएनएस कट्टाबोम्मन रडार स्टेशन अपनी तरह का पहला स्टेशन था।

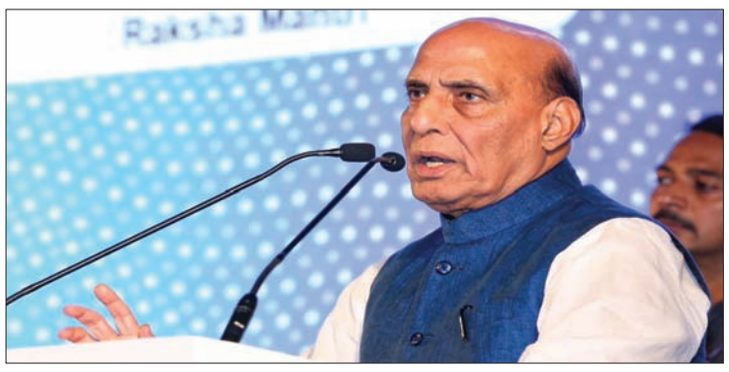

इस अवसर पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, केंद्रीय मंत्री बंदी संजय कुमार और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। राजनाथ ने कहा कि मैं, इस वीएलएफ स्टेशन के निर्माण से जुड़े हुए सभी हितधारक को अपनी ओर से बधाई देता हूँ। इसके साथ ही मैं तेलंगाना सरकार का, विशेषकर तेलंगाना के मुख्यमंत्री, ए रेवंत रेड्डी जी का भी उनके विशेष योगदान के लिए धन्यवाद देता हूं। उन्होंने कहा कि जब यह वीएलएफ स्टेशन अपने निर्माण के बाद कार्यात्मक हो जाएगा तो, यह हमारे समुद्री सेना के लिए अनेक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। मेरी नज़र में, इस प्रकार के उच्च तकनीक बुनियादी ढांचा सिर्फ एक सैन्य प्रतिष्ठान ही नहीं होते, बल्कि इनका रणनीतिक भूमिका इन्हें राष्ट्रीय महत्व का दर्जा देता है।

राजनाथ ने कहा कि चाहे वह साधारण परिस्थिति हो या फिर असाधारण परिस्थिति, हर स्थिति में किसीभी कमांड सेंटर का उससे जुड़े हुए सभी लोगों के बीच सूचना के निर्बाध प्रवाह का होना बहुत जरूरी है। और इस प्रकार के संचार के लिए ऐसे केंद्र बहुत ही महत्वपूर्ण हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि यह एक सुखद संयोग है कि आज भारत के पूर्व राष्ट्रपति डा. एपीजे अब्दुल कलाम की आज जन्म जयंती भी है। डॉ. कलाम ने भारत के डिफेन्स सेक्टर में जो महान योगदान किया है उसे लंबे समय तक याद किया जाएगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि इतिहास भी इस बात का गवाह है, कि जिस भी देश ने दुनिया मेंअपनी विशेष पहचान बनाई, जो शक्तिशाली बने, उन्होंने एक समय में समुद्र पर हावी होना जरूर किया। फ्रांसीसियों, पुर्तगालियों और अंग्रेजों ने समुद्र में अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराई। इस रणनीतिक प्रभुत्व, तथा, संसाधनों की प्रतिस्पर्धा में, अगर भारत को अपना ब्याज सुरक्षित करना है, तो हमारे पास प्लेटफार्म और उपकरण का होना तो जरूरी है ही, उसके साथ-साथ एक संचार प्रणाली का मज़बूत होना भी आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि सरकार भारतीय नौसेना को, लगातार और भी ज्यादा मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, तथा उसके लिए जो भी आवश्यक कदम है, वह उठाने के लिए भी तैयार है। उन्होंने कहा कि जहाँ तक इस प्रोजेक्ट की बात है, तो चाहे इसके निर्माण की बात हो, या फिर इस प्रोजेक्ट के निर्माण के बाद, इसके प्रोजेक्ट की बातहो, हर क्षेत्र में पर्यावरणीय स्थितियाँ का पूरा ध्यान रखा गया है। हमने इस बात का भी ध्यान रखा है, कि इस वीएलएफ स्टेशन के निर्माण के समय, अगर कहीं जरूरत हुई तो, प्रभावित नागरिकों के पुनर्वास की भी व्यवस्था सुनिश्चित करना की जाएगी।

लगा पटाखे फूट रहे हैं, तभी लोग चिल्लाने लगे फायरिंग हुई, फायरिंग हुई

-बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में घायल बोला-ऐसा लगा कोई पटाखा पैर के पास फूटा

मुंबई। बाबा सिद्दीकी हत?याकांड के दौरान ही पैर में गोली लगने से घायल हुए युवक राज कनौजिया की स्थिति खतरे से बाहर है। उसने बाबा सिद्दीकी की हत्या पर दुख जताया और वारदात के बारे में बताया कि गोली लगने के बाद अब वह दो महीने तक किसी भी तरह के एव?शन से दूर रहेगा, जिसके चलते अगले साल फरवरी में होने वाली उसकी बहन की शादी में शामिल होना मुश्किल हो जाएगा। कनौजिया का कहना है कि जब गोली चली तो उसे लगा कि पैर के पास आकर कोई पटाखा फूटा है। पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है। डॉक्टर्स ने उसकी सर्जरी की है। राज ने बताया कि दशहरा होने के चलते उसकी छुट्टी शाम 5 बजे हो गई थी। वह सिलाई का काम करता है। देव मां के दर्शन करने के लिए वह यहां आया था और दुकान पर खड़े होकर जूस पी रहा था। तभी अचानक वहां भगदड़ मच गई। इसी दौरान राज के पैर में कुछ आकर टकराया। देखा तो उसके पैर से खून निकल रहा था। लोग इधर-उधर भागने लगे। लोग चिल्लाने लगे, फायरिंग हुई है, फायरिंग हुई है। एक पैर पर लंगड़ाते हुए वह किसी तरह मंदिर में पहुंचा। कुछ लोगों ने मुझे अंदर ले गए फिर मुझे अस्पताल ले जाया गया।

90 साल का भी हो जाऊंगा तो भी लोगों के लिए काम करता रहूंगा: शरद पवार

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का आज ऐलान होना है। चुनाव आयोग दोपहर में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके तारीखों का ऐलान करेगा। इस बीच वरिष्ठ नेता और एनसीपी के शरद पवार ने कहा कि भले ही मेरी उम्र 84 साल है, लेकिन मैं रुकने वाला नहीं। यही नहीं भले ही उम्र 90 साल हो जाए, लेकिन मैं काम करता रहूंगा। शरद पवार ने कहा कि वह महाराष्ट्र को सही रास्ते पर लाकर ही रहेंगे और इसके लिए हर वक्त काम करते रहेंगे। उनका इशारा अजित पवार की ओर था। शरद पवार फिलहाल एनसीपी-(एसपी) के नेता हैं। शरद पवार ने एक कार्यक्रम में महाराष्ट्र सरकार की ओर से घोषित लड़की बहिन योजना पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि बहन तो बारामती में भी थी, लेकिन वहां उसके सामने चुनाव लड़ा गया। यही नहीं उन्होंने कहा कि पहले तो बहन के खिलाफ चुनाव प्रचार हुआ और लड़ाई की गई। इसके बाद जब लोकसभा चुनाव के नतीजे आ गए तो वे बहन को याद करने लगे। शरद पवार ने कहा कि हमारे सामने सवाल है कि आखिर महाराष्ट्र किसके हाथों में रहना चाहिए। यह आम लोगों के हाथ में रहे या फिर किसी और को कमान मिले।

उन्होंने कहा कि आप जब भी

अखबार खोलते हैं तो एक नई स्कीम पढ़ते हैं। कभी यह बहनों के बारे में होती है। हर कोई बहन का सम्मान करता है। उन्होंने कहा कि मजे की बात तो यह है कि बीते दस सालों में बहनों को याद नहीं किया गया। देवेंद्र फडणवीस के समय में पूरे पांच साल बीत गए और बहनों की याद नहीं आई। उनकी याद उस वक्त आई, जब लोकसभा चुनाव में 48 में से 31 सीटें महाविकास अघाड़ी ने जीत लीं। उन्होंने कहा कि आम जनता इन नेताओं से ज्यादा तेज है। बारामती में भी एक बहन सामने थी, लेकिन जनता ने बहन का साथ दिया। इस दौरान शरद पवार ने खुद के डटने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि मैंने 60 सालों से एक भी छुट्टी नहीं ली है। मैंने 14 बार चुनाव लड़ा। 7 बार लोकसभा में उतरा और इतनी ही बार विधानसभा चुनाव लड़ा है। लगातार आप लोगों की सेवा में ही लगा रहता हूं।

हरियाणा चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद बढ़ी रार, सैलजा ने की पड़ताल की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की अप्रत्याशित हार ने पार्टी में कलह बढ़ा दी है। चुनाव में कुमारी सैलजा और भूपिंदर सिंह हुड्डा के बीच सीधा टकराव था। इसके अलावा तीसरा धड़ा रणदीप सिंह सुरजेवाला का था। अब यह कलह फिर से सतह पर नजर आ रही है। सैलजा ने तो हाईकमान से मांग की है कि संगठन में बदलाव किया जाए। इस तरह फिर से उनका सीधा निशाना भूपिंदर सिंह हुड्डा पर ही है। ऐसा इसलिए क्योंकि प्रदेश अध्यक्ष उदयभान को हुड्डा का ही करीबी माना जाता है।

सिरसा की सांसद ने कहा कि इन नतीजों ने कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को निराश किया है, लेकिन वह हताश नहीं हैं। हाईकमान हार की पड़ताल करेगा। सैलजा का कहना है कि इस हार पर चिंता करने की बजाय पार्टी को उसके कारणों की पड़ताल करना चाहिए और मंथन करना होगा।

उन्होंने संगठन में बदलाव पर जोर दिया और कहा कि बीते 10 सालों में संगठन ठीक से काम नहीं कर रहा है। सैलजा ने कहा कि पार्टी की फैक्ट फाइंडिंग कमेटी कार्यकर्ताओं से बात करेगी और उनकी राय ली जाएगी। यह पूछा जाएगा कि आखिर आप हार के क्या कारण मानते हैं। सैलजा ने कहा रिपोर्ट आने के बाद ही हाईकमान फैसला लेगा। उन्होंने कहा कि हमारी जो हार हुई है, उसका अनुमान तो किसी को भी नहीं था। फिर भी किसी नतीजे तक पहुंचने से पहले हम फीडबैक लेंगे।

वहीं आपसी कलह पर राहुल गांधी के गुस्से वाली खबरों को सैलजा ने खारिज किया है। उन्होंने कहा कि अब तक इस पर उनकी ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। बता दें कि हरियाणा चुनाव की बड़ी वजह कलह को ही माना जा रहा है। चर्चा है कि भूपिंदर सिंह हुड्डा के हाथ में ही चुनाव की पूरी कमान होने से सैलजा और रणदीप सुरजेवाला ने दूरी बना ली।

इसके अलावा कैप्टन अजय सिंह यादव जैसे नेता भी उपेक्षा का आरोप लगा रहे हैं। ऐसे में कुमारी सैलजा की ओर से बदलाव की मांग ने रार को नए सिरे से तेज कर दिया है। बता दें कि सभी

एग्जिट पोल्स में कांग्रेस की जीत की भविष्यवाणी की गई थी लेकिन जब नतीजे आए तो कांग्रेस नेता समेत राजनीतिक पंडित भी हैरान रह गए।

नेशनल कॉन्फ्रेंस फारुख अबदुल्ला को भेज सकती हैं राज्यसभा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू और कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेतृत्व में नई सरकार के शपथ ग्रहण के बाद करीब चार साल बाद चार राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव होगा। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने उमर अब्दुल्ला को 16 अक्टूबर को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के लिए आमंत्रित किया था। सूत्रों के मुताबिक, नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस को तीन राज्यसभा सीटें जीतने की उम्मीद है। गठबंधन ने विधानसभा चुनावों में 90 में से 48 सीटें हासिल कर बहुमत हासिल किया। सीपीआई-एम, आप और पांच निर्दलीय सहित अन्य दल गठबंधन का समर्थन

कर रहे हैं, जिससे कुल मिलाकर संख्या 55 हो गई है। सूत्रों ने बताया कि 29 सीटों के साथ भाजपा को एक राज्यसभा सीट मिल सकती है। उन्होंने बताया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस सुप्रीमो फारूक अब्दुल्ला को राज्यसभा भेज सकती है, जबकि बीजेपी अपने किसी वरिष्ठ नेता को उच्च सदन में भेज सकती है। सूत्रों ने कहा कि पूर्व उपमुख्यमंत्री निर्मल सिंह और कविंदर गुप्ता, जिन्हें चुनाव के लिए टिकट नहीं दिया गया था, वे भाजपा के राज्यसभा नामांकन के लिए सबसे आगे हैं।

नेशनल कॉन्फ्रेंस अपने अध्यक्ष और पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला को चार राज्यसभा सीटों में से एक से मैदान में उतारकर संसद भेज सकती है। जम्मू-कश्मीर सरकार में केवल 10 मंत्री हो सकते हैं, जिसमें सीएम भी शामिल हैं। 2024 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने अपने सबसे खराब प्रदर्शन में केवल छह सीटें जीतीं।

मायावती का ऐलान, महाराष्ट्र और झारखंड में अकेले चुनावी मैदान में उतरेगी बसपा, यूपी में भी बढ़ाई अखिलेश की टेंशन

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी महाराष्ट्र और झारखंड में आगामी राज्य चुनावों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश में नौ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव अपने दम पर लड़ेगी। इसका मतलब साफ है कि मायावती की पार्टी अब किसी से गठबंधन नहीं करने जा रही है। महाराष्ट्र व झारखण्ड में चुनावी तारीखों के ऐलान का स्वागत करते हुए मायावती ने एक्स पर लिखा कि चुनाव जितना कम समय में तथा जितना पाक-साफ अर्थात् धनबल व बाहुबल आदि के अभिशाप से मुक्त हो उतना ही बेहतर, जिसका पूरा दारोमदार चुनाव आयोग पर ही निर्भर है।

इसके साथ ही यूपी की पूर्व सीएम ने कहा कि बीएसपी इन दोनों राज्यों में अकेले ही चुनाव लड़ेगी और यह प्रयास करेगी कि उसके लोग इधर-उधर न भटकें बल्कि पूरी तरह बीएसपी से जुड़कर परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के आत्म-सम्मान व स्वाभिमान कारवाँ के सारथी बनकर शासक वर्ग बनने का अपना मिशनरी प्रयास जारी रखें। इसके बाद मायावती ने अखिलेश यादव की टेंशन उत्तर प्रदेश में बढ़ा दी। उन्होंने कहा कि यूपी में 9 विधानसभा की सीटों पर हो रहे उपचुनाव में भी

बीएसपी अपने उम्मीदवार उतारेगी और यह चुनाव भी अकेले ही अपने बलबूते पर पूरी तैयारी एवं दमदारी के साथ लड़ेगी।

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव एक ही चरण में 20 नवंबर को होंगे। चुनाव आयोग ने मंगलवार को घोषणा की कि झारखंड में 13 और 20 नवंबर को दो चरणों में चुनाव होंगे। उपचुनाव में 13 नवंबर को मतदान होगा। वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी। चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश विधानसभा की 10 रिक्त सीटों में से नौ पर उपचुनाव की घोषणा की। चुनाव याचिका लंबित होने के कारण उसने अयोध्या जिले की मिल्कीपुर सीट पर उपचुनाव की घोषणा नहीं की। लोकसभा चुनाव में विधायकों के सांसद चुने जाने के बाद सीसामऊ को छोड़कर सभी सीटें खाली हो गईं। सीसामऊ में सपा विधायक इरफान सोलंकी को एक आपराधिक मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

मध्यप्रदेश के ग्वालियर में डेंगू का प्रकोप... 1 हजार पहुंची मरीजों की संख्या

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में डेंगू धीरे-धीरे फैलता जा रहा है। मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। जहां ग्वालियर में मरीजों का आंकड़ा एक हजार को पार कर चुका है। स्वास्थ्य विभाग और नगरीय निकाय हालात पर काबू पाने सक्रिय हैं। साफ सफाई अभियान से लेकर जमाव वाले पानी की जांच हो रही है। घर-घर सर्वे भी हो रहा है। राज्य के विभिन्न इलाकों में बीते कुछ दिनों में डेंगू के मामलों में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है। ताजा आंकड़े के अनुसार ग्वालियर में 1000 से ज्यादा, भोपाल में 450, इंदौर में 440 और जबलपुर में 325 डेंगू के मामले सामने आए हैं। डेंगू पर नियंत्रण पाने के लिए नगरीय निकाय और स्वास्थ्य विभाग की टीमें सक्रिय हैं। घर-घर सर्वे कर साफ सफाई का अभियान भी चलाए हुए हैं मगर यह कोशिशें नाकाफी साबित हो रही है। उसका कारण भी है क्योंकि फागिंग मशीन हर इलाके में नहीं पहुंच पा रही है, जिससे मच्छरों की संख्या कम नहीं हो पा रही है, वहीं जगह-जगह पानी का जमाव है। यह स्थितियां मच्छरों की संख्या बढ़ाने में मददगार है।

इस स्थिति पर ग्वालियर की उच्च न्यायालय खंडपीठ ने भी चिंता जाहिर की है। खंडपीठ की ओर से निर्देश दिए गए हैं कि ग्वालियर में दलदली खुली भूमि पर जो पानी भरा है उस पानी को खत्म किया जाए, बीमारी को रोकने का एक मजबूत सिस्टम बनाया जाए। इसके साथ ही जो मरीज सामने आते हैं उन्हें

अस्पताल में भर्ती करने के अलावा गंभीर मरीजों को विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में रेफर करने की व्यवस्था की जाए। बीमारी पर नियंत्रण पाने के लिए नियमित सफाई और दवा के छिड़काव के साथ फॉगिंग मशीन का उपयोग करना जरूरी है।

जबलपुर के मलेरिया विभाग के अधिकारी का कहना है कि आमतौर पर सितंबर में डेंगू का असर कम होता है मगर इस बार बारिश का सिलसिला ज्यादा दिन चला है, ऐसी स्थिति में सतर्क रहने की जरूरत ज्यादा है। जबलपुर में ही पिछले साल के मुकाबले इस बार डेंगू के मरीज दोगुने से ज्यादा सामने आए हैं। आने वाले दिनों में मरीजों संख्या ज्यादा न बढ़े इसके लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं।

तमिलनाडु के कई हिस्सों में बारिश, वर्षाजनित घटनाओं में चार की मौत

चेन्नई (एजेंसी)। दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने कम दबाव का क्षेत्र अभी उसी क्षेत्र में बना हुआ है और कल उत्तरी तमिलनाडु की ओर बढ़ने की संभावना है।

वहीं कल शाम से चेन्नई शहर और उपनगरों सहित तमिलनाडु के कई हिस्सों में छिटपुट से लेकर भारी बारिश हुई और कल शाम से राज्य में बारिश से संबंधित घटनाओं में चार लोगों की मौत हुयी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ये मौतें बिजली गिरने और दीवार गिरने के कारण हुईं और राज्य सरकार ने सोमवार देर रात ही पीड़ितों के लिए मुआवजे की घोषणा की।

मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार सुबह कहा कि इस प्रणाली पश्चिम-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है और आज तक दक्षिण बंगाल की खाड़ी के मध्य भागों में एक स्पष्ट रूप से चिह्नित कम दबाव का क्षेत्र बन जाएगा। इसके बाद इसमें तब्दीली होने और उत्तर तमिलनाडु, पुडुचेरी और इससे सटे दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटों की ओर पश्चिम-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है। इसके प्रभाव में तमिलनाडु और पुडुचेरी में आज अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होगी, जबकि कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होगी, जिससे तमिलनाडु और दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत में उत्तर-पूर्वी मानसून के आगमन का मार्ग प्रशस्त होगा।

मौसम विभाग के अनुसार कि बुधवार को तमिलनाडु और पुडुचेरी में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश और उत्तर तमिलनाडु में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है। वहीं, 17 अक्टूबर को आंतरिक तमिलनाडु में अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम स्तर की बारिश और कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन (जिन्होंने मौसम कार्यालय द्वारा विभिन्न पूर्वानुमान मॉडलों के आधार पर आज भारी बारिश और कल 20 सेमी से अधिक अत्यधिक भारी वर्षा की भविष्यवाणी के बाद मानसून की तैयारियों की समीक्षा की) ने आज चेन्नई और तीन आसपास के जिलों में सभी स्कूलों और कॉलेजों के लिए अवकाश घोषित किया है और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) फर्मों को अपने कर्मचारियों को घर से काम करने के लिए कहने का निर्देश दिया है। भारी बारिश के पूर्वानुमान के मद्देनजर संबंधित कलेक्टरों द्वारा कुड्डालोर, विल्लुपुरम और अन्य जिलों में स्कूलों और कॉलेजों के लिए भी छुट्टियां घोषित की गईं। श्री स्टालिन ने चेन्नई, तिरुवल्लूर, कांचीपुरम और चेंगलपट्टू जिलों में किए गए एहतियाती इंतजामों की भी समीक्षा की इन जिलों में आज के लिए ऑरेंज अलर्ट और तीन अन्य जिलों के साथ कल के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। उत्तरी तमिलनाडु और आंतरिक जिलों सहित राज्य के कुल 15 जिलों में आज भारी बारिश होने की संभावना है। इस बीच, चेन्नई क्षेत्रीय मौसम निदेशक एस. बालचंद्रन ने कहा कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने लोगों से सुरक्षित रहने की अपील की है, क्योंकि पूरे राज्य के लिए रेड अलर्ट जारी नहीं किया गया है। चेन्नई और पड़ोसी जिलों सहित उत्तरी तमिलनाडु के तटों पर भारी बारिश होगी।

कुछ जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है, क्योंकि आज भारी बारिश और कल अत्यधिक बारिश की

संभावना है। इस बीच, मध्य क्षेत्र सहित तमिलनाडु के कई हिस्सों में कल शाम से छिटपुट से लेकर व्यापक स्तर पर बारिश हुई, जिससे मुख्य सड़कों पर बारिश का पानी जमा हो गया। चेन्नई शहर और उपनगरों में भी कल रात से छिटपुट बारिश हुई और पूरी सरकारी मशीनरी तथा ग्रेटर चेन्नई कॉरपोरेशन के अधिकारियों ने बारिश के कहर से निपटने के लिए सभी एहतियाती इंतजाम किए हैं।

बेहतर वित्तीय यात्रा के लिए दिवाली से लें सीख, निवेश को अनुष्ठान की तरह आदत बनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। हर साल देशभर में हर किसी को सबसे बड़े त्योहार दिवाली का इंतजार रहता है। यह एक ऐसा अवसर होता है, जो लोगों को इसके लिए महीनों पहले से तैयारी करने पर मजबूर कर देता है। रोशनी का त्योहार समृद्धि के बारे में तो है ही, यह कुछ वित्तीय सबक लेने का अवसर भी है। अधिकांश घर दिवाली से ठीक पहले सफाई में लग जाते हैं, कई लोग इसे रंगवाने के अलावा मरम्मत भी कराते हैं। दिवाली की तैयारी बिल्कुल वैसे ही की जाती है, जैसे आप पर्सनल फाइनेंस के लिए करते हैं। बचत या निवेश के बारे में सोचने से पहले आप यह सोचें कि अपने फाइनेंस से भविष्य में क्या उम्मीद करते हैं। इसका अर्थ यह है कि भविष्य के लिए अपने वित्तीय लक्ष्य बनाएं। इनमें कम और लंबे समय के लक्ष्य शामिल होने चाहिए। अल्पावधि में नए साल की छुट्टियों की योजना और सेवानिवृत्ति व लंबी अवधि में कर्ज मुक्त होने जैसी चीजें शामिल होनी चाहिए। सुनिश्चित करें कि हर लक्ष्य से मेल खाने के लिए स्पष्ट समय और राशि आपके पास है। यदि आपके पास बचत है तो यह बैंक और अन्य प्रकार के जमा में होनी चाहिए। निवेश भी विभिन्न प्रकार के साधनों में होना चाहिए। इनमें म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार भी हो सकते हैं। यह सुनिश्चित करें कि पैसे को ऐसे साधनों में लगाए हैं जो आपके निवेश उद्देश्य के साथ आपके द्वारा उठाए जा सकने वाले जोखिम से मेल खाते हों। दिवाली का एक पहलू लक्ष्मी पूजा है। इस पर अक्सर कम चर्चा होती है, लेकिन हर कोई समृद्धि के लिए इसका पालन करता है। पूजा के लिए शाम का समय होता है जिसका पालन किया जाता है और जो सही समय पर ही होता है। आप भी सही समय का इंतजार करें।

ओला इलेक्ट्रिक के खिलाफ ट्राई की कार्रवाई, कीमतों में कटौती से सब्सिडी पर संकट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय इलेक्ट्रिक दोपहिया बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी ओला इलेक्ट्रिक के खिलाफ नई नियामकीय कार्रवाई हो रही है। इसके तहत ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने कंपनी द्वारा अचानक कीमत घटाए जाने पर चिंता जताई है।

कीमत में कटौती- ओला इलेक्ट्रिक ने अपनी बॉस सेल के तहत एस1 एक्स 2 केडब्ल्यूएच मॉडल की कीमत 74,999 रुपए से घटाकर 49,999 रुपए कर दी है।

एआरएआई की चिंता- एआरएआई ने ओला को 8 अक्टूबर को भेजे गए एक मेल में मूल्य में कटौती के बारे में सूचित न किए जाने को लेकर चिंता व्यक्त की है। इस तरह की चूक पीएम इलेक्ट्रिक ड्राइव योजना के तहत सब्सिडी पाने की पात्रता को प्रभावित कर सकती है।

ओला ने एआरएआई को अपने मॉडल की एक्स-फैक्ट्री कीमत 75,001 रुपए बताई है, जिसके आधार पर 10,000 रुपए की सब्सिडी का प्रमाण पत्र दिया गया है।

यदि कीमत 49,999 रुपए कर दी जाती है, तो सब्सिडी घटकर 7,500 रुपए रह जाएगी, क्योंकि 15 फीसदी की सीमा कम एक्स-फैक्टरी कीमत पर लागू होती है।

पर्ल ग्रुप की पोंजी स्कैम के निवेशकों के चेहरे पर खुशी आई

▶▶ ईडी ने निवेशकों की रकम वापस करने का अभियान शुरू किया है ▶▶ यह पोंजी स्कैम करीब 50 हजार करोड़ रुपये का है

नई दिल्ली, एजेंसी। 50 हजार करोड़ रुपये के पर्ल ग्रुप पोंजी स्कैम मामले में अब 10 साल बाद निवेशकों के चेहरे पर खुशी लौटनी शुरू हो गई है। इस स्कीम में फंसे करीब 6 करोड़ निवेशकों को प्रवर्तन निदेशालय ने उनकी धनराशि वापस करने के लिए अभियान शुरू किया है।

ईडी ने कहा कि उसने पर्ल एग्रो ग्रुप की 700 करोड़ रुपये की कुर्क की गई संपत्तियों की डिटेल जस्टिस लोढ़ा कमिटी के साथ शेयर की है। लोढ़ा कमिटी का गठन सुप्रीम कोर्ट ने किया था। यह कमिटी जब्त की गई संपत्तियों के निपटान और पीड़ितों को धनराशि वापस करने का काम करती है।

सेबी ने लगाया था बैन

पर्ल एग्रो ग्रुप ने 18 वर्षों में 59 मिलियन (5.9 करोड़) निवेशकों से 49,100 करोड़ रुपये लिए थे। यह रकम अवैध रूप से ली गई थी। सेबी ने इस ग्रुप पर इस प्रकार से पैसा इकट्ठा करने को लेकर बैन लगा दिया था। इस मामले की जांच एक दशक पहले उस समय शुरू हुई थी जब सीबीआई ने फरवरी 2014 में पहली बार एफआईआर दर्ज की थी। ईडी की जांच में पता चला कि पर्ल ग्रुप के प्रमोटरों ने एक पोंजी स्कीम शुरू की थी। इसमें उन्होंने निवेशकों को प्लॉट आवंटित करने का वादा किया था। हालांकि, रिटर्न देने के बजाय प्रमोटरों ने कोलकाता में रजिस्टर्ड फर्जी संस्थाओं को धनराशि ट्रांसफर कर दी। फिर इन कंपनियों से नकदी के रूप में पैसा निकाला गया और हवाला चैनलों का उपयोग करके दुबई भेजा गया। इसके बाद इन पैसे को होटल और रिजॉर्ट खरीदने के लिए कई देशों में निवेश किया गया।

जांच में पता चला कि ऑस्ट्रेलिया में संपत्ति खरीदने में बड़ा निवेश किया गया था। 2018 में श्वष्ठ ने पीएसीएल और उसके प्रमोटर निर्मल सिंह भंगू की ऑस्ट्रेलिया में 462 करोड़ रुपये की दो संपत्तियां जब्त कीं। चार साल बाद भारत में भंगू के ग्रुप की संस्थाओं और सहयोगियों से जुड़ी 244 करोड़ रुपये की और संपत्तियां जब्त की गईं। इस मामले की जांच अभी भी जारी है।

कई राज्यों में हुई तलाशी

पिछले हफ्ते ईडी ने इस राशि का पता लगाने के लिए दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, महाराष्ट्र, तेलंगाना, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, राजस्थान और उत्तराखंड में 44 स्थानों पर तलाशी ली। हमारे सहयोगी टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक श्वष्ठ ने गुरुग्राम में स्त्रस्र ग्रुप के प्रोजेक्ट स्त्रस्र पर्ल, स्त्रस्र सिटी, स्त्रस्र प्राइम के घर खरीदारों को पहले लॉट में 78 फ्लैट लौटाना शुरू कर दिया है, जिनकी कीमत 20 करोड़ रुपये से अधिक है।

लाखों का पैकेज छोड़ा, मॉडलिंग... फिर शुरू किया देसी काम, अब करोड़ों की कमाई

नई दिल्ली- बिहार की आस्था सिंह ने 18 लाख की नौकरी छोड़कर किसानों की जिंदगी बदलने का बीड़ा उठाया है। मॉडलिंग को अलविदा कहकर उन्होंने ग्रामश्री किसान नाम से अपना कारोबार शुरू किया। यह आज 3 करोड़ रुपये के सालाना टर्नओवर तक पहुंच गया है। आस्था बिहार के किसानों को खेती, पशुपालन और मछली पालन का प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बना रही हैं। आइए, यहां उनकी सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

आस्था सिंह पटना की रहने वाली हैं। उनकी शादी साल 2010 में हुई थी। पति विवेक कुमार रेलवे में इंजीनियर हैं। 12वीं के बाद से ही आस्था ने पढ़ाई के साथ मॉडलिंग भी शुरू कर दी थी। पुणे से इंजीनियरिंग करने के बाद उन्होंने एमबीए किया। इसके बाद कई नामी कंपनियों में काम किया। ओयो में सिटी हेड के पद पर रहते हुए उन्हें 18 लाख रुपये सालाना का पैकेज मिलता था। इससे पहले आस्था भारती इंफ्राटेल लिमिटेड में एनर्जी मैनेजर और टाटा टेलीसर्विसेज में इंजीनियर रह चुकी थीं। साल 2019 में उन्होंने बिहार सरकार के पशु और मत्स्य संसाधन विभाग में प्रोजेक्ट यूनिट कंसल्टेंट का पद संभाला।

मुंबई में फोटोशूट के बाद आस्था का चयन मॉडलिंग प्रतियोगिता के लिए भी हुआ। लेकिन, परिवार की रजामंदी न मिलने के कारण आस्था फिलीपींस नहीं जा सकीं। इसके बाद उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया। फरि आस्था ने किसानों की जिंदगी बदलने का दृढ़ निश्चय किया। जून 2019 में उन्होंने ग्रामश्री किसान की शुरुआत की। उन्होंने सबसे पहले एक यूट्यूब चैनल शुरू किया। यहां खेती-बाड़ी और पशुपालन से जुड़े वीडियो अपलोड किए। साल 2020 में उनका मोबाइल एप लॉन्च हुआ। 2021 में पटना में ग्रामश्री किसान का पहला सेंटर खोला गया। आज ग्रामश्री किसान के बिहार के 26 ब्लॉक में सेंटर हैं। इससे 6 हजार से ज्यादा किसान जुड़े हुए हैं। पटना स्थित ग्रामश्री किसान का सेंटर 3 एकड़ में फैला हुआ है। यहां किसानों को बकरी, गाय, मुर्गी और मछली पालन का प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षण के दौरान रहने, खाने और आने-जाने की सुविधा मुफ्त दी जाती है। इसके अलावा, किसानों को पशुओं का चारा, दाना और बाजार उपलब्ध कराने में भी मदद की जाती है। ग्रामश्री किसान के पोल्ट्री फार्म में 1000 मुर्गियां हैं, जबकि शुरुआत सिर्फ 100 मुर्गियों से हुई थी। इसी तरह, 2 गायों से शुरू हुआ आस्था का डेयरी फार्म आज 10 गायों वाला बन चुका है। आस्था के सेंटर में 50 बकरियां भी हैं। ग्रामश्री किसान को भारत और बिहार सरकार से मान्यता प्राप्त है। इस व्यवसाय को शुरू करने के लिए उन्होंने अपनी 27 लाख रुपये की जमा पूंजी लगाई थी। उनकी पार्टनर फर्म ने 30 लाख रुपये का निवेश किया। इसके अलावा, बिहार सरकार की स्टार्टअप पॉलिसी के तहत 10 लाख रुपये और भारत सरकार से 24 लाख रुपये की ग्रांट मिली।

11 साल में तीन गुना से भी ज्यादा बढ़ गया अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड का बाजार

नई दिल्ली, एजेंसी। जीवन के आधुनिक होने के बीच लोगों की भागदौड़ भी बढ़ गई है। इस बीच घरों में प्रोसेस्ड और अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड का दिनचर्या में कैसे घुसपैठ हो गई है, इसका पता ही नहीं चला है। यदि आप भी इसके आदि हैं, तो इससे तौबा कर लें। क्योंकि इससे न सिर्फ आपके घर का बजट बिगड़ रहा है बल्कि आपको खतरनाक बीमारियों के बीच भी धकेल रहा है। अभी एक रिपोर्ट आई है कि डायबिटीज के लगातार बढ़ते मामलों कसा सीधा संबंध अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड से है। लेकिन इसका बाजार है कि बढ़ ही रहा है। साल 2022 में तो इसका बाजार बढ़ कर 2500 करोड़ रुपये के पार चला गया है।

इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फूड साइंसेज एंड न्यूट्रिशन में प्रकाशित एक नए अध्ययन से पता चलता है कि डीप फ्राई, बेक्ड और ग्रिल किए गए अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ एडवांस्ड ग्लाइकेशन एंड प्रोडक्ट्स (एजीई) से भरपूर होते हैं। यह सूजन का कारण बनते हैं और डायबिटीज सहित कई बीमारियों का खतरा पैदा करते हैं। चेन्नई स्थित मद्रास डायबिटीज रिसर्च फाउंडेशन (एमडीआरएफ) के डायबिटीज विशेषज्ञ डॉ. वी. मोहन के हवाले से न्यूज एजेंसी आईएएनएस ने खबर दी है कि भारत में डायबिटीज से पीड़ित लोगों की संख्या 101 मिलियन है। साथ ही 5 से 19 वर्ष की आयु के 10 प्रतिशत से अधिक बच्चे प्री-डायबिटिक हैं। इनमें से अधिकतर का कारण अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड है।

भारत में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड का बाजार तेजी से बढ़ रहा है। इंडियन काउंसिल फोर रिसर्च ऑन इंटरनेशनल इकॉनोमिक रिलेशन की एक रिपोर्ट के अनुसार साल 2011 में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड का बाजार 723 अरब रुपये का था। यह 2016 में करीब दूना होकर 1,488 करोड़ रुपये का हो गया। साल 2021 में तो यह बार तीन गुने से भी ज्यादा बढ़ कर 2,535 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इस साल कुल प्रोसेस्ड फूड का बाजार तो बढ़ कर 6,000 करोड़ रुपये के भी पार चला गया। अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड्स को कई श्रेणियों में विभाजित किया जाता है। इसमें चॉकलेट और शुगर कंफेक्शनरी, साल्टी स्नैक्स, बीवरेजेज, रेडीमेड और कंवीनिएंस फूड्स और ब्रेकफास्ट सीरियल्स शामिल हैं। देखा जाए तो इस समय भारतीय परिवारों में व्हाइट ब्रेड, स्वीटेंड ब्रेकफास्ट सीरियल्स, फ्रॉजन फूड, एनर्जी ड्रिंक, फ्लेवर्ड पोटेटो चिप्स, सोडा, फ्लेवर्ड कैंडी बार, ब्लेंडेड कॉफी ड्रिंक, फ्रायड चिकन, मेस्ड पोटैटो फ्लेक्स आदि का सेवन खूब बढ़ रहा है। ये सभी अल्ट्रा प्रोसेड फूड ही हैं। डॉ. मोहन बताते हैं जब हम खाद्य पदार्थों को तलते या ग्रिल करते हैं तो इससे ऑक्सीडेटिव पैदा होता है जो सूजन को बढ़ावा देता है। शरीर में पुरानी सूजन मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और यहां तक कि कुछ प्रकार के कैंसर से जुड़ी होती है। अत्यधिक ट्रांस वसा वाले फूड स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं।

टमाटर, प्याज और आलू ने बिगाड़ा बजट, आसमान पर पहुंची कीमतें

नई दिल्ली, एजेंसी। नवरात्रि खत्म होने के बाद भी टमाटर, प्याज और आलू की कीमतों में कमी नहीं आई है। इन्होंने आम आदमी के घर का बजट पूरी तरह बिगाड़ दिया है। खुदरा बाजार में जहां आलू 40 रुपये किलो मिल रहा है तो वहीं टमाटर की कीमत 100 रुपये प्रति किलो पार पहुंच गई है। प्याज के दाम भी 60 रुपये किलो पर हैं। ऐसे में इन तीनों सब्जियों ने ही देश की महंगाई को प्रभावित कर दिया है।

टमाटर, प्याज और आलू की वजह से महंगाई दर में भी इजाफा हुआ है। नीति निर्माताओं के लिए खाद्य पदार्थों की बढ़ाई महंगाई एक चुनौती रही है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी 45.9 प्रतिशत। बता दें कि आपूर्ति संबंधी झटके समग्र खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़ों को प्रभावित करते हैं। हाल के महीनों में टीओपी की कीमतों में काफी उछाल आया है। खुदरा खाद्य और पेय पदार्थों में टीओपी की हिस्सेदारी 4.8 प्रतिशत और ओवरऑल

सीपीआई में 2.2 प्रतिशत है, लेकिन उनकी कीमतों में उतार-चढ़ाव खुदरा मुद्रास्फीति को प्रभावित करता है।

इनकी कीमतें बढ़ने के कई कारण हैं। पहला मौसम, भंडारण की समस्याएं और तीसरा आपूर्ति संबंधी समस्याएं। कई बार मौसम की मार के कारण इनकी फसल प्रभावित होती है। इससे ये जल्दी खराब हो जाते हैं। वहीं दूसरी ओर कोल्ड स्टोर की कमी और दूसरे कारण से इनका भंडारण सही नहीं हो पाता। ऐसे में ये जल्दी खराब हो जाते हैं। वहीं फसल होने के बाद इनकी आपूर्ति को लेकर भी कई बार समस्याएं होती हैं।

सप्लाई चेन का बड़ा असर

इन सब्जियों की सप्लाई चेन में गड़बड़ी भी कीमतों में उतार-चढ़ाव का एक महत्वपूर्ण कारक है। स्टडी में पता चला है कि जिस मौसम में इनकी पैदावार कम होती है, उस समय इनकी कीमत बढ़ जाती है। वहीं जिस मौसम में पैदावार ज्यादा होती है, उस समय कीमत कम होती है। कई बार किसानों को अपनी फसल फेंकनी भी पड़ जाती है क्योंकि इन्हें खरीदने वाला कोई नहीं होता। उतार-चढ़ाव वाली मांग-आपूर्ति के कारण भी कीमतों पर असर पड़ता है।

भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक

रिजर्व बैंक की रिपोर्ट बताती है कि टमाटर, प्याज और आलू के प्रोडक्शन में तेजी से वृद्धि हुई है। साल 2022-23 में टमाटर का प्रोडक्शन 20.4 मिलियन मीट्रिक टन , प्याज का प्रोडक्शन 30.2 एमएमटी और आलू का प्रोडक्शन 60.1 एमएमटी होने का अनुमान है। भारत अब दुनिया में टमाटर और आलू का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। इसने दुनिया में प्याज के सबसे बड़े उत्पादक के रूप में चीन को भी पीछे छोड़ दिया है और 2022 में वैश्विक उत्पादन में 28.6 प्रतिशत का योगदान दिया है।

क्या अब कीमत कम होगी

सब्जी विक्रेताओं के मुताबिक अगले कुछ दिनों में टमाटर की कीमत कम हो सकती है। 100 रुपये किलो पार कर चुका टमाटर 50 से 60 रुपये प्रति किलो पर आ सकता है। वहीं प्याज और आलू की कीमत में भी गिरावट देखने को मिलेगी। इसका कारण है कि बाजार में आलू और टमाटर की नई फसल आनी शुरू होगी।

करन जौहर की धर्मा प्रोडक्शन में हिस्सेदारी लेगी रिलायंस

मुंबई एजेंसी। दोस्ताना, अग्निपथ, कुछ कुछ होता है, कभी खुशी कभी गम, कल हो ना हो, कभी अलविदा ना कहना, माई नेम इज खान, ये जवानी है दीवानी, टू स्टेस्ट्स, बदरीनाथ की दुलहनिया, राजी, रॉकी और रानी की प्रेम कहानी...। ये कुछ फिल्में हैं, जिनमें एक समानता है। ये फिल्में एक ही प्रोडक्शन हाउस ने बनाई है। यह है धर्मा प्रोडक्शंस। अब खबर आई है कि देश के सबसे अमीर मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस धर्मा प्रोडक्शंस में हिस्सेदारी खरीद सकती है।

हमारे सहयोगी ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक रिलायंस इंडस्ट्रीज बॉलीवुड निर्माता और निर्देशक करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस में हिस्सेदारी खरीदने के लिए बातचीत कर रही है। माना जा रहा है कि इस सौदे से ऑयल से लेकर टेलीकॉम सेक्टर में कारोबार करने वाली इस कंपनी की भारतीय कंटेंट प्रोडक्शन इंडस्ट्री में स्थिति मजबूत होगी। इस सौदे में किसकी कितनी हिस्सेदारी होगी, इसका पता अभी नहीं चल पाया है।

करन जौहर कोशिश में हैं

इस रिपोर्ट के मुताबिक करण जौहर पिछले कुछ समय से धर्मा में अपनी हिस्सेदारी बेचने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन वैल्यूएशन को लेकर मतभेदों के कारण यह सौदा हो नहीं रहा है। उल्लेखनीय है कि धर्मा में 90.7 प्रतिशत हिस्सेदारी करण जौहर और 9.24 प्रतिशत हिस्सेदारी उनकी मां हीरू की है। इसने अग्निपथ, कुछ कुछ होता है, कभी खुशी कभी गम, कल हो ना हो, कभी अलविदा ना कहना, माई नेम इज खान, ये जवानी है दीवानी, टू स्टेस्ट्स, बदरीनाथ की दुलहनिया, राजी, रॉकी और रानी की प्रेम कहानी समेत कई लोकप्रिय बॉलीवुड फिल्मों का निर्माण किया है।

ऐसा कहा जा रहा है कि हिंदी फिल्म उद्योग के सामने इस समय व्यापक वित्तीय चुनौतियां हैं। फिल्मों का प्रोडक्शन कॉस्ट बढ़ रहा है। थिएटर में दर्शकों की संख्या लगातार घट ही रही है। ऊपर से ओवर-द-टॉप प्लेटफॉर्म की लोकप्रियता बढ़ रही है। इसी कारण उपभोक्ताओं की पसंद में बदलाव शामिल हैं। अतीत में, रिलायंस ने बालाजी में अल्पमत हिस्सेदारी हासिल की थी। धर्मा के साथ भी इसी तरह की व्यवस्था की जा सकती है। संभावित हिस्सेदारी खरीद से रिलायंस के कंटेंट प्रोडक्शन पोर्टफोलियो को बढ़ावा मिलेगा, जिसमें वर्तमान में जियो स्टूडियो, वायकॉम 18 स्टूडियो, कोलोसियम मीडिया और बालाजी में अल्पमत हिस्सेदारी शामिल है। इस बारे में रिलायंस और धर्मा ने श्वञ्ज के सवालों का जवाब नहीं दिया है। पहले बताया गया था कि धर्मा बहुलांश हिस्सेदारी बेचने के लिए उद्यमी संजीव गोयनका द्वारा समर्थित सारेगामा के साथ बातचीत कर रही है। 8 अक्टूबर को बीएसई फाइलिंग में सारेगामा ने कहा कि उसके पास रिपोर्ट करने के लिए कोई महत्वपूर्ण अपडेट नहीं है।

क्या है धर्मा की आमदनी

धर्मा प्रोडक्शंस ने वित्त वर्ष 23 में राजस्व में लगभग चार गुना वृद्धि दर्ज की, जो पिछले वर्ष के 276 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,040 करोड़ रुपये हो गई। हालांकि, कंपनी के नवीनतम उपलब्ध वित्तीय आंकड़ों के अनुसार, टॉफ़लर से प्राप्त 1,028 करोड़ रुपये के खर्च के कारण शुद्ध लाभ 59 प्रतिशत गिरकर 11 करोड़ रुपये रह गया।

अस्पताल में इलाज कराना अब और महंगा हुआ

ऑपरेशन के लिए सर्ज प्राइस के नाम पर काटी जा रही जेब

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर कोई शख्स किसी अस्पताल में इलाज कराने जा रहा है तो उसे आम दिनों के मुकाबले ज्यादा पैसा देना पड़ सकता है। दरअसल, काफी अस्पताल मरीजों से सर्ज प्राइस ले रहे हैं। अगर उस अस्पताल में पहले से ज्यादा मरीज भर्ती हैं तो नए मरीज को इलाज के लिए ज्यादा पैसा देना पड़ सकता है। यह ठीक इस प्रकार है जैसे हवाई जहाज की टिकट में होता है।

हवाई जहाज में जैसे-जैसे पैसेंजर की संख्या बढ़ती है, टिकट महंगे होते जाते हैं। यात्रा से एक महीने या इससे पहले टिकट बुक कराने पर सस्ती टिकट मिलती है। अगर आपको कल ही जाना है तो टिकट महंगी हो जाएगी। क्योंकि फ्लाइट में यात्रियों की संख्या बढ़ रही होगी। यही तरीका अस्पताल अपना रहे हैं। इस तरीके से मरीजों के साथ बीमा कंपनियों को भी परेशानी हो रही है।

हेल्थ सेक्टर में एक नया चलन देखने को मिल रहा है। अगर किसी मरीज का कोई ऑपरेशन होना है और ऑपरेशन थिएटर उस समय लगभग भरे

हुए हैं तो अस्पताल ऑपरेशन थिएटर के लिए पीक चार्ज या सर्ज चार्ज (एक्स्ट्रा चार्ज) ले रहे हैं।

जैसे-जैसे ऑपरेशन थिएटर भरेंगे, सर्च चार्ज बढ़ता जाएगा। इससे इलाज में अतिरिक्त खर्च आ रहा है। इससे मरीजों और इंश्योरेंस कंपनियों को बढ़ी हुई लागत उठानी पड़ रही है। ऐसे में बीमा कंपनियों जो पहले पूर्वानुमानित लागतों के साथ व्यापक पैकेज पेश करती थीं, अब अनबंडलिंग की पेशकश कर रही हैं। हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी से जुड़े एक अधिकारी के मुताबिक इलाज का खर्च साल-दर-साल बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इसमें महंगाई की दर सामान्य महंगाई की दर के मुकाबले 14 फीसदी से ज्यादा बढ़ रही है। वहीं अस्पताल के ऐसे नए नियम इस इलाज को और महंगा बना रहे हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसे नए नियमों के कारण इलाज के खर्च में करीब 20 फीसदी की तेजी आ रही है। उन्होंने कहा कि यहां तक कि रुटीन प्रोसिजर जैसे लेप्रोस्कोपी या हिस्टेरेक्टोमीज भी अब अस्पतालों के नए नियमों में जुड़ गए हैं। यानी इनमें भी पीक चार्ज लागू हो रहा है।

हम कुछ खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं होना चाहते, न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से पहले बोले रोहित

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने मंगलवार को कहा कि टीम के पास बल्लेबाजों का एक मजबूत समूह है और वह तेज गेंदबाजी में भी इसी तरह का समूह बनाना चाहते हैं जिससे कि चोटों का टीम के संतुलन पर असर नहीं पड़े। रोहित की यह टिप्पणी उस समय आई है जब सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को चोट से उबरने में अधिक समय लग रहा है जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल के कंधे में भी चोट लगी है जिन्हें जिन्हें हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया था।

रोहित ने यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की पूर्व संध्या पर कहा, 'जब बल्लेबाजी की बात आती है तो बहुत सारे विकल्प हैं। हम गेंदबाजी में भी यही करना चाहते हैं। हम बेंच स्ट्रेंथ बनाना चाहते हैं जहां अगर कल किसी को कुछ भी होता है तो हमें चिंता नहीं हो।' उन्होंने कहा, 'हम कुछ खिलाड़ियों पर बहुत अधिक निर्भर नहीं रहना चाहते। ऐसा करना सही नहीं है। हम भविष्य को देखते हुए यह सुनिश्चित करने की कोशिश करना चाहते हैं कि हमें सही खिलाड़ी मिलें।'

यही कारण है कि भारत द्वारा तेज गेंदबाजों मयंक यादव, हर्षित राणा, नितीश कुमार रेड्डी और प्रसिद्ध कृष्णा को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए रिजर्व के रूप में चुना जाना आश्चर्य की बात नहीं थी। हालांकि प्रसिद्ध की टीम के साथ यात्रा राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी से फिटनेस स्वीकृति मिलने पर निर्भर है क्योंकि उन्हें इंदौर में मध्य प्रदेश के खिलाफ कर्नाटक के शुरुआती रणजी ट्रॉफी मैच के दौरान चोट लग गई थी। रोहित ने साथ ही बताया कि भारतीय थिंक टैंक क्यों चाहता था कि ये युवा तेज गेंदबाज सीनियर टीम के साथ रहें।

उन्होंने कहा, 'तो कल अगर हमें लगता है कि वे उस भूमिका (घायल तेज गेंदबाज की जगह) को निभाने के लिए तैयार हैं तो उन्हें इसके लिए तैयार रहना चाहिए। बेशक उन्होंने हमारी घोषणा से पहले कुछ मैच खेले हैं।' रोहित ने कहा, 'उन्होंने दलीप ट्रॉफी, ईरानी ट्रॉफी भी खेली है। इसलिए हम बस यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि उन पर अच्छी तरह से नजर रखी जाए। उनके काम के बोझ का ध्यान रखा जाए।' रोहित ने कहा कि ऐसा कदम उठाना जरूरी है क्योंकि टेस्ट क्रिकेट सफेद गेंद के प्रारूपों की तुलना में बिलकुल अलग खेल है और गेंदबाजों को इससे सामंजस्य बैठाने में समय लगता है।

टेस्ट क्रिकेट हमेशा अनुकूलनशीलता के बारे में है, यह खेल का शिखर है: अश्विन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुभवी भारतीय स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट की खूबसूरती को फिर से परिभाषित करते हुए इसे खेल का शिखर बताया। उन्होंने सोशल मीडिया एक वीडियो में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट से पूर्व बेंगलुरु में टीम इंडिया के अभ्यास सत्र की झलक दिखाई गई, जिसमें अश्विन की आवाज भी है। स्पिनर ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में, हर रोज खिलाड़ियों को परिस्थितियों के अनुकूल होने और नई रणनीति और दृष्टिकोण के साथ आने की जरूरत होती है।

अश्विन ने वीडियो में कहा, 'देखिए, टेस्ट क्रिकेट हमेशा अनुकूलनशीलता के बारे में है, है न? आप दिन 5 की शुरुआत वैसे नहीं कर सकते जैसे आपने दिन 1 की शुरुआत की थी। हर दिन आपको परिस्थितियों के अनुकूल होने में सक्षम होने की जरूरत होती है। इसलिए वे कहते हैं कि टेस्ट क्रिकेट इस विशेष खेल का शिखर है।'

पिछले महीने बांग्लादेश के खिलाफ 2-0 की क्लीन-स्वीप में अपने प्लेयर ऑफ द सीरीज प्रदर्शन के बाद अश्विन के नाम 527 टेस्ट विकेट हैं। वह बुधवार से न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में वापसी करेंगे, जिसका पहला मैच बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में होगा। न्यूजीलैंड ने आखिरी बार 2021-22 में दो मैचों की सीरीज के लिए भारत का दौरा किया था, जिसे मेजबान टीम ने 1-0 से जीता था।

भारत वर्तमान में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) स्टैंडिंग में शीर्ष पर है, जबकि 2021 में खिताब जीतने वाली न्यूजीलैंड छठे स्थान पर है। रोहित शर्मा की टीम नवंबर-जनवरी में शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलिया के महत्वपूर्ण दौरे से पहले डब्ल्यूटीसी स्टैंडिंग में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहेगी।

बाबर , शाहीन का मजाक बना रहे पाक प्रशंसक

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट में आजकल उथल पुथल मची हुई है। टीम की बांग्लादेश के बाद इंग्लैंड के खिलाफ हार से दिग्गज और प्रशंसक भड़के हुए हैं। इसी को देखते हुए चयन समिति के साथ ही अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम तक को बाहर कर दिया गया है। बाबर के अलावा मुख्य तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी और नसीम शाह को भी बाहर होना पड़ा है। कुल मिलाकर 4 प्रमुख खिलाड़ियों को बाहर किया गया है। वहीं इस कारण कई नये खिलाड़ियों को अवसर मिले हैं। अब लोग अनुभवी खिलाड़ियों का मजाक बनाते हुए कह रहे हैं कि ये शायद मोहल्लों में बच्चों के साथ खेलते हुए दिखेंगे।

एक यूजर ने सोशल मीडिया पर लिखा, ' अब ये लोग मोहल्लों के बच्चों के के साथ खेलेंगे। ' वहीं एक अन्य यूजर ने तंज कसा कि दिलों का दर्द कम हो जाता अगर जिम्बाब्वे के साथ एक दो सीरीज हो जाती।'एक अन्य यूजर ने

लिखा, पाक क्रिकेट बर्बाद हो रहा है तो तीसरे ने लिखा, इन सबको निकालकर जो बदलाव होगा वह कितना सफल रहेगा। इसी कई लोग हैं जो इन खिलाड़ियों के बाहर किए जाने से नाराज जिकि कई तो बोर्ड पर भड़के हुए हैं। इन लोगों का कहना है कि इससे टीम बेहतर नहीं होगी।

बाहर किये गये खिलाड़ियों का हाल में प्रदर्शन खराब रहा है। वहीं पीसीबी चयन समिति के सदस्य आकिब जावेद ने कहा कि हमने बाबर आजम, शाहीन अफरीदी और सरफराज अहमद और नसीम शाह को आराम दिया है जिससे ये तरोताजा हो सकें।

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय टीम जीत की लय बरकरार रखने उतरेगी

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार से यहां के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में मेहमान टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले पहले टेस्ट मैच में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने इससे पहले बांग्लादेश को दो टेस्ट मैचों की सीरीज में हराया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। रोहित शर्मा की कप्तानी में उतर रही भारतीय टीम का लक्ष्य इस सीरीज में जीत के साथ ही विश्व टेस्ट चैम्पियनशित (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना रहेगा। इस मैच में युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल के अलवा युवा तेज गेंदबाज आकाशदीप के प्रदर्शन पर सबकी नजरें रहेंगी। इसके अलावा कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली भी अधिक से अधिक रन बनाना चाहेंगे।

शुभमन ने पिछली दस पारियों में तीन शतक और दो अर्धशतक जमाए हैं जबकि यशस्वी ने पिछली आठ पारियों में एक दोहरा शतक और पांच अर्धशतक लगाये हैं। अब उनके लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ इस लय को कायम रखकर आगे जाना रहेगा। शुभमन ने पिछले कुछ समय में तेज गेंदबाजों की अंदर आती गेंदों का सामना करना सीख लिया है। वह बांग्लादेश के खिलाफ सीरी में तेज गेंदबाज हसन महमूद की गेंद पर परेशान रहे थे।

वहीं यशस्वी भी तेज गेंदबाजों पर आक्रामक शॉट खेलने के प्रयास में तीन बार आउट हुए हैं। वह अब तक 20 पारियों में 12 बार तेज गेंदबाजों का शिकार बने हैं। ऐसे में इस सीरीज में उन्हें इस कमजोरी से निजात पानी होगी। दूसरी ओर न्यूजीलैंड के पास मैट हेनरी, विलियम ओ राउरकी और टिम साउदी तेज तेज गेंदबाज हैं। ऐसे में शुभमन और यशस्वी की राह आसान नहीं रहेगी।

कप्तान रोहित ने इस साल 15 टेस्ट पारियों में दो शतक और एक अर्धशतक लगाया पर पिछली 13 पारियों में 497 रन ही बना सके हैं। इसक अलावा विराट ने इस साल छह पारियों में एक अर्धशतक भी नहीं लगाया है ,ऐसे में उन्हें अब रन बनाने होंगे। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 46 और बांग्लादेश के खिलाफ 47 रन की पारियां खेली। उन्हें न्यूजीलैंड के बाएं हाथ के स्पिनरों ऐजाज पटेल और रचिन रविंद्र से सावधान रहना होगा। इन दोनो ने पहले भी देखा जाये तो मेहमान टीम न्यूजीलैंड की मुश्किलें भी कम नहीं हैं। हाल में उसे श्रीलंका ने 2-0 से हराया है। इस दौरान उसके बल्लेबाज

और गेंदबाज विफल रहे थे। उसके कोच ने भी माना है कि मुख्य तेज गेंदबाज टिम साउदी भी फार्म में नहीं हैं। ऐसे में उसके लिए भारतीय स्पिनरों आर अश्विन और रविंद्र जडेजा का सामना करना और भी कठिन रहेगा। चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच स्पिनरों की मददगार रहती है और ऐसे में अश्विन और जडेजा अपनी फिरकी में उन्हें फंसा सकते हैं। इनके अलावा तेज जसप्रीत बुमराह भी फॉर्म में हैं जिन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट में ही 11 विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी हालांकि पांचवें गेंदबाज पर फैसला लेने से पहले भारतीय टीम प्रबंधन को काफी विचार करना होगा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में 9000 रन पूरे कर सकते हैं विराट, 53 रनों की है जरुरत

बेंगलुरु। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली बुधवार से यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरु हो रहे पहले ही क्रिकेट टेस्ट मैच में एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर सकते हैं। विराट के पास इस मैच में अपने 9000 रनों को पूरा करने का अवसर है। इसके लिए उन्हें केवल 53 रनों की जरूरत है। विराट हालांकि पिछली आठ पारियों में केवल एक अर्धशतक बना पाये हैं पर प्रशंसकों को उनसे इस मैच में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें हैं। विराट ने ये अर्धशतक साल 2023 में दक्षिय अफ्रीका के खिलाफ लगाया था। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का बल्ला पिछले कुछ मैचों से शांत रहा है। विराट के अभी 8947 रन हैं। अगर वह 53 रन बनाकर 9000 रन पूरे करते हैं तो ऐसा करने चौथे भारतीय बल्लेबाज बन जाएंगे। विराट से पहले ये उपलब्धि सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और सुनील गावस्कर के नाम है। वह टेस्ट में नौ हजार रन या उससे ज्यादा रन बनाने वाले 18वें बल्लेबाज भी बन जाएंगे। विराट कोहली ने अब तक अपने टेस्ट करियर में 115 मैच खेलते हुए 8947 बनाए हैं। इसमें 29 शतक और सात दोहरे शतक शामिल है। कोहली ने 30 अर्धशतक भी लगाए हैं, उनका सबसे अधिक स्कोर 254 है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने वालों में एक भारतीय भी शामिल

दुबई। क्रिकेट में कई रिकार्ड बनते रहे हैं। ये रिकार्ड इसने बड़े स्तर के हैं कि इनका टूटना निकट भविष्य में संभव नजर नहीं आता है। इसी कड़ी में पांच गेंदबाज ऐसे हैं जिन्होंने सबसे अधिक विकेट के रिकार्ड बनाये हैं। इसमें श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन, ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैकग्रा, इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन जैसे गेंदबाज हैं। इस सूची में एकमात्र भारतीय गेंदबाज अनिल कुंबले हैं। कुंबले ने अपने करियर में कुल 956 विकेट लिए हैं। वहीं सबसे अधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड मुरलीधरन के नाम है। मुरलीधरन ने अपने करियर में कुल 1347 विकेट लिए हैं। इस दौरान उन्होंने कुल 593 पारी खेली हैं। सबसे अधिक विकेट उन्होंने टेस्ट करियर में लिए थे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दूसरे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज दिवंगत शेन वॉर्न हैं। वॉर्न ने अपने करियर में कुल 1001 विकेट लिए। इस दौरान उन्होंने कुल 464 पारियां खेली थीं। उन्होंने भी सबसे अधिक विकेट टेस्ट करियर में ही लिए। वॉर्न कार साल 2021 में निधन हो गया था। तीसरे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज जेम्स एंडरसन हैं. जिन्होंने हाल में ही संन्यास की घोषणा की है। एंडरसन ने अपने करियर में कुल 560 इनिंग्स खेली थी. जिसमें उन्होंने कुल 991 विकेट लिए थे। चौथे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज अनिल कुंबले हैं। कुंबले ने 501 मैचों में कुल 956 विकेट अपने नाम किए थे। उन्होनें टेस्ट पारी में 10 विकेट लेने का भी कारनामा किया है. यह कारनामा उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ किया था. इस लिस्ट में पांचवे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैकग्रा हैं। साल 2007 में संन्यास लेने वाले मैकग्रा ने अपने देश के लिए तीनों प्रारुपों को मिलाकर कुल 493 पारियां खेली थी। इस दौरान उन्होंने 949 विकेट अपने नाम किए थे।

एचआईएल 2024: भारतीय कप्तान से ज्यादा ये खिलाड़ी बिके महंगे, नीलामी में भारतीय खिलाड़ियों पर जमकर पैसा बरसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला हॉकी इंडिया लीग पहली बार आयोजित हो रही है। इसका आयोजन बुधवार को दिल्ली में हुआ। इस ऑक्शन में भारतीय खिलाड़ियों के लिए टीमों ने जमकर पैसा लुटाया। भारतीय कप्तान सलीमा टेटे, युवा खिलाड़ी उदिता दुहान, लारेमसियामी हमरजोटे और पूर्व कप्तान सविता पूनिया जैसे नाम महंगे साबित हुए। हालांकि, कप्तान सलीमा टेटे से ज्यादा जूनियर खिलाड़ियों पर पैसा बरसा।

सभी टीमों के पास दो करोड़ रुपये का पर्स था जिसमें से उन्हें 24 खिलाड़ी खरीदने थे। भारतीय कप्तान सलीमा टेटे को सूरमा हॉकी क्लब ने 20 लाख रुपये में अपने साथ जोड़ा। पुरुष टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह के बाद महिला टीम की कप्तान भी पंजाब के ही हिस्सा आईं। वहीं दिन की सबसे महंगी खिलाड़ी रहीं डिफेंडर उदिता दुहान जिनके लिए कई टीमों के बीच लड़ाई देखने को मिली। आखिर में सूरमा और बंगाल के बीच बीडिंग की लंबी लड़ाई चली और दुहान को बंगाल टाइगर्स ने 32 लाख रुपये में खरीदा। हालांकि, ये पुरुष लीग के सबसे महंगे खिलाड़ी की आधे से भी कम रकम है।

एचआईएल नीलामी : के दूसरे दिन बेल्जियम के विक्टर वेगनेज सबसे महंगे खिलाड़ी रहे

नई दिल्ली। बेल्जियम के मिडफील्डर विक्टर वेग्नेज हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के खिलाड़ियों की नीलामी के दूसरे दिन सोमवार को सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। वेग्नेज को सूरमा हॉकी क्लब ने 40 लाख रुपये में खरीदा। नीलामी के दूसरे दिन बड़ी रकम हासिल करने वालों में नीदरलैंड के थिएरी ब्रिंकमैन (38 लाख रुपए) और आर्थर वान डोरेन (32 लाख रुपए) भी शामिल है। इन दोनों के लिए कलिंगा लांसर्स ने बड़ी बोली लगाई। टॉमस डोमिन (दिल्ली एसजी पाइपर्स के लिए 36 लाख रुपए में), ऑस्ट्रेलिया के अरन जालेवस्की (कलिंगा लांसर्स के लिए 27 लाख रुपये में) और ब्लेक गोवर्स (तमिलनाडु ड्रैगन्स के लिए 27 लाख रुपए में) पर फ्रेंचाइजी टीमों ने ने बड़ी रकम खर्च की। मोरियांगथेम रबीचंद्र (कलिंगा लांसर्स के लिए 32 लाख रुपए में) और मोहम्मद राहिल मौसीन (तमिलनाडु ड्रैगन्स के लिए 25 लाख रुपए में) जैसे भारतीय खिलाड़ियों को भी अच्छी रकम मिली।

न्यूजीलैंड को झटका , सियर्स भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर

-अनकैप्ड गेंदबाज जैकब डफी शामिल

बेंगलुरू (एजेंसी)। न्यूजीलैंड को भारत के खिलाफ बुधवार से शुरु हो रही तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले ही करारा झटका लगा है। उसके तेज गेंदबाज बेन सियर्स घुटने में चोट के कारण सीरीज से भी बाहर हो गये हैं। उनकी जगह पर अनकैप्ड गेंदबाज जैकब डफी को टीम में जगह दी गयी है। सियर्स को श्रीलंका में हाल ही में टेस्ट सीरीज के लिए ट्रेनिंग के दौरान बाएं घुटने में दर्द उठा था। इसके लिए पिछले सप्ताह न्यूजीलैंड में उनका स्कैन भी हुआ था। इसी को लेकर न्यूजीलैंड क्रिकेट ने अपने बयान में कहा, सियर्स के स्कैन में मेनिस्कस में चोट पाये जाने

के बाद वह भारत दौरे पर नहीं भेजे गये हैं। पहले उम्मीद थी कि वह ठीक हो जाएंगे पर चिकित्सा सलाह के बाद उन्हें सीरीज से बाहर किये जाने पर फैसला हुआ है। वहीं मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा, इस क्रिकेटर का बाहर होना निराशाजनक है। सियर्स ने घरेलू मैदान पर गर्मियों के दौरान अपने टेस्ट करियर की अच्छी शुरुआत की और एक वास्तविक तेज गेंदबाजी विकल्प दिया है। अब यह देखना बाकी है कि वह कब वापसी कर पाते हैं। हमें उम्मीद है कि वह शीघ्र ही इस चोट से उबर जाएंगे। डफी सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के लिए छह एकदिवसीय और 14 टी20 मैच खेले हैं और अभी उनके नाम 299 प्रथम श्रेणी विकेट हैं। स्टीड ने कहा, सियर्स की जगह शामिल डफी के लिए यह अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर है। हमें तीन टेस्ट मैच खेलने हैं, इसलिए उनके पास टेस्ट डेब्यू करने का अच्छा अवसर है। काउंटी चैंपियनशिप में नॉटिंघमशायर के लिए खेलने के जैकब के हालिया अनुभव ने निश्चित रूप से उनकी जगह पक्की कर दी है। टीम के लिए सफेद गेंद क्रिकेट में उनका प्रदर्शन हमेशा प्रभावशाली रहा है और हमें विश्वास है कि अगर उन्हें बुलाया गया तो वे योगदान दे पाएंगे।

मिताली राज का टीम इंडिया पर बड़ा हमला- 3 साल में कोई सुधार नहीं हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की पूर्व कप्तान मिताली राज ने मंगलवार को महिला टी20 विश्व कप में राष्ट्रीय टीम के खराब प्रदर्शन के लिए पिछले 3 वर्षों में खेल के विभिन्न विभागों में सुधार करने में विफल रहने को जिम्मेदार ठहराया। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में यह पहली बार है कि भारत आईसीसी के किसी टूर्नामेंट के नॉकआउट के लिए क्वालीफाई करने में विफल रहा। इससे टीम का विश्व कप खिताब जीतने का इंतजार और बढ़ गया। इसके साथ ही कप्तान के रूप में उनके भविष्य पर गंभीर सवालिया निशान लग गए।

बहरहाल, मिताली ने कहा कि टीम के पतन का कारण संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की परिस्थितियों से जल्दी सामंजस्य बैठाने में विफल रहने के साथ बल्लेबाजी में स्पष्टता की कमी और खराब क्षेत्ररक्षण था। भारत की पूर्व कप्तान मिताली ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली हार ने इस बात को साबित किया कि इस टीम ने पिछले तीन साल में कोई सुधार नहीं किया है। उन्होंने कहा कि मैं अगर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच की बात करूं तो यह जीतने लायक मैच था। हमारे पास मौके थे लेकिन ऐसा लग रहा था कि हम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसी परिपाटी का पालन कर रहे हैं जिसमें मैच को आखिरी ओवरों तक ले जाकर हार का सामना करना शामिल है। यह रणनीति कारगर नहीं है।

उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि पिछले दो-तीन वर्षों में मैंने वास्तव में इस टीम में कोई विकास नहीं देखा है। मेरा मतलब है कि सर्वश्रेष्ठ टीम को हराने के लिए आप हमेशा तैयारी करते हैं। ऐसा लगता है कि हम अन्य टीमों को हरा रहे हैं और हम इससे काफी खुश हैं। मिताली ने कहा कि इस टूर्नामेंट में हर दूसरी टीम ने सीमित गहराई के बावजूद विकास दिखाया है, इसका सबसे अच्छा उदाहरण दक्षिण अफ्रीका है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम को अनुकूल परिस्थितियों में मिली हार के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि हमारी खिलाड़ियों ने धीमी विकेटों से सामंजस्य बैठाने में समय लिया जबकि न्यूजीलैंड के बल्लेबाज ऐसा करने में सफल रहे। उन्होंने कहा कि 'हैरानी की बात यह है कि हमें विकेट की धीमी गति से तालमेल बैठाने में समय लगा। वनडे विश्व कप के विपरीत यह एक छोटा टूर्नामेंट है। आपके पास परिस्थितियों से तालमेल बैठाने के लिए ज्यादा समय नहीं होता है। सोफी डिवाइन जैसी खिलाड़ी हमारे खिलाफ इतने रन बनाने में सक्षम थी और वह धीमी पिचों पर खेलने की आदी नहीं है।

महिला टी20 विश्वकप : भारतीय महिला टीम का सफर फिर निराशाजनक रहा

दुबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम टी20 विश्वकप से बाहर हो गयी है। भारतीय टीम की उम्मीदें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार के साथ ही समाप्त हो गयीं थीं। इसके बाद बची हुई उम्मीदें पाकिस्तान की न्यूजीलैंड के खिलाफ करारी हार से समाप्त हो गयीं। पाक के साथ ही भारतीय टीम भी महिला टी20 विश्व कप से बाहर हो गयी। यह आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप का नौवां सत्र था जिसमें भारतीय टीम एक बार भी खिताब नहीं जीत पायी। भारतीय टीम ने साल 2020 में फाइनल खेला था। भारतीय टीम महिला टी20 विश्व कप में ग्रुप ए में थी। इस ग्रुप में भारत के साथ ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका की टीमें भी थीं। इसमें भारतीय टीम का भारत का पहला मुकाबला न्यूजीलैंड से हुआ था। भारतीय टीम को इस मुकाबले में 58 रन से हार झेलनी पड़ी थी। भारतीय महिला टीम का दूसरा मुकाबला पाकिस्तान से हुआ था। इसमें भारतीय टीम ने 6 विकेट से जीत हासिल की थी। भारतीय महिलाओं ने इसके बाद श्रीलंका को भी आसानी से हरा दिया था। भारत ने यह मैच रिकॉर्ड 82 रन से जीता. यह टूर्नामेंट में भारत की सबसे बड़ी जीत थी। भारत का आखिरी ग्रुप मैच ऑस्ट्रेलिया से हुआ। ऑस्ट्रेलिया अपने पहले तीन मैच जीतकर पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच गया था। भारत के खिलाफ भी ऑस्ट्रेलिया ने जबरदस्त खेल देखाकर 9 रन से जीत दर्ज की. भारत को इस मुकाबले को जीतने के लिए आखिरी ओवर में 14 रन बनाने थे और उसके 5 विकेट बाकी थे। इसके बाद भी भारतीय टीम दबाव में 9 रन नहीं बना सकी थी। भारतीय टीम इस प्रकार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हमेशा ही हारती रही है।

समाचार गेट
TITLE CODE : HARHIN11569

स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) रवीना यादव द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर-6, नोएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित करवाकर कार्यालय मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादक: कृष्णा शर्मा। संपादकीय कार्यालय: मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) पीआरपी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकार: बृहमदत शर्मा, 9818180269, ईमेल : krishna24news@gmail.com

रिश्वत लेने के आरोपी सिपाही की जमानत मंजूर

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू कोर्ट ने रिश्वत लेने के आरोप में दिल्ली पुलिस के सिपाही को जमानत दे दी है। मामला पति-पत्नी के बीच आपसी विवाद के दर्ज न करने को लेकर परिजनों से रिश्वत लेने से जुड़ा है। अदालत ने जमानत की कुछ शर्तें भी लगाई हैं। इसमें आरोपी वर्तमान मामले के गवाहों को प्रभावित नहीं करेगा। साथ ही, उनके संपर्क में नहीं आएगा। इसके अलावा मामले में संबंधित जांच अधिकारी के बुलाने पर जांच में शामिल होना होगा। विशेष न्यायाधीश जगदीश कुमार ने 50 हजार के निजी मुचलके और इतनी ही राशि की एक जमानत पर आरोपी अमित को जमानत दी। इसके अलावा अदालत ने कहा कि अगर आरोपी के पास पासपोर्ट है तो उसे वो अदालत में जमा कराएं। यही नहीं, वह बिना अनुमति के देश छोड़कर नहीं जा सकता है।

वेस्ट दिल्ली में 9 शातिर अपराधी गिरफ्तार, चोरी के कई सामान बरामद

नई दिल्ली। वेस्ट दिल्ली जिले के अलग-अलग थाना इलाके से पुलिस ने सप्ताह भर में कुल 9 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इन अपराधियों के पास से चोरी की चार मोटरसाइकिल, पांच मोबाइल फोन और दो स्कूटी बरामद की गई है। इनकी गिरफ्तारी से लगभग दर्जन भर मामले सुलझाने का दावा भी पुलिस कर रही है। वेस्ट दिल्ली के डीसीपी विचित्र वीर के अनुसार, त्योहारों के इस मौसम में अपराधियों की धर पकड़ के लिए अलग-अलग थाना इलाके में पुलिस की गश्त बढ़ा दी गई है। अलग-अलग जगह से हुई बदमाशों की गिरफ्तारी- पहला आरोपी हरि नगर थाना इलाके से गिरफ्तार किया गया। वहीं दूसरी गिरफ्तारी एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड की टीम ने केशवपुर सब्जी मंडी इलाके से की गई। जब टीम को एक ऑटो लिफ्टर के आने की जानकारी मिली थी। जबकि, तीसरी गिरफ्तारी तिलक विहार चौकी पुलिस ने की। वहीं चौथे बदमाश की गिरफ्तारी भी तिलक विहार चौकी पुलिस द्वारा ही की गई जब वह बाइक चुरा कर ला रहा था। पांचवां आरोपी एंटी ऑटो थेफ्ट एस्कॉर्ड की टीम द्वारा गिरफ्तार किया गया। छठे बदमाश की गिरफ्तारी राजौरी गार्डन थाना पुलिस द्वारा तब किया गया जब वो चोरी की मोबाइल लेकर जा रहा था। जबकि, सातवें आरोपी की गिरफ्तारी एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड द्वारा वहीं आठवें और नवें आरोपी को हरी नगर चौकी पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार बदमाशों का है लंबा आपराधिक रिकॉर्ड - गिरफ्तार आरोपियों में एक नाम अमरजीत है, जो निलोठी का रहने वाला है और उस पर दो मामले पहले से दर्ज है। जबकि, दूसरे आरोपी का नाम प्रदीप है, वह मंगोलपुरी का रहने वाला है। उस पर भी पहले से दो मामले दर्ज हैं। तीसरे आरोपी का नाम परमजीत सिंह है, जो जहांगीरपुरी का रहने वाला है और उस पर कुल 22 मामले दर्ज है। चौथे आरोपी का नाम जसप्रीत है, जो शाहपुरा तिलक नगर का रहने वाला है। जबकि, पांचवें आरोपी का नाम राजा पटेल है, यह रोहिणी का रहने वाला है और उस पर 18 मामले पहले से दर्ज है। छठे आरोपी का नाम अनवर है, यह बिंदापुर इलाके का रहने वाला है। इस पर भी पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज है। आठवें आरोपी पर पहले से कोई मामला नहीं - जबकि, सातवें आरोपी का नाम शत्रुघ्न सिन्हा है यह नारायण गांव का रहने वाला है। इस पर पहले से दर्जनों मामले दर्ज है। जबकि, आठवें आरोपी का नाम तुषार है और यह ख्याला इलाके का रहने वाला है। उस पर पहले से कोई मामला दर्ज नहीं है। जबकि, नौवें आरोपी का नाम सूरज सिंह है, जो विष्णु गार्डन का रहने वाला है और उसे पर पहले से दो आपराधिक मामले दर्ज है।

पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट की टिकटों की कालाबाजारी, दिल्ली पुलिस ने आरोपी को दबोचा

नई दिल्ली। गायकी और अभिनय से करोड़ों दिलों पर राज करने वाले पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ इन दिनों अपने दिल-लुमिनाटी कॉन्सर्ट की वजह से सुर्खियों में बने हुए हैं। अब दिल्ली पुसिल ने दलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट की फर्जी टिकट बेचने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने मंगलवार को इस मामले में एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया है। फिलहाल, पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है। दरअसल, दिल्ली पुलिस को सूचना मिली थी कि दलजीत के दिल्ली में प्रस्तावित शो का टिकट कुछ लोग कालाबाजारी के जरिए बेच रहे हैं। दिल्ली पुलिस ने इस सूचना के बाद मामले की जांच शुरू की और एक आरोपी को दबोच लिया। दिलजीत दोसांझ अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में शो कर चुके हैं। अब वह सुपरहिट दिल-लुमिनाटी टूर को दिल्ली सहित देश के 10 प्रमुख शहरों में कॉन्सर्ट करेंगे। ऐसे में दिलजीत के कॉन्सर्ट की फर्जी टिकट भी खूब बेची जा रही थी। दिलजीत दोसांझ के आगामी प्रोग्राम- दलजीत दोसांझ 26 और 27 सितंबर को दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में एक शो करने वाले हैं। नई दिल्ली के बाद, दिलजीत अपने दिल-लुमिनाटी टूर में भारत के कई अन्य शहरों में भी अपना शो करेंगे। जानकारी के मुताबिक, दिलजीत दोसांझ 3 नवंबर को राजस्थान के जयपुर में परफॉर्म करेंगे, जिसकी टिकटें पहले ही बिक चुकी है। इसके बाद, वह अपना अगला शो 15 नवंबर को हैदराबाद में करेंगे। वहीं, इसके दो दिन बाद वह अहमदाबाद और 22 नवंबर को लखनऊ में नजर आएंगे। उड़ता पंजाब गायक 24 और 30 नवंबर को क्रमश: पुणे और कोलकाता मेंअपना शो करेंगे। इसके आलावा, दिलजीत दोसांझ की बाकी चार कॉन्सर्ट इस साल दिसंबर महीने में बेंगलुरु, इंदौर, चंडीगढ़ और गुवाहाटी में होंगे।

पॉलिसी रिन्यू कराने का झांसा देकर ठगी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। शाहदरा जिला साइबर थाना पुलिस टीम ने दो ऐसे आरोपियों को गिरफ्तार है। जोकि लैप्स हो चुकी पॉलिसी रिन्यू कराने का झांसा देकर वारदात को अंजाम देते थे। पकड़े गए आरोपियों में उमाशंकर और कमल शर्मा उर्फ सोनू है। पुलिस ने इनके पास से दो लाख 90 हजार नकदी, कई बैंकों के पासबुक, कई डेबिट कार्ड, फोन और सिम बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपियों के घरों में कई बार रेड की, लेकिन वह फरार मिले। पुलिस पता लगा रही है कि गिरोह ने अब तक कितने लोगों को इस तरह से चूना लगाया है। सभी के बैंक अकाउंट भी खंगाले जा रहे, जिससे कुल ट्रांजैक्शन का पता चल सके। शाहदरा जिला डीसीपी प्रशांत गौतम ने बताया कि शाहदरा साइबर एसएचओ मनीष वर्मा की देखरेख में गठित टीम एसआई विक्रांत चौधरी, हेड कॉन्स्टेबल अजीत, राजेश और सिपाही मनीष को पता चला कि आरोपी ने नैनीताल बैंक से भारी रकम निकाली थी। पुलिस ने टेक्निकल सर्विलांस के जरिए 11 अक्टूबर को दबोचा। इससे दो लाख 90 हजार रुपये समेत कई दस्तावेज बरामद किए। इससे नकदी कलेक्ट करने वाले कमल शर्मा उर्फ सोनू को भी पकड़ लिया गया। पूछताछ में उमाशंकर ने बताया कि लगभग एक साल पहले कमल शर्मा ने बैंक अकाउंट प्रोवाइड कराने के लिए कहा था। वह पॉलिसी रिन्यू कराने और जीएसटी के नाम पर ठगी की रकम को उसके बैंक खाते में ट्रांसफर करवाता था। विदड्रॉल रकम में से तीन फीसदी कमिशन देता था। पीड़ित संतोष कुमार राम ने मार्च में पॉलिसी रिन्यूवल के नाम पर 5 लाख 58 हजार रुपये की ठगी की शिकायत की थी। इस रकम में से एक लाख चार हजार रुपये उमा शंकर नाम के शख्स के बैंक खाते में ट्रांसफर हुए थे। पुलिस को बैंक खाते से रजिस्टर फोन नंबर भी मिल गया। इसके जरिए पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई।

दिल्ली में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए ग्रैप-1 को सख्ती से लागू करेगी दिल्ली सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में वायु प्रदूषण को कम करने को लेकर दिल्ली सरकार ने ग्रैप-1 के नियमों को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया है। इस बाबत मंगलवार को मुख्यमंत्री आतिशी ने बैठक कर मौजूद हालात की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनवरी से 12 अक्टूबर तक 200 दिनों तक दिल्ली की हवा गुड कटेगरी में रही है, लेकिन पिछले दो दिनों से एक्यूआई पुअर कटेगरी में है।

लिहाजा, सोमवार की शाम से ग्रैप-1 के नियम दिल्ली में लागू कर दिए गए हैं। धूल प्रदूषण रोकने के लिए 99 टीमें निर्माण स्थलों का निरीक्षण करेंगी, जबकि पीडब्ल्यूडी, एमसीडी, एनसीआरटीसी और डीएमआरसी अपने निर्माण स्थलों पर एंटी स्मॉग गन लगाएंगी। पीडब्ल्यूडी, एमसीडी समेत सभी विभाग सड़कों की मरम्मत का काम युद्धस्तर पर पूरा करेंगे। सीएम ने दिल्ली की जनता से कार पूलिंग, पटाखे व कूड़ा न जलाने और प्रदूषण की सूचना ग्रीन दिल्ली एप पर देने की अपील की है।

दिल्ली सचिवालय में समीक्षा बैठक के बाद पर्यावरण मंत्री गोपाल राय के साथ प्रेसवार्ता कर मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि एक्यूआई बढ़ने के कारण सोमवार शाम से दिल्ली में ग्रैप-1 को लागू किया गया है। इस संबंध में मंगलवार को मैंने पर्यावरण मंत्री गोपाल राय और दिल्ली सरकार के संबंधित सभी विभागों के साथ एक उच्चस्तरीय समीक्षा मीटिंग की। बैठक में पीडब्ल्यूडी, एमसीडी, दिल्ली मेट्रो, राजस्व विभाग, उद्योग विभाग, एनएचएआई, बिजली विभाग समेत अन्य विभागों के अधिकारी शामिल रहे। बैठक में ग्रैप-1 के कार्यान्वयन को लेकर समीक्षा की गई।

आतिशी ने कहा कि 13 अक्टूबर को एयर क्वालिटी इंडेक्स 224 के स्तर पर पहुंच गया और 14 अक्टूबर को यह 234 पर पहुंच गया। यानी की पिछले 2 दिन से हवा की गुणवत्ता खराब श्रेणी में पहुंच गई है। आतिशी ने आगे कहा कि ग्रैप-1 के कार्यान्वयन में एक महत्वपूर्ण हिस्सा निर्माण साइटों पर धूल की रोकथाम है। इस बाबत डीपीसीसी की 33 टीमें, राजस्व विभाग की 33 टीमें और उद्योग विभाग की भी 33 टीमें बनाई गई है। यह सभी 99 टीमें रोजाना प्राइवेट और सरकारी निर्माण साइटों का स्थलीय निरीक्षण कर धूल प्रदूषण की रोकथाम के जारी नियमों के पालन का जायजा लेंगी। यह टीमें रोजाना अपने निरीक्षणों की रिपोर्ट ग्रीन वॉर रूम, पर्यावरण मंत्री और मुख्यमंत्री कार्यालय को भेजेंगी।

उन्होंने कहा कि एमसीडी को कंस्ट्रक्शन एंड डेमोलिशन वेस्ट (सीएनडी वेस्ट) के निपटान को लेकर खास निर्देश दिए गए हैं। सीएनडी वेस्ट भी हवा की गुणवत्ता को ख़राब करता है। एमसीडी द्वारा सीएनडी वेस्ट को हटाने के लिए दिन में 79 टीमें और रात में 75 टीमें काम करेंगी। साथ ही ओपन बायोमास वेस्ट बर्निंग रोकने के लिए एमसीडी द्वारा दिन में 116 टीमें और रात में भी 116 टीमें तैनात की जाएंगी। ताकि किसी भी प्रकार की ओपन बर्निंग न की जाए।

इनके अलावा सड़कों पर मौजूद धूल को उड़ने से रोकने के लिए इस सीजन में एंटी स्मॉग गन तैनात किए जाते हैं। सीएम आतिशी ने कहा कि बैठक में निर्देश दिए गए कि पीडब्ल्यूडी अपनी सड़कों और प्रदूषण के बड़े हॉटस्पॉट्स पर 200 एंटी स्मॉग गन तैनात करे। जबकि डीएमआरसी अपने निर्माण साइटों पर 80, एमसीडी 30 और आरआरटीएस 14 एंटी स्मॉग तैनात करेगा।

इस दौरान पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली सरकार पहले से ही प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए 21 सूत्रीय विंटर एक्शन प्लान पर काम कर रही है। सरकार ने दिल्ली में ग्रीन वॉर रूम का संचालन शुरू कर दिया है और ग्रीन दिल्ली एप भी लॉन्च किया है। दिल्ली में पराली की घटनाओं को कम करने के लिए बायो डी-कम्पोजर का छिड़काव किया जा रहा है। चूंकि यह पूर्वानुमान था कि हवा की गति कम होने, बारिश बंद होने और तापमान कम होने पर मौसम के विपरीत होने से प्रदूषण बढ़ने लगता है। इसलिए, एक्यूआई 200 के पार जाने के बाद ग्रैप का पहला चरण लागू किया गया है। इसे और प्रभावी तरीके से लागू करने के लिए मंगलवार को सभी विभागों को निर्देश दिए गए हैं।

गोपाल राय ने कहा कि भाजपा के लोग पंजाब का नाम लेकर, उत्तर प्रदेश और हरियाणा में पराली की घटनाओं को नजरअंदाज कर रहे हैं, जिससे दिल्ली के लोगों को तकलीफ हो रही है। हमें सबका सहयोग चाहिए। दिल्ली में हमारी सरकार पूरी सक्रियता से मिलकर काम करेगी। इसी तरह भाजपा की सभी सरकारों को भी मिलकर काम करना पड़ेगा, तभी इसका सकारात्मक प्रभाव दिखेगा।

दिल्ली में बीजेपी की मांग, वायु एवं जल प्रदूषण दोनों पर एक उच्च स्तरीय सर्व दलिय बैठक बुलायें एलजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने आज उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना से अपील की है कि वह वायु एवं जल प्रदूषण दोनों पर एक उच्च स्तरीय सर्व दलिय बैठक बुलायें क्योंकि दिल्ली सरकार प्रदूषण विरोधी कदम उठाने पर बिल्कुल भी गम्भीर नही है और दिल्ली वालों के स्वास्थ हित में उपराज्यपाल महोदय का हस्ताक्षेप जरूरी हो गया है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा है की अगले तीन हफ्ते में दिवाली एवं छठ के दो बड़े त्योहार सामने हैं पर आतिशी मार्लेना सरकार बेपरवाह है अतः अब उपराज्यपाल महोदय का हस्ताक्षेप आवश्यक है।

सचदेवा ने कहा है की यह खेदपूर्ण है की दिल्ली का सामान्य एक्यूआई बहुत तेज़ी से बढ़ता हुआ गत चार दिन में लगभग दुगना हो गया है पर दिल्ली की मुख्य मंत्री सुश्री आतिशी मार्लेना पूरी तरह चुप हैं उनके पर्यावरण मंत्री रोज़ एक ब्यान देकर दायित्व की इतिश्री कर देते हैं। वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है दिल्ली में विंटर प्रदूषण का मुख्य कारण पराली जलना एवं टूटी सड़कों से उड़ने वाली धूल है पर बार बार पूछने पर भी अरविंद केजरीवाल द्वारा बनाई मार्लेना सरकार यह नही बताती

की उसने इन पर क्या कार्य योजना बनाई है।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा हे की दिल्ली वाले मुख्य मंत्री आतिशी मार्लेना से जानना चाहते हैं उनकी सरकार ने पराली जलना रोकने को लेकर अपनी ही पार्टी की पंजाब की सरकार के साथ क्या कार्य योजना बनाई है। सचदेवा ने कहा है की केन्द्र सरकार ने पंजाब सकार को गत तीन साल में हजारों खेत सफाई मशीनों के आलावा पराली खरीदने के लिए फंड भी दिया है पर पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार इनका वितरण कर पराली जलने से रोकने का कोई ठोस उपाय नही करती। खेदपूर्ण है कि अरविंद केजरीवाल जब मुख्य मंत्री थे तब भी और आज भी केवल राजनीतिक प्रपंचों में लगे रहते हैं उन्हे दिल्ली एवं पंजाब के लोगों के स्वास्थ की कोई परवाह नही है।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा है की इसी तरह दिल्ली में यमुना का प्रदूषण स्तर लगातार बढ़ रहा है और मार्लेना सरकार लापरवाही से आंख मूंदे बैठी है। सचदेवा ने कहा है की यमुना नदी जब हरियाणा से पल्ला, दिल्ली में प्रवेश करती है तो इसका सामान्य फयूकल केलिफोरम स्तर 12000 होता है और जब तक यह ओखला के पास दिल्ली छोड़ती है यह बढ़कर 96000 हो जाए है। दिल्ली में 27 बिना उपचार के नाले यमुना में गिरते हैं जो उसके जल को जहर बना देते हैं और फयूकल कोलीफोरम स्तर आठ गुणा बढ़ा देते हैं। सचदेवा ने उपराज्यपाल महोदय से मांग की है कि छठ की तैयारी के लिए वह तुरंत हस्ताक्षेप करें और वरिष्ठ अधिकारियों की विधानसभा अनुसार टीमों गठन करें और इस वर्ष यमुना किनारे भी छठ घाट बनाये जायें।

भाजपा ने बैजयंत पांडा को दिल्ली चुनाव प्रभारी बनाया

-गाजियाबाद के सांसद अतुल गर्ग होंगे सह चुनाव प्रभारी

-अगले साल फरवरी में होने हैं दिल्ली विधानसभा के चुनाव

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के अगले साल फरवरी में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा नेतृत्व ने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत पांडा को चुनाव प्रभारी नियुक्त किया है। गाजियाबाद के लोकसभा सांसद अतुल गर्ग सह प्रभारी होंगे। ओडिशा से लोकसभा सदस्य पांडा, इससे पहले दिल्ली के संगठन प्रभारी रह चुके हैं और संगठनात्मक जिम्मेदारी संभाल रहे थे। चुनाव प्रभारी के रूप में उनकी नियुक्ति से भाजपा को राष्ट्रीय राजधानी में उनके अनुभव का लाभ मिलने की उम्मीद है। दिल्ली विधानसभा चुनाव अगले साल फरवरी में होने की संभावना है। भाजपा के दिल्ली के चुनाव बेहद कठिन माने जाते हैं, क्योंकि वह 1998 से सत्ता से बाहर है। भाजपा व पूर्ववर्ती जनसंघ के गढ़ माने जाने वाले दिल्ली में भाजपा ने 21वीं सदी में लगभग एक चौथाई हिस्सा गुजर जाने के बाद भी अभी तक सरकार बनाने में सफलता नहीं पाई है। दिल्ली को विधानसभा का दर्जा मिलने के बाद भाजपा ने पहली सरकार 1993 में बनाई थी और पांच साल में उसके तीन मुख्यमंत्री रहे, लेकिन इसके बाद वह सत्ता में नहीं आई है। हालांकि, भाजपा लोकसभा की सातों सीटें लगातार तीन बार से जीत रही है। इस बार भाजपा नेतृत्व ने दिल्ली में जीत की पुख्ता तैयारी शुरू कर दी है और उसने तीन महीने पहले ही चुनाव प्रभारी घोषित कर चुनावी कमान अपने हाथ में ले ली है। इस बार भी यहां पर त्रिकोणीय मुकाबला भाजपा, कांग्रेस व आम आदमी पार्टी में होने की संभावना है। तीनों ही दल राष्ट्रीय दल हैं, ऐसे में सभी के लिए यह प्रतिष्ठा के चुनाव होंगे। भाजपा के लिए यह इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वह देश के विभिन्न हिस्सों में लगातार सफलता हासिल कर रही है। लेकिन, केंद्र में सत्ता में होने के बावजूद वह दिल्ली से दूर बनी हुई है।

पश्चिम बंगाल में भूख हड़ताल कर रहे जूनियर डॉक्टरों के समर्थन में दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन ने दिया धरना

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर की रेप के बाद हुई हत्या मामले में पश्चिम बंगाल के जूनियर डॉक्टर पिछले 67 दिनों से धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। साथ ही कुछ डॉक्टरों ने भूख हड़ताल भी शुरू कर दी है। आज भूख हड़ताल का 11वां दिन है। लेकिन, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा जूनियर डॉक्टरों की मांगे पूरी नहीं की गई है, इसलिए डॉक्टरों का अनशन जारी है।

पश्चिम बंगाल के जूनियर डॉक्टरों के समर्थन में आज दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन (छ्रू) ने आईटीओ हेडक्वार्टर पर धरना प्रदर्शन किया। साथ ही बंगाल सरकार से वहां के जूनियर डॉक्टरों की मांगों को जल्द पूरा करने की अपील की। आईएमए एक्शन कमेटी के अध्यक्ष और आईएमए के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय अग्रवाल ने बताया कि कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के साथ दरिंदगी को 2 महीने से ज्यादा का समय बीत चुका है। लेकिन, पश्चिम बंगाल सरकार ने अभी तक डॉक्टरों की मांगों को नहीं सुना।

पांच डॉक्टरों की हालत गंभीर- डॉ. विनय अग्रवाल ने कहा कि डॉक्टर पूरे धैर्य के साथ न्याय और इंसाफ की मांग कर रहे हैं। वहीं, बंगाल सरकार उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दे रही है। मजबूरन जूनियर डॉक्टरों को भूख हड़ताल पर बैठना पड़ा है, जिसमें से पांच डॉक्टरों की हालत गंभीर है। दो से ज्यादा डॉक्टर आईसीयू में भर्ती हैं। इसलिए दिल्ली यूनिट दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन, आईएमए जूनियर डॉक्टर नेटवर्क दिल्ली यूनिट और आईएमए मेडिकल स्टूडेंट नेटवर्क (एमएसएन) ने आज आईएमए हेडक्वार्टर पर धरना दिया और पश्चिम बंगाल सरकार से मामले में जल्द सुनवाई की मांग की है।

आंदोलन के लिए किया गया मजबूर- डॉ. विनय अग्रवाल ने कहा कि पश्चिम बंगाल की घटना के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने भी स्वत संज्ञान लिया। राष्ट्रपति ने भी चिंता व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने भी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से बात की। लेकिन, इसके बावजूद मामले में अभी इंसाफ मिलता नहीं दिख रहा है। डॉक्टर के सब्र का इम्तिहान लिया जा रहा है। हम लोग पहले भी 12 घंटे तक गैर जरूरी सेवाओं को ठप कर चुके हैं। फिर आंदोलन के लिए मजबूर किया जा रहा है।

डॉक्टर को चाहिए भय मुक्त वातावरण- डॉ. विनय अग्रवाल ने कहा कि डॉक्टर को अपने कार्यस्थल पर काम करने के लिए भय मुक्त वातावरण की बहुत जरूरत है। अगर उन्हें वह माहौल नहीं मिलेगा तो वह पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ अपना काम नहीं कर पाएंगे। इसलिए आईएमए एक्शन कमेटी के बतौर अध्यक्ष मैं पश्चिम बंगाल सरकार से मांग करता हूं कि जल्दी से जल्दी डॉक्टरों की बात सुनी जाए। साथी उन्होंने कहा कि डॉक्टर को देशभर में सुरक्षा प्रदान करने के लिए सेंट्रल हेल्थ प्रोटेक्शन एक्ट भी लागू करना बहुत जरूरी है।

दिल्ली विश्वविद्यालय में सामुदायिक विकास पर संगोष्ठी का आयोजन

-सामुदायिक विकास के भारतीय मॉडल पर हुई चर्चा

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. भीमराव अंबेडकर कॉलेज, और के.के.एम. कॉलेज, पाकुड़ के संयुक्त तत्वावधान में 'भारतीय मॉडल ऑफ़ कम्युनिटी डेवेलपमेंट' पर एक राष्ट्रीय परामर्श कार्यक्रम का आयोजन डॉ. भीमराव अंबेडकर कॉलेज के प्रांगण में हुआ। कार्यक्रम ने सामुदायिक विकास के भारतीय मॉडल पर चर्चा के लिए एक मंच प्रदान किया, जहां विद्वानों, विशेषज्ञों और छात्रों ने मिलकर सामुदायिक विकास के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया। इस कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलगीत के गायन के साथ मां सरस्वती की वंदना से हुई। इसके बाद डॉ. भीमराव अंबेडकर कॉलेज के प्राचार्य ने सभी को संबोधित किया और कार्यक्रम के संयोजक प्रो. बिष्णु मोहन दास ने कार्यक्रम की रूपरेखा और उद्देश्य से सभी को अवगत कराया। कार्यक्रम के सह-अध्यक्ष प्रो. युगल झा ने भी सभा को संबोधित किया। दिल्ली विश्वविद्यालय की अंतर्राष्ट्रीय संबंध समिति की अध्यक्ष, प्रो. नीरा अग्निमित्रा ने सभा को संबोधित किया, और कॉलेजों के डीन प्रो. बलराम पाणि ने इस अवसर पर अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय शिक्षा मंडल के राष्ट्रीय संगठन सचिव शंकरानंद बी.आर. जी थे। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति, प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की। इस सत्र का संचालन प्रो. दीपाली जैन ने किया, जबकि कार्यक्रम के सह-संयोजक कुमार सत्यम् ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।

दिल्ली : पार्क में ओपन जिम का उपकरण गिरने से 4 वर्षीय बच्चे की मौत

नई दिल्ली। पश्चिमी जिले के मोती नगर इलाके में एक पार्क में लगे ओपन जिम में एक्सरसाइज मशीन टूटकर एक बच्चे के ऊपर गिर गई। घटना में बच्चे की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। फिलहाल मोती नगर थाना पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक घटना 13 अक्टूबर शाम की है, जब पुलिस को आचार्य भिक्षु अस्पताल से एक कॉल मिली थी। कॉल में बताया गया था कि चार साल का बच्चा मृत लाया गया है। पूछताछ में पता चला कि बच्चा पार्क में खेल रहा था, तभी ओपन जिम की एक मशीन उसके ऊपर आ गिरी। जिससे बच्चे की छाती में गंभीर चोट आई और उसकी मौत हो गई। पश्चिमी जिले के डीसीपी विचित्र वीर के अनुसार मृतक बच्चे की पहचान अरविंद (4) के रूप में हुई है। उसके पिता संजय सऊदी अरब में मजदूरी का काम करते हैं। जबकि मां हाउस वाइफ है और वह नेपाल की रहने वाली है।

दिल्ली-एनसीआर में खराब आबोहवा के बाद ग्रैप लागू, जानें किन-किन चीजों पर होती है पाबंदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (वेब वार्ता)। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) खतरे के निशान के पार पहुंच गया है। दिल्ली एनसीआर के कई इलाके ऐसे हैं, जहां का एक्यूआई 300 से ज्यादा है। स्थिति को देखते हुए दिल्ली सरकार ने एनसीआर में ग्रैप का पहला चरण लागू कर दिया है। ऐसे में आईए जानते हैं कि ग्रैप के कितने चरण होते हैं और किस चरण में किन-किन चीजों पर पाबंदी होती है।

एक्यूआई 201 से 300 के बीच रहने पर ग्रैप का पहला चरण लागू किया जाता है। इसमें निर्माण और विध्वंस से निकलने वाली धूल और मलबे के प्रबंधन से संबंधित निर्देश लागू होते हैं। खुली जगहों पर कचरा जलाने और फेंकने पर रोक लगाई जाती है। नियमित रूप से कूड़ा उठाने के निर्देश दिए जाते हैं। सड़कों पर धूल उड़ने से रोकने के लिए कुछ दिनों के अंतराल पर पानी का छिड़काव किया जाता है। डीजल जनरेटर सेट के इस्तेमाल पर रोक लगाई जाती है और पीयूसी के नियमों को सख्ती से लागू किया जाता है। वाहनों से निकलने वाले धुएं पर सख्ती बरती जाती है।

एक्यूआई 301 से 400 के बीच होने पर ग्रैप का दूसरा चरण लागू किया जाता है। इसमें अस्पतालों, रेल और मेट्रो सेवाओं को छोड़कर अन्य जगहों पर डीजल जनरेटर के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाया जाता है। रोजाना सड़कों की साफ-सफाई और पानी का छिड़काव किया जाता है। फैक्ट्रियों में केवल उचित ईंधन का इस्तेमाल किया जाता है। लोगों को सार्वजनिक परिवहन का अधिकतम इस्तेमाल करने के लिए पार्किंग फीस बढ़ाई जाती है, निर्माण स्थलों पर निरीक्षण बढ़ा दिया जाता है।

एक्यूआई 401 से 450 के बीच होने पर तीसरा चरण लागू किया जाता है। इसमें हर दिन सड़कों की सफाई की जाती है, नियमित रूप से पानी का छिड़काव किया जाता है। निर्माण और विध्वंस से निकलने वाले धूल और मलबे का सही तरीके से निष्पादन किया जाता है। दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद और गौतम बुद्ध नगर में पेट्रोल से चलने वाले बीएस-3 इंजन और डीजल से चलने वाले बीएस-4 चार पहिया वाहनों के इस्तेमाल पर रोक लगाई जाती है।

एक्यूआई 450 से अधिक होने पर ग्रैप का चौथा चरण लागू किया जाता है। इस चरण में ट्रक, लोडर जैसे भारी वाहनों को दिल्ली में प्रवेश करने पर रोक लगा दी जाती है। केवल आवश्यक सामग्री वाली आपूर्ति करने वाले वाहनों को प्रवेश दिया जाता है। सभी प्रकार के निर्माण और विध्वंस कार्यों पर प्रतिबंध लगा दिया जाता है। राज्य सरकार स्कूली छात्रों के लिए ऑनलाइन कक्षाएं और सरकारी तथा निजी कार्यालयों के लिए घर से काम करने का निर्णय भी ले सकती है। ऑड-ईवन का निर्णय भी चौथे चरण में लिया जा सकता है, हालांकि यह अनिवार्य नहीं है, लेकिन ऐसा करने के लिए राज्य सरकार को अधिकार दिए गए हैं।

डीटीसी के सभी कर्मचारी बुधवार को दिल्ली परिवहन निगम मुख्यालय पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन करेंगे

नई दिल्ली। दिल्ली ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (डीटीसी) के हजारों कर्मचारी अपनी पांच मांगों को लेकर लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं। इसी को लेकर दिल्ली परिवहन निगम के सभी कर्मचारी बुधवार को दिल्ली परिवहन निगम मुख्यालय पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन करेंगे। इस बीच एकता यूनियन के अध्यक्ष ललित चौधरी डीटीसी की प्रबंध निदेशक शिल्पा शिंदे एवं दिल्ली सरकार को ज्ञापन देंगे। यह धरना बुधवार सुबह 10 बजें से शाम पांच बजे तक इंद्रप्रस्थ (आईपी) मुख्यालय में चलेगा।